नवबिहार टाइम्स

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

• बोकारो, मंगलवार 22 सितम्बर 2026 • वर्ष : 10 • अंक : 127 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

गढ़वा स्थित बंशीधर मंदिर पहुंचने पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार का किया गया स्वागत

डिजिटल युग में नई चीजें सीखने की आवश्यकता : राज्यपाल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गढ़वा। झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार सोमवार को एक दिवसीय दौरे पर गढ़वा पहुंचे। यहां उन्होंने फरठिया स्थित बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस दौरान राज्यपाल ने विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। गढ़वा के फराथिया में यूनिवर्सिटी कैंपस पहुंचने पर जिले के उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक ने गुलदस्ता देकर गवर्नर का स्वागत किया। इसके बाद गवर्नर को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। उन्होंने यूनिवर्सिटी कैंपस में एक पौधा भी लगाया। यूनिवर्सिटी प्रशासन ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ गवर्नर का स्वागत किया और उन्हें कार्यक्रम स्थल, यानी ऑडिटोरियम तक ले गए। मुख्य अतिथि ने दीप जलाकर यूनिवर्सिटी के पहले दीक्षांत समारोह का उद्घाटन किया। विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों से उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को डिग्रियां प्रदान की गईं और दो छात्रों को मानद डॉक्टरेट की उपाधियां

गवर्नर ने प्रदान कीं। इस मौके पर राज्यपाल संतोष गंगवार ने कहा कि बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह में शामिल होकर उन्हें प्रसन्नता हो रही है। यह केवल विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान करने का अवसर नहीं है बल्कि विश्वविद्यालय से निकलने के बाद उनके भविष्य की दिशा तय करने का भी अवसर है। उन्होंने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई दी। राज्यपाल ने कहा कि दीक्षांत समारोह का अर्थ केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं है। विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों को जो ज्ञान दिया है उसे अपने जीवन में किस तरह उतारना है, यह उन पर निर्भर करता है। शिक्षा की वास्तविक सार्थकता तभी है जब उसका लाभ समाज को मिले। उन्होंने कहा कि आज डिजिटल युग में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में जरूरी है कि विद्यार्थी नई चीजें सीखने और नए अवसर तलाशने के लिए हमेशा तैयार रहें। उन्होंने कहा कि यह दिन विश्वविद्यालय के लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उसका पहला दीक्षांत समारोह है। राज्यपाल ने विद्यार्थियों से कहा कि वे जहां भी जाएं वहां अपने विश्वविद्यालय का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत का जो सपना देखा है उसे साकार करने में ऐसे ही विश्वविद्यालयों से निकलने वाले युवा महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

सड़कों पर यातायात नियमों का सख्ती से कराया जाएगा पालन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जमशेदपुर। बिगड़ती यातायात व्यवस्था और सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए ट्रैफिक पुलिस और जिला परिवहन विभाग ने कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। इसी को लेकर ट्रैफिक डीएसपी कार्यालय में डीएसपी और डीटीओ ने ऑटो व ई-रिक्शा चालकों के साथ बैठक की। बैठक में चालकों को यातायात नियमों का पालन करने और वाहनों के जरूरी दस्तावेज दुरुस्त रखने का निर्देश दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि शहर की सड़कों पर अब यातायात नियमों का सख्ती से पालन कराया जाएगा। ऑटो और ई-रिक्शा चालकों के लिए वैध ड्राइविंग लाइसेंस और परमिट रखना जरूरी होगा। इसके साथ ही चालकों को निर्धारित ड्रेस पहनकर वाहन चलाने का भी निर्देश दिया गया है। बैठक में सड़क किनारे या जहां-तहां ऑटो और ई-रिक्शा खड़ा करने को लेकर भी चालकों को चेतावनी दी गई। अधिकारियों ने कहा कि बेतरतीब तरीके से वाहन खड़ा करने से सड़क पर जाम की स्थिति बनती है और दुर्घटना का खतरा भी बढ़ जाता है। इसलिए चालकों को निर्धारित स्थान पर ही वाहन रोकने और यात्रियों को चढ़ाने-उतारने के दौरान भी यातायात व्यवस्था का ध्यान रखने को कहा गया। ट्रैफिक डीएसपी ने स्पष्ट किया कि यातायात व्यवस्था में बाधा डालने या नियमों का उल्लंघन करने वाले ऑटो और ई-रिक्शा चालकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। नियमों का उल्लंघन करने पर 500 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। शहर में ऑटो और ई-रिक्शा की जांच मंगलवार से शुरू की जाएगी। जिन चालकों के पास फिलहाल वैध ड्राइविंग लाइसेंस या परमिट नहीं है, उन्हें अपने दस्तावेज दुरुस्त कराने के लिए एक सप्ताह का समय दिया गया है। अधिकारियों ने साफ किया है कि इस समय सीमा के बाद बिना जरूरी दस्तावेज या नियमों का उल्लंघन करते पाए जाने वाले चालकों पर कार्रवाई की जाएगी।

फहीम खान के भाई समेत तीन को मारी गोली

धनबाद(नबिटा ब्यूरो)। जिले के वासेपुर में गैंगस्टर फहीम खान के भाई के साथ दो अन्य लोगों को बाइक सवार अपराधियों ने गोली मार दी। इस घटना में तीनों घायल हो गए। सभी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वासेपुर में सोमवार को बाइक सवार दो अपराधियों ने दिनदहाड़े गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया। इस गोलीबारी में तीन लोगों को गोली लगी है। जिन्हें गोली लगी है उनमें गैंगस्टर फहीम खान का भाई सानु खान, छपरा स्टोर के मालिक चंकी और एक महिला शामिल है। अपराधियों ने यह पूरी वारदात दिनदहाड़े वासेपुर के सबसे व्यस्ततम भुली मोड़ के पास अंजाम दिया। घटना की सूचना मिलते ही सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव, बरवाअड्डा थाना प्रभारी, बैंक मोड़ थाना प्रभारी और भुली ओपी प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल से सात खोखे बरामद किए हैं। सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने बताया कि फिलहाल तीनों घायलों का इलाज चल रहा है और सभी खतरे से बाहर हैं।

थैलेसीमिया-सिकल सेल मरीजों को अब निजी अस्पतालों में भी मुफ्त चढ़ेगा खून

मरीजों को घर के पास ही मिलेंगी इलाज की बेहतर सुविधाएं : मंत्री

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में थैलेसीमिया, सिकल सेल एनीमिया और गंभीर एनीमिया से जूझ रहे मरीजों के लिए स्वास्थ्य विभाग ने नई व्यवस्था लागू की है। अब आयुष्मान भारत और अबुआ स्वास्थ्य कार्ड धारकों को सरकारी अस्पतालों के साथ सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में भी सुविधा मिलेगी। इन मरीजों को निर्धारित पैकेज के तहत निःशुल्क रक्त चढ़ाने की सुविधा मिलेगी। स्वास्थ्य विभाग ने निजी अस्पतालों में इलाज की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए अलग-अलग पैकेज और उनकी दरें तय की है। यह व्यवस्था पूरे राज्य में लागू की गई है। इसका उद्देश्य नियमित रूप से रक्त चढ़वाने वाले मरीजों को अपने जिले या घर के आसपास इलाज की सुविधा उपलब्ध कराना है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि थैलेसीमिया और सिकल सेल एनीमिया जैसे रोगों में मरीजों को नियमित अंतराल पर रक्त की जरूरत पड़ती है। सरकार का प्रयास है कि मरीजों को जांच, इलाज और रक्त चढ़ाने के लिए दूरदराज के अस्पतालों का चक्कर न लगाना पड़े। मंत्री

ने कहा कि सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में भी सुविधा मिलने से मरीजों को अपने आसपास इलाज और रक्त चढ़ाने की सुविधा मिल सकेगी। मरीजों की स्क्रीनिंग, जरूरी जांच और समुचित इलाज की व्यवस्था को भी मजबूत किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग ने यह सुनिश्चित किया है कि निजी अस्पतालों में भी मरीजों को गुणवत्तापूर्ण इलाज मिल सके, जिसके लिए विभिन्न सेवाओं के पैकेज निर्धारित किए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने सिकल सेल और गंभीर एनीमिया के मामलों में निजी अस्पतालों के लिए अलग-अलग पैकेज निर्धारित किए हैं। रूटीन वार्ड के लिए 2100 रुपये, एचडीयू के लिए 3300 रुपये, बिना वेंटिलेटर आईसीयू के लिए 8500 रुपये और वेंटिलेटर वाले आईसीयू के लिए 9000 रुपये की दर तय की गई है। थैलेसीमिया मरीजों के लिए अलग डे-केयर पैकेज भी निर्धारित किए गए हैं, जिनमें रक्त चढ़ाने के साथ आवश्यक जांच और कुछ मामलों में आयरन चिलेशन दवाओं (शरीर से अतिरिक्त आयरन निकालने के लिए) का प्रावधान है। इन पैकेजों की दरें मरीज की श्रेणी के अनुसार 2300 से 3200 रुपये तक हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने ज़ोर देकर कहा कि सरकार का लक्ष्य हर गरीब और जरूरतमंद मरीज को समय पर रक्त, ज़रूरी जांच और अच्छा इलाज देना है। यह नई व्यवस्था सिर्फ मौजूदा परेशानी को ही दूर नहीं करेगी बल्कि यह सुनिश्चित करेगी कि आने वाले समय में भी मरीजों को अपने जिले और घर के पास ही इलाज की बेहतर सुविधाएं मिलें।

आभूषण व्यवसायी को हथियार दिखाकर लूटा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गिरिडीह। जिले के बगोदर थाना क्षेत्र में अटका चौक से करीब 200 मीटर दूर एक आभूषण व्यवसायी से लूटपाट हुई है। दो बाइक पर सवार चार अपराधियों ने हथियार दिखाकर इस वारदात को अंजाम दिया। अपराधी व्यवसायी बंटी स्वर्णकार से नकदी और गहनों से भरे दो बैग छीनकर फरार हो गए। बंटी स्वर्णकार अपनी दुकान बंद कर बाइक से घर लौट रहे थे। उन्होंने एक बैग बाइक की डिक्की में रखा था और दूसरा झोला हैंडल में लटका हुआ था। जैसे ही वे घर पहुंचे और अंदर जाने वाले थे तभी यह घटना हुई। बगोदर की ओर से दो बाइक पर चार लोग वहां पहुंचे। सभी ने हेलमेट पहन रखा था। अपराधियों ने एक बाइक आगे और दूसरी पीछे खड़ी कर बंटी स्वर्णकार का रास्ता रोक दिया। व्यवसायी के मुताबिक इससे पहले कि वे कुछ समझ पाते, अपराधियों ने हथियार दिखाकर डिक्की में रखा बैग और हैंडल में लटका झोला छीन लिया। इसके बाद वे जीटी रोड के रास्ते गोरहर-बरकट्ठा की ओर भाग गए। व्यवसायी ने बताया कि अपराधियों के पास हथियार होने के कारण वे डर गए थे। बाद में हो-हल्ला करने पर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने अपराधियों का पीछा भी किया लेकिन तब तक सभी फरार हो चुके थे। पीड़ित व्यवसायी के अनुसार दोनों बैग में करीब 20 से 30 हजार रुपये नकद, सोने के आभूषण और लगभग डेढ़ किलो चांदी थी। सूचना मिलने के बाद बगोदर-सरिया अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी धनंजय कुमार राम और बगोदर थाना प्रभारी राजेश कुमार अटका गांव पहुंचे। उन्होंने घटना की जानकारी ली। सोमवार को भी पुलिस टीम अटका पहुंची और घटनास्थल के आसपास की दुकानों और प्रतिष्ठानों में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाली।

संक्षिप्त समाचार

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान 8 अक्तूबर को आयेंगे रांची

रांची(नबिटा ब्यूरो)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान आठ अक्तूबर को रांची आएंगे। इस दौरान वह भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के भारतीय कृषि जैव प्रौद्योगिकी संस्थान का दौरा करेंगे। अपने रांची दौरे के दौरान शिवराज सिंह चौहान आईआईएबी के नवनिर्मित प्रशासनिक भवन का उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा वह राजनीतिक कार्यकर्ताओं से भी मुलाकात करेंगे।

कांग्रेस का लोकभवन मार्च 26 सितंबर को

रांची(नबिटा ब्यूरो)। एमएमडीआर एक्ट और चंदा चोरी के खिलाफ झारखंड कांग्रेस की ओर से 26 सितंबर को प्रस्तावित लोकभवन मार्च एवं महाधरना-प्रदर्शन कार्यक्रम में एआइसीसी के स्थायी आमंत्रित सदस्य और झारखंड प्रभारी के. राजू भी शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पार्टी के प्रभारी के. राजू दो दिवसीय दौरे पर रांची आ रहे हैं। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव सह मीडिया विभाग के संयोजक लाल किशोर नाथ शाहदेव ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि पार्टी प्रभारी के. राजू 25 सितंबर को झारखंड दौरे पर आएंगे।

विषैला पदार्थ खाने से वृद्ध की मौत

देवघर(नबिटा ब्यूरो)। विषैला पदार्थ खाने से 70 वर्षीय ईश्वर सिंह की देवघर सदर अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गयी। मृतक बिहार के जमुई जिले के चकाई थाना क्षेत्र के लकठाडीह गांव के रहने वाले थे। बताया जाता है कि ईश्वर सिंह ने भूलवश किसी विषैले पदार्थ का सेवन कर लिया था। इसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। स्थिति गंभीर होने पर परिजन उन्हें आनन-फानन में इलाज के लिए देवघर सदर अस्पताल लेकर पहुंचे जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गयी।

मोबाइल के लिए नाबालिग की हत्या, तीन गिरफ्तार

लातेहार(नबिटा ब्यूरो)। जिले के मनिका थाना क्षेत्र से 15 अगस्त से लापता 16 साल के छोटू कुमार का कंकाल 38 दिन बाद बंशी नाला जंगल (कुमंडीह जंगल) से मिला है। पुलिस ने इस मामले का खुलासा करते हुए एक नाबालिग समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में सिंजो निवासी प्रेमचंद भुइयां और बेलवाटांड़ निवासी शिवम भुइयां उर्फ शिवम कुमार उर्फ श्याम शामिल हैं। इन दोनों को जेल भेज दिया गया है जबकि नाबालिग आरोपी को बाल सुधार गृह भेजा गया है। यह जानकारी डीएसपी मुख्यालय प्रदीप कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि मोबाइल के लिए इस घटना को अंजाम दिया गया है।

भारतीय कृषि उच्चतर प्रसंस्करण संस्थान का मनाया गया स्थापना दिवस समारोह

रांची(नबिटा ब्यूरो)। भारतीय कृषि उच्चतर प्रसंस्करण संस्थान (निसा) का 103वां स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। संस्थान की स्थापना वर्ष 1924 में हुई थी। कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक (कृषि विस्तार एवं कृषि अभियांत्रिकी) डॉ राजबीर सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। परिषद के सहायक महानिदेशक (प्रक्षेत्र अभियांत्रिकी) डॉ केपी सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम में जुड़े। संस्थान के निदेशक डॉ अभिजीत कर ने निसा की उपलब्धियों और सफलताओं की जानकारी दी। मुख्य अतिथि डॉ राजबीर सिंह ने अपने संबोधन में परिषद के विभिन्न संस्थानों और वैज्ञानिकों के बीच आपसी समन्वय बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने अनुसंधान से जुड़ी गतिविधियों और उपलब्धियों को साझा करने के प्रयासों पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि डॉ केपी सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में रिसर्च के काम पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। कार्यक्रम के दौरान 1 से 15 सितंबर तक आयोजित हिंदी पखवारा के तहत विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। इसके अलावा संस्थान की वार्षिक गृह पत्रिका 'लाक्षा 2026' का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में डॉ मुहम्मद फहीम अंसारी ने स्वागत भाषण दिया जबकि डॉ देबबंद्या महापात्रा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

हाईकोर्ट ने पर्यटन विभाग के सचिव को किया तलब

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने रामगढ़ के रजरप्पा मंदिर से जुड़े संजीव कुमार सिंह की अवमानना याचिका पर सुनवाई के दौरान राज्य सरकार के जवाब से असंतुष्ट होकर पर्यटन विभाग के सचिव को 29 सितंबर को सुनवाई में अदालत के समक्ष सशरीर उपस्थित होने का निर्देश दिया है। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अपर महाधिवक्ता जय प्रकाश उपस्थित हुए। उन्होंने अदालत को बताया कि महाधिवक्ता किसी कारण से कोर्ट के समक्ष उपस्थित नहीं हो सके हैं। कोर्ट ने जब उनसे पिछली सुनवाई के आदेश के आलोक में राज्य सरकार की ओर से उपलब्ध निर्देश के बारे में जानकारी मांगी तो अपर महाधिवक्ता ने बताया कि उनके पास इस संबंध में कोई निर्देश उपलब्ध नहीं है। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता भरत कुमार ने पक्ष रखा। अदालत ने स्पष्ट निर्देश दिया कि अगली तारीख पर पर्यटन विभाग के सचिव स्वयं उपस्थित रहें। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 29 सितंबर निर्धारित की। दरअसल मामले में पिछली सुनवाई में अदालत से एडवोकेट जनरल ने रजरप्पा मंदिर क्षेत्र के विकास के संबंध में सरकार से निर्देश प्राप्त करने के लिए समय मांगा था। कोर्ट ने उस दौरान कहा था कि पहले सरकार की ओर से रजरप्पा मंदिर के पुनरुद्धार के लिए राज्य संसाधनों से राशि की व्यवस्था करने की बात कही गयी थी और डीपीआर तैयार कराने के लिए कंसल्टेंट भी नियुक्त किया गया। अब सरकार केंद्र की 'प्रसाद' योजना से वित्तीय सहायता लेने पर विचार कर रही है। अदालत ने सवाल उठाया था कि यदि शुरू से ही केंद्र की योजना से राशि लेने का विचार था तो इसकी जानकारी पहले क्यों नहीं दी गयी। एडवोकेट जनरल ने अदालत को बताया था कि केंद्र सरकार की प्रसाद योजना के तहत वित्तीय सहायता लेने के लिए राज्य सरकार विचार कर रही है। इस पर अदालत ने सवाल उठाया था कि जब मंदिर विकास को लेकर पूर्व में पर्यटन विभाग के सचिव ने कोर्ट में राज्य सरकार की गंभीरता बतायी थी तो उस समय केंद्र की योजना से सहायता लेने की बात क्यों नहीं बतायी गयी थी। अदालत ने यह भी कहा था कि पर्यटन विभाग के सचिव के बयान के आधार पर कंसल्टेंट नियुक्त किया गया था। कंसल्टेंट ने डीपीआर तैयार की और उसे खुली अदालत में प्रस्तुत भी किया गया था। सचिव ने हलफनामे में कहा था कि कोर्ट के आदेश का अक्षरशः पालन करने और मंदिर के विकास के लिए सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी के बाद उचित राशि की व्यवस्था की जाएगी। खंडपीठ ने सवाल उठाया था कि अब सरकार के रुख में बदलाव क्यों आया और यदि केंद्र की योजना से सहायता लेने का निर्णय विचाराधीन था तो पहले की कार्यवाही में इसकी जानकारी क्यों नहीं दी गयी।

24 सितंबर को पीएमएलए कोर्ट में हाजिर होंगे सीएम हेमंत सोरेन

रांची(नबिटा ब्यूरो)। राजधानी रांची के चर्चित बड़गाई अंचल की 8।86 एकड़ जमीन से जुड़े मामले में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अब 24 सितंबर को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए पीएमएलए की कोर्ट में हाजिर होंगे। उसी दिन बड़गाई जमीन विवाद मामले में आरोप गठन पर सुनवाई होगी। आज 21 सितंबर को मुख्यमंत्री की ओर से एएजी अच्युत केशव कोर्ट में हाजिर हुए। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि किस वजह से सुनवाई की अगली तारीख 24 सितंबर तय हुई है। हाईकोर्ट में आइए खारिज होने के बाद मुख्यमंत्री को 19 सितंबर को पीएमएलए कोर्ट में पेश होना था लेकिन उनके अधिवक्ता ने सीएम की व्यस्तता का हवाला देते हुए पेश होने में असमर्थता जताई थी। इस आधार पर विशेष अदालत के न्यायाधीश योगेश कुमार ने पेशी के लिए 21 सितंबर की तारीख तय कर दी थी। अब सुनवाई की अगली तारीख 24 सितंबर तय हो गई है। दरअसल बड़गांई की 8.86 एकड़ जमीन से जुड़े कथित फर्जीवाड़ा मामले में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड हाईकोर्ट इंटरलोक्यूटरी एप्लीकेशन दाखिल कर विशेष अदालत में पेशी से छूट का आग्रह किया था लेकिन 18 सितंबर को सुनवाई के दौरान जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की अदालत ने उनकी आईए याचिका को खारिज कर दिया था।

विभागीय समन्वय से बढ़ेगी योजनाओं की रफ्तार : उपायुक्त

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बोकारो। उपायुक्त अजय नाथ झा ने समाहरणालय सभाकक्ष में सोमवार को डीएमएफटी पीएमयू और मीडिया मॉनिटरिंग टीम के साथ समीक्षा बैठक कर विभिन्न योजनाओं की प्रगति का जायजा लिया। बैठक में जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) से संचालित योजनाओं, उनके क्रियान्वयन और आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गयी। समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने डीएमएफटी पीएमयू द्वारा किये जा रहे कार्यों की प्रगति की जानकारी ली और योजनाओं के प्रभावी संचालन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने बेसलाइन सर्वे, डोर-टू-डोर एनसीडी (गैर संचारी रोग) स्क्रीनिंग, गोटरी बैंक, शिक्षा एवं स्कूल आधारभूत संरचना की कमियों से संबंधित प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया। साथ ही संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर योजनाओं के कार्यान्वयन में तेजी लाने और निर्धारित समयसीमा के भीतर लक्ष्य हासिल करने पर जोर दिया। उपायुक्त ने कहा कि

डीएमएफटी की योजनाओं का उद्देश्य खनन प्रभावित क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं और जनसेवाओं को मजबूत करना है। इसके लिए सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ काम करना होगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि योजनाओं की प्रगति की नियमित समीक्षा करें और लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करें। बैठक में मीडिया मॉनिटरिंग टीम की भूमिका की भी समीक्षा की गयी। उपायुक्त ने टीम को सभी विभागों से नियमित प्रगति प्रतिवेदन प्राप्त करने, उसकी समीक्षा करने और समेकित रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि विभागीय उपलब्धियों और विकास कार्यों की अद्यतन जानकारी व्यवस्थित रूप से संकलित की जाये ताकि प्रशासनिक स्तर पर उसकी प्रभावी मॉनिटरिंग की जा सके। उपायुक्त ने अधिकारियों को माह के अंत तक प्रस्तावित प्रेस कॉन्फ्रेंस के लिए आवश्यक तैयारियां पूरी करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिया कि विभिन्न विभागों की उपलब्धियों, योजनाओं की वर्तमान स्थिति और विकास कार्यों से संबंधित आंकड़े एवं सूचनाएं समय पर उपलब्ध करायी जायें। बैठक में उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, प्रशिक्षु आईएएस अरविंद राधाकृष्णन, एपीआरओ अविनाश कुमार समेत डीएमएफटी पीएमयू और मीडिया मॉनिटरिंग टीम के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

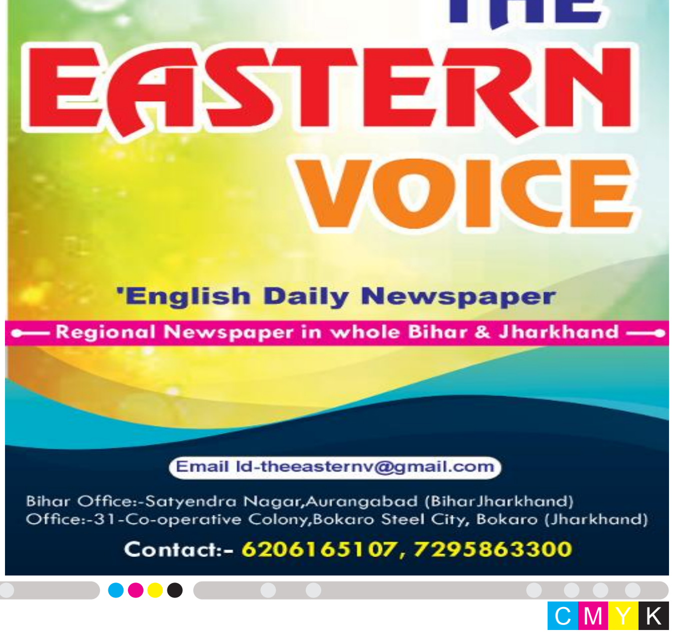

अवैध कोयला खनन और भ्रष्टाचार को लेकर भाजपा ने सरकार पर बोला हमला

कहा - सरकारी संरक्षण में चल रहा अवैध कोयले का कारोबार, अत्यधिक सेस से उद्योगों को हो रहा नुकसान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो। हजारीबाग परिसदन भवन में सोमवार को भाजपा की ओर से आयोजित प्रेस वार्ता में प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद आदित्य साहू ने झारखंड में कथित अवैध कोयला खनन, कोयला तस्करी और खनिज संसाधनों से जुड़े राजस्व को लेकर राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला। प्रेस वार्ता का संचालन भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद सिंह ने किया। आदित्य साहू ने आरोप लगाया कि राज्य में पुलिस व्यवस्था और सरकार के संरक्षण में प्रतिदिन हजारों ट्रक अवैध कोयला विभिन्न क्षेत्रों से निकाला जा रहा है। उन्होंने कहा कि अवैध कोयले के कारोबार के कारण उउछ और इउउछ जैसी सरकारी कंपनियों के कारोबार पर भी असर पड़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि केंद्रीय कोयला मंत्री ने भी इस स्थिति पर चिंता जताई है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कोयले और आयरन ओर पर लगाए गए सेस को लेकर भी राज्य सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि झारखंड में कोयले पर 450 रुपये प्रति टन और आयरन ओर पर 600 रुपये प्रति टन सेस लगाया गया है, जबकि छत्तीसगढ़ में कोयले पर सेस काफी कम है। उनके अनुसार, अधिक सेस के कारण स्थानीय उद्योग और पावर प्लांट दूसरे राज्यों से खनिज खरीदने को मजबूर हो रहे हैं, जिससे झारखंड को राजस्व का नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि ओडिशा ने पिछले कुछ वर्षों में खदानों की नीलामी से करीब 80 हजार करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त किया, जबकि झारखंड में पिछले छह वर्षों में 34 खदानों में से केवल चार की नीलामी हुई। उन्होंने सभी खदानों की पारदर्शी नीलामी की आवश्यकता जताई। साहू ने उट्रठ फंड के उपयोग को लेकर भी सवाल उठाते हुए दावा किया कि केंद्र से झारखंड को करीब 19 हजार करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इस राशि का अपेक्षित रूप से जनहित में उपयोग नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि कोयला चोरी पर रोक लगाने के लिए आम्रपाली क्षेत्र में उक्त्र्र के 200 जवानों की तैनाती की गई है और आने वाले समय में राज्य के अन्य खनन क्षेत्रों में भी सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जाएगी। उनके अनुसार, कड़े नियमों और उक्त्र्र की तैनाती के बाद पिछले एक महीने में वैध उद्ध लगाने वाले कारोबारियों की संख्या में 75 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। आदित्य साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार जनता के अधिकारों और राज्य के प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की कथित भ्रष्ट और लूट की नीतियों के खिलाफ भाजपा का संघर्ष जारी रहेगा। मौके पर बरही विधायक मनोज यादव, सदर विधायक प्रदीप प्रसाद, बरकट्ठा विधायक अमित यादव, प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह, प्रदेश मंत्री सरोज सिंह, अमरदीप यादव, जिला महामंत्री जयनारायण कुशवाहा, शिवलाल महतो, शेफली गुप्ता, आनंद देव, कुणाल किशोर दुबे, दीपक मेहता, आलोक कुमार, मनमीत अकेला, कुलदीप कृष्णा, टुन्नू गोप, रेणुका साहू, राजेश गुप्ता, सुदेश चंद्रवंशी, अजीत चंद्रवंशी समेत बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

24 घंटे का अल्टीमेटम, कार्रवाई नहीं होने पर विश्वविद्यालय का होगा घेराव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। गिरिडीह कॉलेज में शैक्षणिक एवं प्रशासनिक समस्याओं तथा प्राचार्य डॉ. एम.एन. सिंह के खिलाफ अभाविप द्वारा लगाए गए कथित वित्तीय अनियमितता, भ्रष्टाचार, फर्जी हस्ताक्षर और सरकारी खाते से अवैध निकासी के आरोपों की जांच की मांग को लेकर चल रहा अनिश्चितकालीन धरना सोमवार को सातवें दिन भी जारी रहा। आंदोलन के बीच अभाविप के प्रदेश मंत्री प्रकाश टुटी के धरना स्थल पर पहुंचकर बैठने के बाद विनोबा भावे विश्वविद्यालय का दो सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल भी वहां पहुंचा और आंदोलनकारियों से वार्ता की। अभाविप का कहना है कि संबंधित दस्तावेज और साक्ष्य करीब दो माह पहले विश्वविद्यालय प्रशासन को सौंपे जा चुके हैं, लेकिन अब तक ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। प्रतिनिधिमंडल ने मामले की शीघ्र जांच और आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।प्रदेश मंत्री प्रकाश टुटी ने कहा कि अभाविप किसी व्यक्ति को पहले से दोषी घोषित करने की मांग नहीं कर रही है। संगठन की मांग केवल प्रस्तुत दस्तावेजों और साक्ष्यों की निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध जांच की है। उन्होंने कहा कि यदि आरोप गलत हैं तो जांच से स्थिति स्पष्ट हो जाएगी और यदि अनियमितता प्रमाणित होती है तो नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए। टुटी ने विश्वविद्यालय प्रशासन को 24 घंटे का समय देते हुए कहा कि इस अवधि में जांच और कार्रवाई की दिशा में ठोस पहल नहीं हुई तो अभाविप विश्वविद्यालय का घेराव करेगी और कुलपति के इस्तीफे की मांग को लेकर आंदोलन तेज करेगी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय अब केवल आश्वासन नहीं, बल्कि कार्रवाई करे। चार दिन की भूख हड़ताल के बाद दो कार्यकर्ता अस्पताल में आंदोलन के दौरान जिला संयोजक नीरज चौधरी और सीएफएस संयोजक अनीश रॉय चार दिनों से भूख हड़ताल पर थे। स्वास्थ्य बिगड़ने के बाद चिकित्सकों की सलाह पर दोनों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अभाविप ने कहा कि दोनों के उपचार और स्वास्थ्य की निगरानी प्राथमिकता में है। प्रदेश सह मंत्री भी धरना में शामिल अभाविप के प्रदेश सह मंत्री मंटू मुर्मू भी आंदोलन में शामिल होकर धरना पर बैठे।

संक्षिप्त समाचार

हाईकोर्ट में न्यायाधीश बनकर जाएंगे राम शर्मा, एलएडीसी अधिवक्ताओं ने दी भावुक विदाई

मेदिनीनगर/पलामू (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। पलामू जिला व्यवहार न्यायालय के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा अध्यक्ष राम शर्मा को झारखंड हाईकोर्ट में न्यायाधीश के पद पर पदोन्नति मिलने पर सोमवार को लीगल एड डिफेंस काउंसिल (एलएडीसी) के अधिवक्ताओं ने भावुक विदाई दी। समारोह में अधिवक्ताओं ने उन्हें गुलदस्ता, अंगवस्त्र एवं मोमेंटो भेंटकर सम्मानित किया। मौके पर एलएडीसी के चीफ अमिताभ चंद्र सिंह ने कहा कि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के रूप में राम शर्मा ने महज एक वर्ष के कार्यकाल में अपनी कार्यशैली और न्यायिक योगदान की अमिट छाप छोड़ी है। गरीब, असहाय एवं जेल में बंद बंदियों के हित में किए गए उनके कार्य लंबे समय तक याद किए जाएंगे। उनकी निष्ठा, निष्पक्षता, समर्पण और न्याय के प्रति प्रतिबद्धता सराहनीय रही। डिप्टी चीफ संतोष कुमार पांडेय ने कहा कि राम शर्मा का हाईकोर्ट में न्यायाधीश के रूप में जाना एलएडीसी के लिए गर्व के साथ भावुक क्षण भी है। उन्होंने दूरदृष्टि, कार्यनिष्ठा और मानवीय संवेदना के साथ न्यायिक दायित्वों का निर्वहन किया। उनके नेतृत्व में एलएडीसी को नई ऊर्जा और स्पष्ट दिशा मिली। सभी के साथ समान व्यवहार और कुशल संवाद की उनकी शैली ने न्यायिक अधिकारियों, कर्मियों, अधिवक्ताओं और वादकारियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया। उन्होंने कहा कि राम शर्मा का पलामू से जाना एक रिक्तता छोड़ेगा, लेकिन विश्वास है कि हाईकोर्ट में उनकी प्रतिभा न्यायहित में नई ऊंचाइयां हासिल करेगी।मौके पर वीर विक्रम बक्स राय, उत्तम कुमार, पुष्कर राज, कुमारी नीतू सिंह और एलएडीसी के असिस्टेंट अमित कुमार विश्वकर्मा मौजूद थे।

बैंक ग्राहक सेवा केंद्र लूटने पहुंचे दो लुटेरे धराए, बंदूक की नोक पर लूटी बाइक से पहुंचे थे बदमाश

लेस्लीगंज/पलामू (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। ग्रामीण बैंक के ग्राहक सेवा केंद्र में लूट की वारदात को अंजाम देने पहुंचे दो बदमाशों को ग्रामीणों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। दोनों आरोपी सुबह बंदूक की नोक पर लूटी गई पल्सर बाइक से ग्राहक सेवा केंद्र पहुंचे थे। लूट के दौरान गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर जुट गए और दोनों युवकों को दबोच लिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपियों को हिरासत में ले लिया। तलाशी के दौरान पुलिस ने उनके पास से पिस्टल, बैग और गोली का खोखा बरामद किया। जिस पल्सर बाइक का इस्तेमाल लूट की कोशिश में किया गया था, उसे भी पुलिस ने जब्त कर लिया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दोनों युवक ग्रामीण बैंक के ग्राहक सेवा केंद्र को निशाना बनाने पहुंचे थे। हालांकि, स्थानीय लोगों की तत्परता के कारण वे अपने मंसूबे में कामयाब नहीं हो सके। गोली चलने की आवाज के बाद लोगों ने साहस दिखाते हुए दोनों को पकड़ लिया। पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है। बरामद हथियार, बाइक और अन्य सामान के आधार पर पुलिस लूट की इस कोशिश के पीछे शामिल अन्य लोगों और आरोपियों के आपराधिक इतिहास की भी जांच कर रही है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मचा हुआ है।

उपायुक्त ने जिला पुस्तकालय का किया औचक निरीक्षण, विद्यार्थियों से संवाद कर अध्ययन के प्रति किया प्रेरित

हजारीबाग (नवबिहार टाइम्स ब्यूरो)। उपायुक्त हेमन्त सती ने सोमवार को जिला पुस्तकालय, हजारीबाग का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पुस्तकालय में पठन-पाठन की स्थिति, बिजली, पेयजल, साफ-सफाई एवं विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध अन्य आवश्यक सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने पुस्तकालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी पढ़ाई एवं तैयारी से संबंधित जानकारी ली।

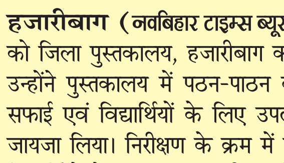

उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित रूप से अध्ययन करने, मेहनत एवं अनुशासन के साथ अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को अनावश्यक व्यवधानों एवं विसंगतियों से बचते हुए पूरी लगन के साथ अध्ययन करने की सलाह दी। विद्यार्थियों ने उपायुक्त से पुस्तकालय में अध्ययन का समय बढ़ाने का अनुरोध किया। विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए उपायुक्त ने पुस्तकालय में वाई-फाई की व्यवस्था कराने तथा सोलर पैनल लगाने की दिशा में आवश्यक पहल करने की बात कही। उपायुक्त ने पुस्तकालय कर्मियों को पुस्तकालय का बेहतर संचालन सुनिश्चित करने, नियमित रूप से साफ-सफाई बनाए रखने तथा विद्यार्थियों की आवश्यक जरूरतों पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। उन्होंने पुस्तकालय में उपलब्ध संसाधनों का समुचित रखरखाव एवं विद्यार्थियों को अध्ययन के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया।

गोविंदपुरा की अवैध पत्थर खदान पर प्रशासन का बड़ा प्रहार

गिरिडीह (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। जमुआ थाना क्षेत्र के गोविंदपुरा गांव में संचालित कथित अवैध पत्थर खदान पर प्रशासन और खनन विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। एसडीएम समीर रेनियर खलखो के नेतृत्व में हुई संयुक्त छापेमारी में मौके से भारी मात्रा में अवैध विस्फोटक सामग्री, एक ट्रैक्टर और पोकलेन मशीन जब्त की गई। कार्रवाई के बाद अवैध खनन से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया। बताया गया कि गोविंदपुरा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध पत्थर उत्खनन तथा सुरक्षा मानकों की अनदेखी कर विस्फोटक के इस्तेमाल की सूचना प्रशासन को मिल रही थी। सूचना के आधार पर एसडीएम समीर रेनियर खलखो, खनन पदाधिकारी विश्वनाथ उरांव, अंचल अधिकारी नरेश वर्मा और जमुआ पुलिस की संयुक्त टीम ने अचानक खदान पर धावा बोला। प्रशासनिक टीम को देखते ही खदान स्थल पर अफरा-तफरी मच गई। कार्रवाई के दौरान वहां मौजूद कई लोग अपने वाहन छोड़कर फरार हो गए। टीम ने मौके से विस्फोटक सामग्री के साथ ट्रैक्टर और पोकलेन मशीन को जब्त कर लिया। एसडीएम ने स्पष्ट किया कि पर्यावरणीय नियमों और कानून की अनदेखी कर किए जा रहे अवैध खनन को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। खनन विभाग के निर्देश पर जमुआ पुलिस ने जब्त सामान को कब्जे में लेते हुए खदान संचालकों और संलिप्त लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में अवैध खनन कारोबार से जुड़े लोगों के बीच हड़कंप की स्थिति है।

श्री श्याम प्रभु का 47वां वार्षिक महोत्सव आज से

निशान पालकी शोभायात्रा, अखंड ज्योत और भजन कीर्तन बनेगा आकर्षण; परिवार सहित शामिल होने की अपील

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। श्री श्याम सेवा मंडल (रजि.), गिरिडीह के तत्वावधान में श्री श्याम प्रभु खाटू वाले का 47वां वार्षिक महोत्सव मंगलवार, 22 सितंबर से श्री महावीर कुटिया मंदिर प्रांगण, कुटिया रोड, रामबाग में शुरू होगा। महोत्सव को लेकर श्याम भक्तों में उत्साह है। महोत्सव के पहले दिन सुबह 9 से 11 बजे तक बाबा की ज्योत प्रज्ज्वलित की जाएगी। इसके बाद दोपहर 2:15 बजे भव्य निशान एवं पालकी शोभायात्रा निकाली जाएगी। मंगलवार से बुधवार तक अखंड भजन-कीर्तन का आयोजन होगा। बाबा का भव्य श्रृंगार, आकर्षक दरबार, अखंड ज्योत, सवामणी एवं छप्पन भोग महोत्सव के प्रमुख आकर्षण होंगे। आयोजन को सफल बनाने में संयोजक संजय कुमार भुदौलिया, सह संयोजक किशन अग्रवाल, अध्यक्ष बाँके बिहारी शर्मा, उपाध्यक्ष मनोज खण्डेलवाल, सचिव कुणाल कुमार मोदी, सह-सचिव संजय शर्मा (सीए), कोषाध्यक्ष प्रभात खेतान एवं सह कोषाध्यक्ष नारायण सौंधालिया सहित पूरी आयोजन समिति जुटी हुई है। आयोजन समिति ने सभी श्याम प्रेमियों से परिवार सहित महोत्सव में पहुंचकर बाबा श्री श्याम के दर्शन और भजन कीर्तन का पुण्य लाभ लेने की अपील की है।

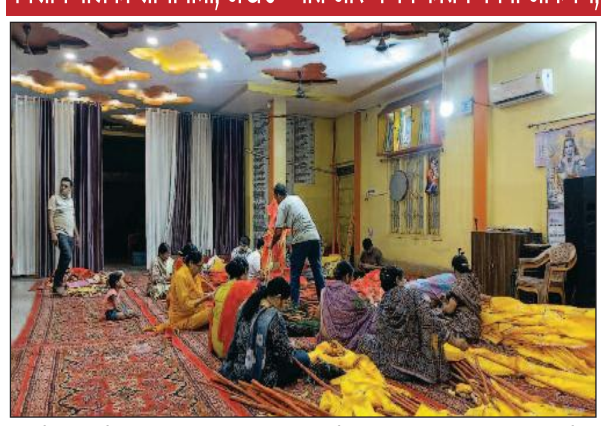

पेट के लिए जद्दोजहद : कोयला निकालने जमीन के भीतर उतर रहे लोग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। पेट पालने की मजबूरी इंसान से क्या क्या नहीं करवाती। रोजगार के अभाव में गरीब लोग जमीन के भीतर उतरकर कोयला निकालने की जद्दोजहद कर रहे हैं। माले नेता राजेश सिन्हा ने मौके पर पहुंचकर अंदर जाकर स्थिति का जायजा लिया और कोयला निकालने के दौरान लोगों को होने वाली परेशानियों को करीब से देखा। राजेश सिन्हा ने कहा कि ह्वयह सिर्फ कोयला निकालने का मामला नहीं, बल्कि गरीबों के पेट की लड़ाई है। लोग शौक से जमीन के अंदर नहीं उतर रहे, बल्कि परिवार चलाने की मजबूरी उन्हें इस जोखिम भरे काम तक ले आई है।ह्व उन्होंने आरोप लगाया कि कोयला निकालने के दौरान लोगों को कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है और पुलिस की पूछताछ व कार्रवाई से भी उनकी परेशानी बढ़ती है। सिन्हा ने कहा कि एक तरफ बेरोजगारी और भूख की मार है, तो दूसरी तरफ पुलिस की सख्ती। ऐसे में गरीब आखिर जाए तो जाए कहां? माले नेता ने कहा कि सरकार और प्रशासन को गरीबों की मजबूरी को समझना चाहिए। ह्वकार्रवाई से पहले रोजगार का रास्ता दिखाइए। लोगों को जान जोखिम में डालकर कोयला निकालने के लिए मजबूर करने वाली परिस्थितियां खत्म करनी होंगी।ह्व उन्होंने इस समस्या के स्थायी समाधान और प्रभावित लोगों के लिए सुरक्षित व सम्मानजनक रोजगार की व्यवस्था की मांग की।

जएसएससी-सीजीएल विवाद पर बाबूलाल मरांडी का हमला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जएसएससी-सीजीएल और जेपीएससी भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए पूरे मामले की सीबीआई जांच की मांग दोहराई है। गिरिडीह में एक निजी संस्थान के उद्घाटन कार्यक्रम में पहुंचे मरांडी ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया से जुड़े हर स्तर की निष्पक्ष जांच जरूरी है। मरांडी ने कहा कि झारखंड हाईकोर्ट में सरकार की ओर से दाखिल हालिया जवाबी हलफनामे में जएसएससी-सीजीएल परीक्षा प्रक्रिया से जुड़ी गंभीर गड़बड़ियों का उल्लेख किया गया है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि सरकार के पास ऐसे तथ्य पहले से मौजूद थे, तो पूर्व में अदालत में दाखिल हलफनामों में पूरी जानकारी क्यों नहीं रखी गई। उन्होंने कहा कि जांच केवल निचले स्तर पर कार्रवाई तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि परीक्षा प्रक्रिया और जांच से जुड़े अधिकारियों की भूमिका की भी स्वतंत्र जांच होनी चाहिए। दोष सिद्ध होने पर संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग भी उन्होंने की। मरांडी ने सीआईडी जांच की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए सीबीआई जांच की मांग की। साथ ही प्रशांत कुमार और सुधीर गुप्ता को जएसएससी से हटाने तथा मनोज कौशिक को सीआईडी एडीजी के पद से मुक्त करने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर भ्रष्टाचार के दोषी अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, मरांडी द्वारा लगाए गए आरोप और की गई मांगें राजनीतिक बयान हैं। मामले में अंतिम निष्कर्ष जांच एवं न्यायिक प्रक्रिया के आधार पर ही तय होगा। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष रंजीत राय समेत महेंद्र वर्मा, दिलीप वर्मा, सुरेश साव, सुनील पासवान, दिनेश यादव, लक्ष्मण स्वर्णकार, विनय सिंह, महादेव दुबे, संदीप डोंगाइच, कामेश्वर पासवान, नवीन सिन्हा, मनीष वर्मा, अशोक उपाध्याय, निर्भय सिंह, संजीव कुमार गुड्डू, मिथुन चंद्रवंशी, मुनिया देवी, उषा देवी, संगीता सेठ, प्रो. विनीता कुमारी, पिंकी वर्मा और प्रेम तिवारी समेत भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

माथाडीह में वर्किंग वूमेन हॉस्टल का विरोध

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। नगर निगम क्षेत्र के वार्ड नंबर 21 स्थित माथाडीह मौजा में प्रस्तावित वर्किंग वूमेन हॉस्टल निर्माण का स्थानीय दलित-आदिवासी रैयतों ने दूसरी बार शांतिपूर्ण विरोध किया। ग्रामीणों ने उपायुक्त को पूर्व में दिए आवेदन की उचित जांच कराने तथा हॉस्टल का निर्माण किसी अन्य खाली जमीन पर कराने की मांग की। निर्माण स्थल के समीप आयोजित आपात बैठक में ग्रामीणों ने कहा कि प्रस्तावित 2.33 एकड़ जमीन पर करीब 30-40 परिवार वर्षों से निर्भर हैं। ग्रामीणों का दावा है कि उन्हें जमीन का कोई मुआवजा नहीं मिला है और न ही उनकी जमीन का विधिवत अधिग्रहण किया गया है। उनका कहना था कि इतनी कम जमीन ही उनके परिवारों के लिए सहारा है। यदि यह जमीन भी चली गई तो उनके सामने गंभीर संकट खड़ा हो जाएगा। पूर्व जिला परिषद सदस्य सह ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक के जिला संयोजक राजेश यादव ने ग्रामीणों के आंदोलन का समर्थन करते हुए कहा कि विकास के नाम पर गरीबों को उजाड़ने की नीति उचित नहीं है। उन्होंने प्रशासन से रैयतों के आवेदन की निष्पक्ष जांच कराने और गरीब परिवारों की निर्भरता वाली जमीन को छोड़कर किसी अन्य स्थान पर हॉस्टल निर्माण कराने की मांग की। उन्होंने ग्रामीणों से शांतिपूर्ण, लोकतांत्रिक और संवैधानिक तरीके से अपनी मांग को लेकर संघर्ष जारी रखने की अपील करते हुए हर स्तर पर समर्थन देने की बात कही। बैठक में पार्टी नेता मनोज कुमार यादव, वार्ड पार्षद राजकुमार भुईया के अलावा विजय कोल, सिन्टू कुमार दास, टीपू दास, जागो कोल, विजय दास, अर्जुन दास, गणेश दास, यदु दास, कोल्हा दास, दिनेश कोल, विनोद कोल, राहुल कोल, विकास कोल, गिरिया देवी, बसंती देवी, उर्मिला देवी, सावित्री देवी और गुड़िया देवी सहित अन्य मौजूद थे।

बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय में पहली बार हुआ दीक्षांत समारोह

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गढ़वा। फरठिया स्थित बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय में सोमवार को प्रथम दीक्षांत समारोह आयोजित हुआ। समारोह में झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और विभिन्न पाठ्यक्रमों में सफल छात्र-छात्राओं को डिग्रियां प्रदान कीं। दो विद्यार्थियों को मानद डॉक्टरेट की उपाधि भी दी गई। विश्वविद्यालय पहुंचने पर राज्यपाल को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद उन्होंने परिसर में पौधारोपण किया और दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। राज्यपाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह डिग्री पाने के साथ जीवन के नए चरण की शुरूआत का अवसर है। शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार हासिल करना नहीं, बल्कि जिम्मेदार नागरिक बनना भी है।

राज्य में विकास ठप, ब्लॉक-थाना से अनुमंडल तक बिना चढ़ावे नहीं होता काम : बाबूलाल मरांडी

तिसरी में भाजपा का मिलन समारोह सह सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम आयोजित, माले समेत अन्य दलों के करीब 40 लोगों ने थामा भाजपा का दामन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। तिसरी प्रखंड के खटपोंक पंचायत अंतर्गत दलपतडीह सामुदायिक केंद्र में भाजपा की ओर से मिलन समारोह सह सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा के वरिष्ठ नेता व नेता प्रतिपक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी शामिल हुए। भाजपा कार्यकताओं और ग्रामीणों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरूआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। सभा को संबोधित करते हुए बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सोरेन सरकार पर विकास कार्यों को लेकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार बनने के बाद झारखंड में विकास कार्यों की रफ्तार धीमी हो गई है। उन्होंने कहा कि ह्वविकास की शुरूआत सड़क, बिजली और शिक्षा से होती है, लेकिन गांवों तक आज भी बुनियादी सुविधाएं नहीं पहुंच पा रही हैं।ह्व मरांडी ने आरोप लगाया कि बरसात के दिनों में ग्रामीण क्षेत्रों की स्थिति गंभीर हो जाती है और बीमार तथा गर्भवती महिलाओं को खटिया के सहारे मुख्य सड़क तक पहुंचाने की मजबूरी रहती है। उन्होंने तिसरी से घंघरीकुरा तक की जर्जर सड़क का मुद्दा उठाते हुए कहा कि सड़क की स्थिति के कारण आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं, बावजूद इसके सरकार का पर्याप्त ध्यान नहीं है। नेता प्रतिपक्ष ने भ्रष्टाचार को लेकर भी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि ह्वब्लॉक, थाना और अनुमंडल में बिना चढ़ावे के कोई काम नहीं होता।ह्व जन्म प्रमाण पत्र जैसे सामान्य कामों में भी रिश्वत लिए जाने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि सरकारी व्यवस्था में आम लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। खटपोंक पंचायत की मुखिया जानकी यादव ने कहा कि पंचायत के कई इलाकों में बरसात के दौरान आवागमन की समस्या गंभीर हो जाती है। उन्होंने बताया कि बाबूटोल गांव में नदी के कारण ग्रामीणों को काफी परेशानी होती है। उन्होंने बाबूलाल मरांडी से वहां पक्की सड़क निर्माण की पहल करने की मांग की। भाजपा जिला उपाध्यक्ष मनोज यादव ने नए सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि भाजपा सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के सिद्धांत पर काम करती है। करीब 40 लोगों ने थामा भाजपा का दामन कार्यक्रम के दौरान प्रकाश यादव और छोटी यादव के नेतृत्व में माले समेत अन्य दलों से जुड़े करीब 40 लोगों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। नए सदस्यों ने पार्टी के प्रति निष्ठा के साथ काम करते हुए संगठन को मजबूत करने की बात कही। मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता अशोक उपाध्याय, ग्रामीण जिला अध्यक्ष महेंद्र शर्मा, मनोज यादव, रामचंद्र ठाकुर, चंदोरी मंडल अध्यक्ष सुनील साव, सुनील शर्मा, किसून यादव, लक्ष्मण मोदी, उदय साव, विजय यादव, कपिल यादव, माला सिन्हा, मोहन बरनवाल, सुनील यादव, संतोष सिंह समेत कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

त्योहारों में जरूरी वस्तुओं के मालवाहक वाहनों को नो-एंट्री में मिले छूट : झारखंड चैंबर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। त्योहार को देखते हुए शहरी क्षेत्र में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति में लगे तीन पहिया मालवाहक वाहनों को नो-एंट्री के समय प्रवेश की अनुमति देने की मांग चैंबर ने की है।

इसी मुद्दे को लेकर फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधिमंडल ने आज सोमवार को राकेश रंजन वरीय पुलिस अधीक्षक रांची से मुलाकात की। चैंबर अध्यक्ष तुलसी महतो के नेतृत्व में एसएसपी राकेश रंजन के समक्ष पहुंचा शिष्टमंडल ने इस दौरान कहा कि सुबह और शाम में दो-दो घंटे की नो-एंट्री व्यवस्था के कारण आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति से जुड़े छोटे मालवाहक वाहनों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

चैंबर अध्यक्ष तुलसी पटेल ने कहा कि अभी त्योहारों का समय भी समीप है आवश्यक है कि शहर में सप्लाई चेन निर्बाध रूप से बनी रहे। उन्होंने बताया कि आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति में लगे ऐसे वाहनों को निर्धारित शर्तों एवं रूट के अनुरूप कम से कम शाम के समय नो-एंट्री अवधि में प्रवेश एवं परिचालन की अनुमति दिया जाना हितकर होगा।

झारखंड चैंबर शिष्टमंडल के मुलाकात के दौरान वरीय पुलिस अधीक्षक ने यह जानना चाहा कि शाम 5 से 7 बजे की नो-एंट्री अवधि में मालवाहक वाहनों की किन-किन मार्गों पर अधिक आवाजाही अथवा यातायात का दबाव रहता है। उन्होंने चैंबर से ऐसे मार्गों की सूची एवं रूट उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने आश्वस्त किया कि चैंबर से प्राप्त रूट एवं संबंधित क्षेत्रों में यातायात दबाव की समीक्षा करने के बाद आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति में लगे तीन पहिया मालवाहक वाहनों को नो-एंट्री अवधि में प्रवेश की छूट देने के संबंध में उचित विचार किया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल ने इस दौरान जालान रोड क्षेत्र के ट्रांसपोर्ट व्यवसायियों की समस्याओं से भी एसएसपी को अवगत कराया।

ट्रांसपोर्टर्स की समस्याओं को देखते हुए चैंबर अध्यक्ष तुलसी पटेल के नेतृत्व में झारखंड चैंबर और रांची गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने आज संयुक्त रूप से ट्रांसपोर्ट नगर का भ्रमण भी किया। प्रतिनिधिमंडल ने वहां उपलब्ध व्यवस्था तथा ट्रांसपोर्ट नगर में व्यवसायियों को व्यवस्थित रूप से स्थान उपलब्ध कराने की संभावनाओं का जायजा लिया।

रांची एसएसपी से मिला चैंबर शिष्टमंडल

रिश्वत मांगने वाले विपणन अधिकारी निलंबित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रिश्वत मांगने की शिकायत पर कृषि मंत्रालय के विपणन अधिकारी अनुराग को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। आरोप है कि सीहोर जिले में निरीक्षण के दौरान उन्होंने वेयरहाउस से सब्सिडी की राशि जारी करने के एवज में रिश्वत की मांग की थी। शिकायत के अनुसार, भैरुंदा के शिवाय वेयरहाउस से एक लाख रुपये और रेहटी क्षेत्र के बेहराखेड़ी स्थित श्री कृष्णा वेयरहाउस से 60 हजार रुपये मांगे गए थे। शिकायत केंद्रीय कृषि मंत्री तक पहुंचने के बाद उन्होंने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद अधिकारी को निलंबित कर दिया गया।

फर्जी सिम जारी किया तो तीन साल की जेल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दूरसंचार विभाग ने फर्जी तरीके से सिम कार्ड जारी करने, दूरसंचार पहचान से जुड़ी जानकारियों के दुरुपयोग और मोबाइल के आईएमईआई नंबर में छेड़छाड़ करने वालों को सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है। ऐसे मामलों में दोषी पाए जाने पर तीन वर्ष तक की कैद और 50 लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। विभाग ने नागरिकों से अपने नाम पर जारी मोबाइल कनेक्शनों और हैंडसेट की सुरक्षा एवं सत्यापन को लेकर सतर्क रहने की अपील की है। इसके लिए 'संचार साथी' पोर्टल और मोबाइल ऐप का उपयोग कर मोबाइल कनेक्शन तथा डिवाइस से जुड़ी जानकारी की जांच करने की सलाह दी गई है। विभाग ने किसी भी संदिग्ध गतिविधि की स्थिति में तत्काल संबंधित माध्यम से शिकायत करने को कहा है।

सिमडेगा ने अंडर-17 के बालक-बालिका वर्ग में जीता खिताब, खूंटी बनी अंडर-15 चैंपियन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। राज्य स्तरीय नेहरू हॉकी प्रतियोगिता में सिमडेगा और खूंटी की टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया। 19 से 21 सितंबर तक रांची के मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम, मोरहाबादी में आयोजित प्रतियोगिता के अंडर-17 बालक और बालिका वर्ग में सिमडेगा चैंपियन बना। वहीं, अंडर-15 बालक वर्ग का खिताब खूंटी ने जीता।

अंडर-17 बालिका वर्ग के फाइनल में सिमडेगा ने रांची को 3-1 से हराया। सिमडेगा ने शुरुआत से बेहतर तालमेल के साथ खेलते हुए बढ़त बनाए रखी। अंडर-17 बालक वर्ग के फाइनल में सिमडेगा और खूंटी के बीच मुकाबला हुआ। निर्धारित समय के बाद मैच पेनाल्टी शूटआउट में पहुंचा, जहां सिमडेगा ने 4-3 से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया। अंडर-15 बालक वर्ग के फाइनल में खूंटी ने सिमडेगा को 2-0 से हराया। खूंटी की टीम ने शुरुआत से आक्रामक खेल दिखाते हुए मुकाबले में बढ़त बनाए रखी।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में चैंपियन बनी तीनों टीमों को अब दिल्ली में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय नेहरू हॉकी प्रतियोगिता में झारखंड का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा। सिमडेगा की अंडर-17 बालक और बालिका टीम तथा खूंटी की अंडर-15 बालक टीम राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी। समापन पर झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के पदाधिकारियों ने विजेता खिलाड़ियों और टीमों को शुभकामनाएं दीं। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की अपर सचिव सीता पुष्पा ने भी खिलाड़ियों को बधाई दी।

शादी का वादा कर दुष्कर्म के मामले में दोषसिद्धि रद्द

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने शादी का झूठा वादा कर दुष्कर्म करने के आरोप में सात साल की सजा पाए आरोपी शिक्षक की अपील मंजूर करते हुए उसकी दोषसिद्धि और सजा रद्द कर दी। न्यायमूर्ति अरुण कुमार राय की अदालत ने 21 सितंबर 2026 को झारखंड हाईकोर्ट में यह फैसला सुनाया। मामला खूंटी जिले के मुरहू थाना क्षेत्र का है। पीड़िता ने जून 2015 में प्राथमिकी दर्ज कर आरोप लगाया था कि आरोपी अनूप एक्का ने शादी का वादा कर उसे अपने घर ले जाकर दुष्कर्म किया। ट्रायल कोर्ट ने दिसंबर 2016 में आरोपी को आईपीसी की धारा 376 के तहत सात वर्ष के कठोर

कारावास और 25 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई थी। हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि शादी का वादा बाद में पूरा न होना और शुरुआत से ही झूठा वादा करना अलग-अलग परिस्थितियां हैं। अदालत ने पाया कि आरोपी ने बाद में पीड़िता के घर जाकर उसके माता-पिता से शादी की इच्छा भी जताई थी। पीड़िता के बयान के अनुसार आरोपी की मां ने शादी का विरोध किया था। अदालत ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि शादी के झूठे वादे के आधार पर दुष्कर्म का अपराध साबित करने के लिए यह स्थापित करना जरूरी है कि वादा करते समय आरोपी की शादी करने की कोई मंशा ही नहीं थी। इस मामले में अभियोजन पक्ष यह बात संदेह से परे साबित नहीं कर सका। इसके बाद हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट का फैसला और सजा रद्द करते हुए अपील मंजूर कर ली। आरोपी जमानत पर था, इसलिए, उसे जमानत बांड की जिम्मेदारी से भी मुक्त कर दिया गया।

अपहरण के आरोप में दोषी ठहराए गए युवक को हाईकोर्ट से राहत, सजा रद्द

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने अपहरण के मामले में सात साल की सजा पाए अजय कुमार पासवान उर्फ साजन पासवान उर्फ छोटू पासवान को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया। न्यायमूर्ति अरुण कुमार राय की अदालत ने 21 सितंबर 2026 को क्रिमिनल अपील (एस.जे.) संख्या 1050/2017 में यह फैसला सुनाया। मामला बोकारो के बालीडीह थाना कांड संख्या 01/2014 से संबंधित था। ट्रायल कोर्ट ने 3 अप्रैल 2017 को आरोपी को आईपीसी की धारा 366 के तहत दोषी ठहराते हुए सात वर्ष के कठोर कारावास और पांच हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई थी। हाईकोर्ट ने साक्ष्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि धारा 366 के तहत केवल किसी महिला को ले जाना या अपहरण पर्याप्त नहीं है। अभियोजन को यह भी साबित करना जरूरी है कि उसे बल या छल से इस उद्देश्य से ले जाया गया था कि उसे जबरन विवाह या अवैध यौन संबंध के लिए मजबूर किया जाए। अदालत ने पाया कि पीड़िता के बयान में महत्वपूर्ण विरोधाभास हैं। मेडिकल रिपोर्ट में उसकी रेडियोलॉजिकल उम्र 18 वर्ष से अधिक बताई गई थी। साथ ही, अभियोजन के कई गवाह पीड़िता से सुनी बातों के आधार पर बयान देने वाले थे। जांच अधिकारी ने भी आरोपी के घर या पटना जाकर जांच नहीं की थी। अदालत ने सुप्रीम कोर्ट के कविता चंद्रकांत लखानी बनाम महाराष्ट्र राज्य के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि महज अपहरण से धारा 366 का अपराध साबित नहीं होता। पर्याप्त साक्ष्य नहीं मिलने पर हाईकोर्ट ने आरोपी को दोषमुक्त करते हुए ट्रायल कोर्ट की दोषसिद्धि और सजा का आदेश रद्द कर दिया।

करमा पूर्व संध्या पर दिखी लोक संस्कृति की रंगत, मांदर की थाप पर थिरके कदम

रांची। प्रकृति और संस्कृति के महापर्व करमा की पूर्व संध्या पर सोमवार को झारखंड के विभिन्न हिस्सों में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। रांची समेत राज्य के कई स्थानों पर अखरा, कॉलेजों और सांस्कृतिक मंचों को विशेष रूप से सजाया गया। देर शाम तक ढोल-नगाड़ों और मांदर की थाप पर पारंपरिक नृत्य-गान का दौर चलता रहा। 22 सितंबर को मुख्य करम पूजा मनाई जाएगी।

करमा पूर्व संध्या के कार्यक्रमों में झारखंड की समृद्ध लोक और जनजातीय संस्कृति की झलक देखने को मिली। पारंपरिक वेशभूषा में सजे कलाकारों और छात्र-छात्राओं ने मांदर, ढोल और बांसुरी की धुन पर सामूहिक करमा नृत्य की प्रस्तुति दी। गीत-संगीत और नृत्य के बीच पूरा माहौल उत्सवमय नजर आया। कार्यक्रमों में कुड़ुख, मुंडारी, हो, संथाली, नागपुरी और खोरठा सहित विभिन्न क्षेत्रीय और जनजातीय भाषाओं में पारंपरिक करम गीत प्रस्तुत किए गए। इन गीतों के जरिए प्रकृति, सामाजिक परंपराओं और भाई-बहन के रिश्ते से जुड़े भावों को अभिव्यक्त किया गया। युवा पीढ़ी ने भी पूरे उत्साह के साथ सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में हिस्सा लिया।

रांची यूनिवर्सिटी के जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा संकाय, डॉ। श्यामा प्रसाद मुखर्जी यूनिवर्सिटी और दीक्षांत मंडप समेत कई शिक्षण संस्थानों में करमा पूर्व संध्या पर विशेष आयोजन किए गए। इन संस्थानों के अखरों और सांस्कृतिक मंचों पर छात्र-छात्राओं ने पारंपरिक नृत्य और गीतों की प्रस्तुति दी। इसके अलावा विभिन्न सरना समितियों और सामाजिक संगठनों की ओर से भी कार्यक्रम आयोजित किए गए।

निजी स्कूल संघ ने लगाया उपेक्षा का आरोप, प्रस्वीकृति न मिलने पर कोर्ट जाने की चेतावनी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दाउदनगर (औरंगाबाद) । एसोसिएशन ऑफ प्राइवेट स्कूल्स द्वारा रविवार को औरंगाबाद रोड स्थित एक सभागार में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन बीडीओ मोहम्मद जफर इमाम एवं अन्य अतिथियों ने किया, जबकि अध्यक्षता देवदत्त पाठक ने की। संचालन विजय कुमार उर्फ मुन्ना और जितेंद्र कुमार ने संयुक्त रूप से किया। समारोह में सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक रामगति सिंह, नरेंद्र कुमार व गौरी शंकर सिंह तथा निजी विद्यालय के शिक्षक मदन मोहन उपाध्याय, शैलेश कुमार उर्फ शिव लखन सिंह, सुषमाकर पांडे एवं विजय चौबे सहित कई शिक्षकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों पर उपेक्षा का गंभीर आरोप लगाया। वक्ताओं ने कहा कि जिले के अन्य प्रखंडों में प्रस्वीकृतिकरण का कार्य हो चुका है, लेकिन दाउदनगर

में मामला अब भी अटका हुआ है। हर वर्ष इसके लिए जिला शिक्षा पदाधिकारी के चक्कर लगाने पड़ते हैं। वक्ताओं ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार प्राथमिक स्तर पर प्रति छात्र 7,000 रुपये खर्च करती है, जबकि निजी विद्यालय न्यूनतम शुल्क में शिक्षा दे रहे हैं; इसके बावजूद बैठकों में संचालकों के साथ दोयम दर्जे का व्यवहार किया जाता है। संघ ने डीपीओ (सर्व शिक्षा अभियान) सहित अन्य अधिकारियों पर असहयोग का आरोप लगाते हुए कहा कि यदि नियमानुसार प्रस्वीकृति नहीं मिली, तो वे उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे।

बिहार में फार्मासिस्ट कैडर के लिए भर्ती, पदोन्नति व सेवा नियम शीघ्र लागू करने की मांग

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार में फार्मासिस्टों के लिए भर्ती, पदोन्नति एवं सेवा नियम लागू करने की मांग तेज हो गई है। बिहार स्टेट फार्मेसी काउंसिल के निर्वाचित सदस्य डॉ. विकास कुमार सिंह ने स्वास्थ्य मंत्री को पत्र भेजकर राज्य में फार्मासिस्ट कैडर के लिए भर्ती, पदोन्नति व सेवा नियम शीघ्र तैयार कर लागू करने की मांग की है। डॉ. सिंह ने कहा कि सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में फार्मासिस्ट दवा वितरण के साथ मरीजों को दवा संबंधी परामर्श, वैक्सीन एवं कोल्ड-चेन प्रबंधन, दवा भंडारण तथा दवाओं की सप्लाई चेन जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में अपनी जिम्मेदारी निभाते हैं। इसके बावजूद फार्मासिस्टों के लिए स्पष्ट और व्यवस्थित कैरियर प्रगति की व्यवस्था का अभाव लंबे समय से चिंता का विषय बना हुआ है।

दक्षिण पूर्व रेलवे – निविदा

निविदा सं. एसईआर–ओएल–एचक्यू–टीआर–डब्ल्यू–टीएसआर–09–26, भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए, मुख्य ट्रैक इंजीनियर, दक्षिण पूर्व रेलवे, कोलकाता–700043 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट एवं कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) मोड में खुली ई–निविदा आमंत्रित की जाती है: **1. कार्य का नाम:** दक्षिण पूर्व रेलवे में एजेंसी के ट्रैक बिछाने द्वारा थ्रू स्लीपर रिन्यूअल (पी)(पीक्यूआरएस/एसक्यूआरएस/क्यूआरएस/टीएलई) पोर्टल और सामग्री (रेल को छोड़कर)–पुरुलिया जंक्शन–चाण्डिल जंक्शन–टीएसआर (पी) (डाउन)–20.281 टीकेएम, पुरुलिया जंक्शन – चाण्डिल जंक्शन–टीएसआर (पी) (अप)–16.289 टीकेएम, खड़गपुर – भद्रक (अप एवं डाउन)–टीएसआर (पी)–49.619 टीकेएम, (खड़गपुर और आद्रा मंडल) कुल टीएसआर (पी)=86.189 टीकेएम। **2. कार्य का अनुमानित मूल्य:** रु.94,20,42,784.13, **3. बयाना राशि:** रु. 1,88,40,900/–, **4. निविदा की अंतिम तिथि और समय:** 16.12.2026 को 15.00 बजे। **वेबसाइट का विवरण: उक्त कार्य के लिए ई–निविदा प्रणाली एवं ऑनलाइन भागीदारी के लिए संपूर्ण विवरण www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। (PR-786)**

पूर्व मध्य रेल

ई–निविदा सूचना

ई–निविदा सूचना सं. GEM/ 2026/ B/8039394

भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्य हेतु ई: निविदा आमंत्रित की जाती है। **क्रम सं०–(1) कार्य का नाम** – रेलवे बोर्ड के पत्र संख्या E/MPP/2021/1/16 दिनांक 28.12.2022 एवं RBE संख्या 170/2022 के Annexure-B में उल्लिखित विभिन्न गैर महत्वपूर्ण–(Non-Critical) गतिविधियों के लिए। गतिविधियों के लिए सिग्नलिंग स्टाफ की आउटसोर्सिंग, 03 वर्ष के लिए। **(2) कार्य का आकलित मुल्य :** ₹ 8,19,80,837.78 (लगभग) **(3) कार्य का अग्रधन राशि :** ₹ 5,60,000.00 (4) निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : 07.10.2026 (19:00 बजे)। **(5)** ऐसी ई–निविदाओं के तहत डाक/कुरियर/ फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई–निविदा के ई–निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाईट: **http://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध होंगे। **द्रष्टव्य :** प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई–निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की अंतिम तिथि से कम से कम दस दिन पहले वेबसाइट http//www.ireps.gov.in का अवलोकन करें।

वरीय मंडल संकेत एवं दूर संचार अभियंता, धनबाद
पीआर/0953/डीएचएन/एस एण्ड टी/टी/26-27/40

पूर्व रेलवे

सं.: ओ–एसी–टी–139–26–27 (खुली), दिनांक 16.09.2026, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन–713301 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई–निविदा (खुली) आमंत्रित की जाती है: **केस सं. ओ–एसी–टी–139–26–27, कार्य का नाम:** एईएन/2/अण्डाल के खंड में लेवल क्रॉसिंग गेटों, गैंग हट में पोर्टेबल पानी की आपूर्ति के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य:** रु. 20,66,370.20, **बयाना राशि:** रु. 41,300/–, **कार्य की समापन अवधि:** 12 माह। **बंद होने की तिथि और समय:** दिनांक 14.10.2026 को 12.00 बजे। संपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** में देखा जा सकता है।

ASN-266/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट: **www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. 222-एस/1/डब्ल्यू- II, दिनांक 14.09.2026; मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, सियालदह, डीआरएम बिल्डिंग, कैजर स्ट्रीट, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिए नीचे उल्लेखित ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित की जाती हैं: **क्रम सं. 1, निविदा सं. : टीएन-168-26-27; कार्य का नाम:** सोनारपुर एवं बारासात में विद्युतीय (जी) विभाग के लिए कार्यालय भवन का प्रावधान। **निविदा मूल्य:** रु. 1,99,64,861.16; **ईएमडी:** रु. 3,99,300; **क्रम सं. 2, निविदा सं. : टीएन-169-26-27; कार्य का नाम:** सहायक अभियंता/बारासात के अधीन विभिन्न स्थानों पर सेस मरम्मत/उप तटबंध द्वारा तटबंध के पुनरुद्धार के साथ अन्य सभी आनुषंगिक कार्य। **निविदा मूल्य:** रु. 2,50,10,544.51; **ईएमडी:** रु. 5,00,200; **क्रम सं. 3, निविदा सं. : टीएन-170-26-27; कार्य का नाम:** वरिष्ठ मंडल अभियंता/II/सियालदह के अधिकार क्षेत्र में बारासात एवं सोनारपुर ईएमयू कारशेड की सामान्य मरम्मत तथा रखरखाव एवं अन्य नए छोटे-मोटे कार्यों इत्यादि के लिए जोनल कार्य (दिनांक 30.06.2027 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए जोन सं. 41)। **निविदा मूल्य:** रु. 60,00,000; **ईएमडी:** रु. 1,20,000; **क्रम सं. 4, निविदा सं. : टीएन-171-26-27; कार्य का नाम:** सहायक अभियंता/बारासात के अधिकार क्षेत्र में वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (पी.वे)/बारासात अनुभाग में विभिन्न ट्रैक रखरखाव कार्यों के साथ सभी आनुषंगिक कार्यों का निष्पादन। **निविदा मूल्य:** रु. 1,27,54,793.37; **ईएमडी:** रु. 2,55,100; **क्रम सं. 5, निविदा सं. : टीएन-173-26-27; कार्य का नाम:** सियालदह एवं सोनारपुर के अधिकार क्षेत्र के अधीन रेलवे स्टेशनों पर विद्युतीय पैनल का पुनरुद्धार एवं क्षमता वृद्धि। **निविदा मूल्य:** रु. 2,27,08,264.89; **ईएमडी:** रु. 4,54,200; **कार्य समापन अवधि :** 12 महीने (क्रम सं. 1, 3, 4 एवं 5 के लिए) तथा 18 महीने (क्रम सं. 2 के लिए)। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 13.10.2026 को 15.00 बजे। **निविदा खुलने की तारीख एवं समय:** 13.10.2026 को 15.00 बजे। निविदा दस्तावेज एवं अन्य विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। बोलियां ऊपरोक्त वेबसाइट पर ई-निविदा प्रणाली के जरिए जमा की जानी चाहिए। मैनुअल प्रस्ताव तत्काल रद्द कर दिए जाएंगे।

(SDAH-231/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

स्वच्छता अभियान के तहत प्रखंड क्षेत्र में चला विशेष सफाई अभियान

धार्मिक स्थलों से लेकर सार्वजनिक स्थानों तक हुई साफ-सफाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रफीगंज (औरंगाबाद)। रफीगंज प्रखंड क्षेत्र में सोमवार सुबह स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) एवं लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के अंतर्गत 'स्वच्छता ही सेवा' कार्यक्रम के तहत विशेष संयुक्त स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान विभिन्न पंचायतों में धार्मिक स्थलों, छठ घाटों और सार्वजनिक परिसरों की साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया गया। अभियान के तहत ग्राम पंचायत गोरडीहा स्थित सूर्य मंदिर एवं छठ घाट, ग्राम पंचायत बलार के मठ पड़रिया सूर्य मंदिर एवं छठ घाट परिसर की विशेष सफाई कराई गई। वहीं भदुकीकला के खैरा मुंद्रा मंदिर, ग्राम पंचायत पोगर स्थित उप स्वास्थ्य केंद्र, ग्राम पंचायत कोटवारा के अमरपुरा सामुदायिक भवन तथा ग्राम पंचायत अर्थुआ में इंजीनियरिंग कॉलेज के समीप सफाई अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान स्वच्छता पर्यवेक्षक अनिल कुमार, संजू यादव, नारायण कुमार, मोहम्मद मूसा, संटू कुमार, वीणा कुमारी, रणधीर कुमार, मदन कुमार, मोहम्मद मेराज, रामकुमार यादव, अरविंद कुमार एवं रामेश्वर चौधरी सहित अन्य कर्मियों ने विभिन्न स्थानों पर उपस्थित रहकर अभियान को सफल बनाया। वहीं, संबंधित पंचायतों के स्वच्छता कर्मियों ने भी अपने-अपने क्षेत्रों में साफ-सफाई कर अभियान में सक्रिय योगदान दिया। अधिकारियों एवं कर्मियों ने लोगों से सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने और कचरा निर्धारित स्थान पर डालने की अपील की। अभियान के माध्यम से धार्मिक स्थलों, छठ घाटों और सार्वजनिक परिसरों को स्वच्छ रखने के साथ-साथ ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया गया। अभियान में शामिल कर्मियों ने कहा कि स्वच्छ वातावरण स्वस्थ समाज की पहचान है और इसे बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

गायत्री मंत्र के महत्व पर दिया गया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। देव सूर्य नगरी में अवस्थित राम जानकी गायत्री मंदिर के प्रांगण में भगवती वंदनीय माता की जन्म दिवस पर प्रत्येक रविवार के भांति गायत्री मंत्र सामुहिक मानसिक जाप हवन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस अवसर पर जन्म शताब्दी वर्ष समारोह पर आचार्य ललित शर्मा द्वारा प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम को लेकर प्रखंड समन्वयक श्यामता प्रसाद यादव ने गायत्री मंत्र के वैज्ञानिक और आध्यात्मिक महत्व को समझाते हुए कहा कि यह मंत्र जीवन की अनेक समस्याओं का समाधान प्रदान करता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से प्रतिदिन गायत्री महामंत्र का जाप करने की अपील की। साथ ही साधना, स्वाध्याय और शिक्षा के माध्यम से आत्मविकास पर बल दिया गया। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच हवन कुंड में आहुति दी। उन्होंने कहा कि

अच्छे संस्कारों से ही एक सशक्त और समृद्ध समाज का निर्माण संभव है। उन्होंने चरित्र निर्माण पर जोर देते हुए कहा कि सदविचारों को आचरण में उतारना ही सच्चा चरित्र है। एक चरित्रवान व्यक्ति समाज में हर प्रकार से सम्मानित होता है। इस कार्यक्रम में गायत्री परिवार बसंत प्रसाद गुप्ता, विकी कुमार, राखी कुमारी, शांति देवी, अनीता देवी, गीता देवी, सुनीता देवी, रुबी देवी, रीया देवी सैकड़ों माताएं बहनें भाईयों ने भाग लिया।

पूर्व मुख्यमंत्री भोला पासवान शास्त्री की मनाई गई जयंती

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रफीगंज (औरंगाबाद)। शहर के ब्लॉक रोड स्थित एनडीए कार्यालय में सोमवार को मुख्यमंत्री भोला पासवान शास्त्री की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। आयोजित कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने उनके तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित कर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता जदयू प्रखंड अध्यक्ष मधुकर लाल कुशवाहा ने की, जबकि संचालन जदयू जिला उपाध्यक्ष अर्जुन सिंह ने किया। इस दौरान वक्ताओं ने भोला पासवान शास्त्री के सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन को याद करते हुए उनके बताए

मार्ग और आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में भाजपा नगर अध्यक्ष सह प्रखंड कार्यान्वयन समिति उपाध्यक्ष संतोष कुमार साहू, जदयू जिला महासचिव सह विधायक प्रतिनिधि भोला चौधरी, जदयू जिला उपाध्यक्ष विजय विश्वकर्मा, लोजपा प्रखंड अध्यक्ष राजेश कुमार पासवान सहित एनडीए के कई कार्यकर्ता एवं समर्थक मौजूद रहे।

ओवरहेड पोल हटने से दाउदनगर-बारुन नहर मार्ग बना जानलेवा

दाउदनगर (औरंगाबाद)। दाउदनगर-बारुण नहर रोड स्थित तेजपुरा-डीहरा क्षेत्र में सिंचाई विभाग द्वारा लगाए गए ओवरहेड बैरियर का ऊपरी लोहे का पोल हटा दिए जाने से लगातार भीषण हादसे हो रहे हैं। रोक हटने के कारण ट्रैक्टर, पिकअप वैन समेत भारी वाहन अनियंत्रित गति से दौड़ रहे हैं। हाल ही में पिकअप से कुचलकर डॉ. हर्षवर्धन की मौत हो गई थी। वहीं कुछ माह पूर्व तेजपुरा लख के पास हुए हादसे में भटौलिया निवासी छह लोगों की जान चली गई थी। इसके अलावा दो बार स्कॉर्पियो और एक बार पुलिस वाहन भी नहर में गिर चुके हैं। सड़क किनारे उगी झाड़ियों व जंगली तुलसी से दृश्यता घटने और चौरम, तेजपुरा व डीहरा के तीखे मोड़ों के कारण बाइक व ऑटो सवारों पर लगातार खतरा बना रहता है। तेजपुरा के समाजसेवी सौरभ कुमार उर्फ संतोष कुमार ने इस समस्या को लेकर विधायक डॉ. प्रकाश चंद्र से मुलाकात कर ओवरहेड पोल व साइन बोर्ड लगाने की मांग की। विधायक ने सिंचाई विभाग के मुख्य अभियंता से वार्ता की। मुख्य अभियंता ने तीखे मोड़ों पर साइन बोर्ड लगाने और ओवरहेड पोल दुरुस्त कराने की सहमति दी है।

बकरी के विवाद में चाकू मारकर युवक की हत्या

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। कांटी थाना क्षेत्र में धान के खेत में बकरी चले जाने को लेकर शुरू हुआ विवाद खूनी झड़प में बदल गया। आरोप है कि विवाद के दौरान दो भाइयों ने चाकू से हमला कर 40 वर्षीय संतोष कुमार साह की हत्या कर दी। बीच-बचाव करने पहुंचे संतोष के छोटे भाई राजू साह और उनकी नाबालिग बेटी भी घायल हो गईं। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है। पुलिस ने दो नामजद आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी है। परिजनों के अनुसार, रविवार शाम संतोष कुमार साह की बकरी अचानक पड़ोसी के धान के खेत में चली गई थी। बकरी के खेत में जाने को लेकर पड़ोसी पक्ष के लोग नाराज हो गए। देखते ही देखते कहासुनी शुरू हो गई और विवाद बढ़कर मारपीट तक पहुंच गया।बताया जा रहा है कि विवाद के दौरान पहले एक महिला के साथ अभद्रता और मारपीट की गई। इसके बाद दोनों पक्षों की महिलाओं के बीच भी कहासुनी होने लगी। देखते ही देखते मामला इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों में हिंसक झड़प शुरू हो गई।

विवादित टिप्पणी से बवाल

छपरा। चंपारण सत्याग्रह की ऐतिहासिक धरती मोतिहारी में गांधी संग्रहालय की दीवार पर आपत्तिजनक और विवादित टिप्पणी लिखे जाने का मामला सामने आया है। नगर थाना क्षेत्र में नरसिंह बाबा मंदिर के पास स्थित गांधी संग्रहालय की दीवार पर अज्ञात लोगों ने कई तरह की टिप्पणियां लिख दीं। इनमें आरएसएस एक आतंकवादी संगठन है जैसी टिप्पणी लिखे जाने की बात सामने आई है। दीवार पर इस तरह का विवादित लेखन मिलने के बाद स्थानीय लोगों में नाराजगी है। गांधी संग्रहालय चंपारण सत्याग्रह और महात्मा गांधी के मोतिहारी प्रवास से जुड़ा महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थल है। यहां सत्याग्रह से जुड़े चित्र, दस्तावेज और अन्य स्मृतियां संरक्षित हैं। परिसर में गांधी स्मारक स्तंभ भी मौजूद है। ऐसे ऐतिहासिक स्थल की दीवार पर राजनीतिक और विवादित टिप्पणी लिखे जाने को स्थानीय लोगों ने गंभीर मामला बताया है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत चलाया गया स्वच्छता अभियान

टिकारी। भाजपा किसान मोर्चा गया जी पश्चिमी की ओर से प्रधानमंत्री की जन्मदिवस पर सेवा संकल्प अभियान के तहत स्वच्छता अभियान टिकारी के शीतला माता मंदिर में किया गया। परिसर को पूर्ण स्वच्छ झाड़ू, कचड़ा साफ कर किया गया। यह अभियान आम जनमानस में प्रेरणा श्रोत हो का मुहिम मानकर चलाया गया। मौके पर किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष धनंजय कुमार, महामंत्री निरंजन सिंह, मिडिया प्रभारी सह जिला प्रवक्ता शिवबल्लभ मिश्र, मंत्री संतोष यादव, मंडल अध्यक्ष उत्तरी दीपक चंद्रवंशी, मंडल अध्यक्ष दक्षिणी नवीन पाण्डेय, नगर अध्यक्ष पिंटू कुमार, वार्ड पार्षद सह बूथ अध्यक्ष सोनू दुबे, आकाश कुमार, लक्ष्मण शुक्ला, सतेंद्र नारायण सिंह, राजकुमार पासवान आदि लोग मौजूद रहे।

प्रेम प्रसंग के संदेह में विवाहिता का बाल काटा

रांची। अनगड़ा थाना क्षेत्र के बानपुर गांव में शनिवार सुबह 7:00 बजे प्रेम-संबंध के संदेह में तीन महिलाओं ने एक विवाहिता की पिटाई कर दी। आरोपियों ने कैंची और बाल छीलने वाली मशीन से पीड़िता का सिर मुंड दिया। घटना की जानकारी किसी को देने पर आरोपियों ने पीड़िता को गांव में नग्न घुमाने की धमकी भी दी। वारदात के समय आसपास से गुजर रहे लोगों में से किसी ने पीड़िता को बचाने का प्रयास नहीं किया। सूचना मिलने पर अनगड़ा थाने की पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। बानपुर के बेहराटोली निवासी निशा तिर्की को अपने पति रवींद्र असुर पर गांव की ही एक महिला के साथ प्रेम-संबंध होने का शक था। पेशे से राजमिस्त्री रवींद्र के साथ पीड़िता मजदूरी का काम करती है। निशा पिछले एक सप्ताह से अपने पति की गतिविधियों पर नजर रख रही थी। दोनों के बीच लगातार फोन पर होती बातचीत से उसका संदेह गहरा गया। शनिवार सुबह निशा अपनी मां मनीषा तिर्की और वार्ड सदस्य मुन्नी तिर्की के साथ पीड़िता के घर पहुंची। तीनों आरोपियों ने पीड़िता को घर से खींचकर बाहर निकाला और जमकर पीटा। इसके बाद आरोपियों ने मशीन से पीड़िता के बाल काट दिए।

सड़क की ढलाई से लोगों में हर्ष

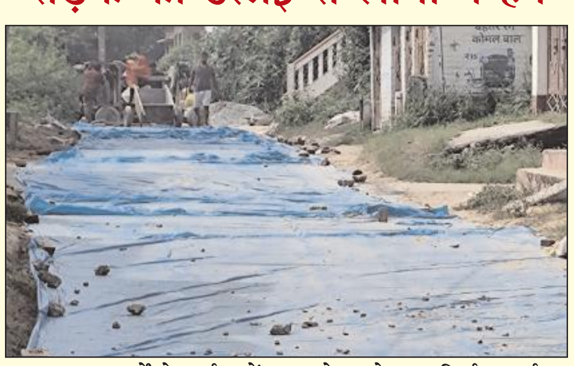

रसूलपुर। 15 वर्षों से जर्जर महेंद्रनाथ स्टेशन रोड का निर्माण कार्य शुरू होने से लोगों में खुशी है। सड़क की पीसीसी ढ़लाई के कारण इस सड़क से लोगों को आवागमन में फिलहाल कुछ दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पीसीसी ढ़लाई निर्माण कार्य शुरू होने के बाद रसूलपुर पंचायत की मुखिया रीता देवी की सराहना की जा रही है। मुखिया पति व प्रतिनिधि मिथिलेश प्रसाद ने बताया कि प्रथम चरण में फिलहाल छपरा सिवान एनएच से अनुरागी ब्रह्म स्थान तक यह कार्य हो रहा है जो उनके रसूलपुर पंचायत की सीमा तक है। करीब 400 मीटर लम्बी स्टेशन रोड में 200 मीटर का पीसीसी कार्य एक सप्ताह के अंदर पूरा हो जाएगा। मुखिया प्रतिनिधि मिथिलेश ने बताया कि निर्माण कार्य 15वीं वित्त आयोग की योजना से हो रहा है।जिस पर करीब आठ लाख रुपए खर्च हो रहा है। इस स्टेशन रोड के बनने से केवल रसूलपुर पंचायत ही नहीं बल्कि छपरा, सिवान, गोपालगंज सहित सूबे के सीमावर्ती देवरिया, गोरखपुर आदि जिलों से आनेवाले बाबा महेंद्रनाथ धाम के हजारों श्रद्धालुओं को लाभ होगा।

पिंक बस सेवा शुरू, छात्राओं में हर्ष

जहानाबाद। महिलाओं की सुरक्षित, सुविधाजनक और सम्मानजनक यात्रा की दिशा में सोमवार को नई पहल शुरू हुई। जहानाबाद समाहरणालय परिसर से पिंक बस सेवा का शुभारंभ किया गया। सांसद सुरेंद्र प्रसाद, घोसी विधायक ऋतुराज कुमार, जिला पदाधिकारी छिरिङ वाई भूटिया और पुलिस अधीक्षक कोटा किरण कुमार समेत जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने हरी झंडी दिखाकर बस को रवाना किया।

बिहार राज्य पथ परिवहन निगम की यह बस पटना-जहानाबाद-हुलासगंज मार्ग पर नियमित रूप से चलेगी। पिंक बस सेवा का उद्देश्य महिलाओं को सुरक्षित, सुविधाजनक एवं भरोसेमंद सार्वजनिक परिवहन सेवा उपलब्ध कराना है। इसके माध्यम से विशेष रूप से छात्राओं एवं महिला यात्रियों को आवागमन में सहूलियत मिलेगी।

खासतौर पर हुलासगंज स्थित इंजीनियरिंग कालेज में पढ़ने वाली छात्राओं की सुविधा को ध्यान में रखकर बस सेवा शुरू की गई है। इससे छात्राओं के साथ पटना, जहानाबाद और हुलासगंज के बीच यात्रा करने वाली अन्य महिला यात्रियों को भी लाभ मिलेगा। पिंक बस को महिला यात्रियों की जरूरतों को ध्यान में रखकर सुविधाओं से लैस किया गया है। प्रत्येक सीट के समीप मोबाइल चार्जिंग प्वाइंट, यात्रियों की सहायता एवं टिकटिंग के लिए महिला कंडक्टर तथा यूपीआई के माध्यम से डिजिटल भुगतान की सुविधा उपलब्ध है। बस के रवाना होते ही छात्राओं में खासा उत्साह दिखा।

30 को झारखण्ड बंद का ऐलान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा ने अपनी मांगों को लेकर 30 सितंबर को पूरे झारखंड में बंद का आह्वान किया है। राज्य गठन हुए 26 वर्ष बीत जाने के बाद भी मांगें पूरी न होने से खफा मोर्चा ने अपना आंदोलन तेज करने का निर्णय लिया है। बंद सफल बनाने के लिए पूर्वी सिंहभूम जिले समेत राज्य में आंदोलनकारी लगातार जनसंपर्क अभियान चला रहे हैं।

झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के पूर्वी सिंहभूम जिलाध्यक्ष शिबू काली माइती ने बताया कि अलग झारखंड राज्य बनने के बावजूद आंदोलनकारियों की मुख्य मांगों पर सरकार की ओर से अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि जिन आंदोलनकारियों ने नए राज्य के निर्माण के लिए कठिन संघर्ष किया और अपने सर्वस्व का त्याग किया, उन्हें आज अपने ही अधिकारों तथा सम्मान को पाने के लिए बार-बार सड़कों पर उतरना पड़ रहा है। इसी उदासीनता के विरोध में मोर्चा ने 30 सितंबर को पूरे राज्य में बंद रखने का निर्णय लिया है।

डूबने से छह बच्चों की मौत

- मौके पर जुटी ग्रामीणों की भीड़
- सीओ ने परिजनों से की मुलाकात

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भागलपुर। जिले के सुल्तानगंज प्रखंड के भीरखुद पंचायत स्थित तरेटा गांव में सोमवार को बाढ़ के पानी में डूबने से छह बच्चों की मौत हो गई। हादसा गैस गोदाम के पास हुआ। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पानी में बच्चों की तलाश शुरू कर दी। इसके बाद सुल्तानगंज थाना पुलिस और अंचल पदाधिकारी को घटना की सूचना दी गई।

ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद सभी छह बच्चों को पानी से बाहर निकाला। इसके बाद उन्हें सुल्तानगंज रेफरल अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद सभी बच्चों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान राहुल कुमार, विकास कुमार, ज्योति कुमारी, पूजा कुमारी, मीनाक्षी कुमारी और आयुष कुमार के रूप में हुई है। सभी बच्चों की उम्र करीब 10 से 15 वर्ष के बीच बताई जा रही है। बताया गया है कि सभी बच्चे आसपास के विष्णु टोला और दुधैला इलाके के रहने वाले थे।

छह बच्चों की मौत की खबर फैलते ही गांव में मातम पसर गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर और अस्पताल में जुट गए। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए

भागलपुर भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी।

हादसे की खबर मिलते ही मृतक बच्चों के परिवारों में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में मातम का माहौल है और परिवार के लोगों को ढांढस बंधाने के लिए ग्रामीण बड़ी संख्या में अस्पताल पहुंचे।

सुल्तानगंज के अंचल पदाधिकारी रमण कुमार भी अस्पताल पहुंचे और पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने सरकारी प्रावधान के अनुसार परिवारों को सहायता दिलाने का भरोसा दिया। घटना के दौरान अस्पताल और आसपास बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

फ्लाईओवर की शटरिंग गिरी, बाल-बाल बचे लोग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर । जिले में मुजफ्फरपुर-दरभंगा फोरलेन सड़क एनएच-27 पर बोचहां थाना क्षेत्र के मझौली चौक के पास रविवार देर रात निमार्णाधीन फ्लाईओवर की भारी-भरकम शटरिंग अचानक भरभराकर गिर गई। हादसा रात करीब 11 बजे हुआ। शटरिंग गिरने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया।

देर रात होने के कारण सड़क पर राहगीरों और वाहनों की आवाजाही कम थी। इसी वजह से हादसे में किसी के हताहत या घायल होने की सूचना नहीं है।

इस तरह एक बड़ा हादसा होने से टल गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों की अनदेखी का आरोप लगाया है। हादसे के बाद लोगों में एक बार फिर डर का माहौल है।

गौरतलब है कि एनएच-27 पर कई जगह निर्माण कार्य चल रहा है। मझौली चौक के पास फ्लाईओवर निर्माण के कारण दोनों तरफ का यातायात सिंगल लेन से संचालित किया जा रहा है। स्थानीय लोगों और प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, घटना के समय सड़क पर वाहनों और राहगीरों की आवाजाही काफी कम थी। उनका कहना है कि यदि यह हादसा दिन के समय हुआ होता तो स्थिति भयावह हो सकती थी।

मझौली चौक पर दिनभर फल और सब्जियों की दुकानें लगती हैं। इसके अलावा आसपास के ग्रामीण इलाकों से आने वाले खरीदारों और राहगीरों की भी यहां काफी भीड़ रहती है। ऐसे में दिन के समय शटरिंग गिरने की स्थिति में बड़ा हादसा हो सकता था।

घटना की सूचना मिलते ही बोचहां थाना पुलिस और फ्लाईओवर का निर्माण करा रही एजेंसी के कर्मचारी मौके पर पहुंचे। सड़क पर बिखरे मलबे और लोहे की छड़ों को हटाने का काम शुरू किया गया, ताकि व्यस्त एनएच पर यातायात बाधित न हो।

थानाध्यक्ष सहित आठ पुलिसकर्मी निलंबित

नशा तस्करों को संरक्षण देने का आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। जिले के महनार थाना क्षेत्र में सूखे नशे के कारोबार के खिलाफ पुलिस मुख्यालय स्तर पर की गई बड़ी कार्रवाई ने महकमे में हड़कंप मचा दिया है। नशा तस्करों को संरक्षण देने और उनसे कथित रूप से सांठगांठ रखने के गंभीर आरोपों के बाद महनार थानाध्यक्ष समेत कुल आठ पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। इस कार्रवाई के बाद से स्थानीय पुलिसिंग और व्यवस्था की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस मुख्यालय द्वारा यह कार्रवाई पुख्ता साक्ष्यों के आधार पर की गई है। जांच के दौरान बरामद एक पीली डायरी, संदिग्ध कॉल डिटेल रिकॉर्ड और सीसीटीवी फुटेज की गहन पड़ताल की गई। इन साक्ष्यों में पुलिसकर्मियों और नशा कारोबारियों के बीच गहरे संपर्क और संलिप्तता के संकेत मिले हैं, जिसके बाद यह सख्त कदम उठाया गया। हालांकि, इन सभी बिंदुओं की अंतिम पुष्टि विस्तृत विभागीय जांच के बाद ही हो सकेगी।

ग्रामीण एसपी सोनू कुमार राय ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि जिन पुलिसकर्मियों पर निलंबन की कार्रवाई की गई है, उनमें महनार थानाध्यक्ष वेदानंद सिंह, राजेश कुमार (एएसआई एवं डायल-112 प्रभारी), राजीव कुमार (सिपाही), निशा कुमारी (महिला सिपाही), रौशन कुमार (चौकीदार), राजन पासवान (चौकीदार), रघुनाथ कुशवाहा (चौकीदार) और पुतलेश कुमार (चौकीदार) शामिल हैं। एक साथ थाने के प्रभारी से लेकर निचले स्तर के कर्मियों पर हुई इस कार्रवाई ने कई बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

पोखर में डूबने से मौत

मोकामा। कर्मा पूजा के उल्लास के बीच मोकामा और घोसवारी इलाके में डूबने की दो अलग-अलग घटनाओं ने पर्व की खुशियों को मातम में बदल दिया। घोसवारी प्रखंड के सम्यागढ़ थाना क्षेत्र के मिल्की गांव में पोखर में स्नान करने गई 11 वर्षीय बच्ची की डूबने से मौत हो गई। वहीं, मोकामा थाना क्षेत्र के तपस्वी गंगा घाट पर स्नान करने के दौरान एक बच्चा गहरे पानी में चला गया और तेज बहाव की चपेट में आकर लापता हो गया। दोनों घटनाओं के बाद संबंधित इलाकों में शोक का माहौल है।

मिल्की गांव निवासी नीतीश कुमार की 11 वर्षीय पुत्री शिवानी कुमारी कर्मा पूजा के अवसर पर अपनी सहेलियों के साथ गांव के समीप स्थित पैन (पोखर) में स्नान करने गई थी। स्नान के दौरान शिवानी और उसकी एक सहेली अचानक गहरे पानी में चली गईं। बच्चियों की चीख-पुकार सुनकर आसपास खेतों में काम कर रहे ग्रामीण मौके पर पहुंचे।

ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए एक बच्ची को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, जबकि शिवानी गहरे पानी में चली गई।

मादक पदार्थों की तस्करी करते मास्टरमाइंड सहित छह दबोचे गये

तस्करी के नेटवर्क की तलाश में जुटी पुलिस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। भोजपुर जिले में मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है।

शाहपुर पुलिस ने शाहपुर नगर स्थित तीन अलग-अलग जगहों से हेरोइन की खेप के साथ मास्टरमाइंड समेत छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है।

इनके पास से 315 ग्राम हेरोइन, 164 ग्राम हेरोइन का कट पाउडर(मिलाने में प्रयुक्त), 3.7 किलोग्राम गांजा, 19,200 रुपये नकद, चार स्मार्ट फोन और एक बाइक बरामद की गई है।

इसके अलावा मादक पदार्थों की तौल में इस्तेमाल की जाने वाली दो इलेक्ट्रानिक वेट मशीन भी बरामद हुई हैं।

गिरफ्तार आरोपितों में शाहपुर निवासी संतोष कुमार, दारोगा यादव, धिन कुमार धानुक, रोहित कुमार, उमेश यादव और उसके भाई राकेश कुमार शामिल हैं।

जगदीशपुर डीएसपी राहुल कुमार ने रविवार की शाम प्रेस वार्ता में बताया कि भोजपुर एसपी अवधेश दीक्षित के आदेश पर मादक पदार्थों के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है।

इसी क्रम में थानाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने शाहपुर थाना क्षेत्र के वार्ड 11 मिशन स्कूल रोड, से पहले चार तस्करों संतोष कुमार, दारोगा यादव, धिन कुमार धानुक और रोहित कुमार को गिरफ्तार किया।

इसके बाद पुलिस ने शाहपुर के वार्ड संख्या 10 में छापेमारी कर उमेश यादव और उसके भाई राकेश कुमार को गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार हेरोइन से लेकर गांजा बरामद किया गया। सभी आरोपित शाहपुर क्षेत्र के रहने वाले हैं और लंबे समय से तस्करी से जुड़े थे। प्रारंभिक जांच में संतोष कुमार, उमेश यादव और राकेश कुमार को मादक पदार्थों के इस नेटवर्क का मुख्य संचालक बताया गया है।

बरामद सभी सामानों की विधिवत जब्ती सूची तैयार कर जब्ती की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस गिरफ्तार आरोपितों के पूर्व आपराधिक इतिहास के साथ ही मादक पदार्थों के नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भी जानकारी जुटा रही है। पूछताछ के आधार पर तस्करी के नेटवर्क की आगे की कड़ियां खंगाली जा रही हैं।

घर में घुसकर महिला से मारपीट एवं लूट मामले में दो गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शिवाजीनगर। थाना क्षेत्र के अख्तवारा गांव में महिला के घर में घुसकर मारपीट एवं लूटपाट करने के मामले का पुलिस ने उद्भेदन करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। रोसड़ा डीएसपी संजय सिंह के नेतृत्व में शिवाजीनगर पुलिस ने मामले का खुलासा किया। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्य एवं मानवीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए घटना से जुड़े आरोपितों तक पहुंच बनाई। गिरफ्तार आरोपितों के पास से लूट की घटना से संबंधित सामान के अलावा घटना में प्रयुक्त मोबाइल, कपड़े, गमछा, पीवीसी पाइप और धमकी भरी पर्ची भी बरामद की गई है। इसी दौरान दो नकाबपोश अपराधी घर में घुस आए और उनके साथ मारपीट करने लगे। अपराधियों ने मारपीट के बाद घर में लूटपाट की और आभूषण, मोबाइल समेत अन्य सामान लेकर फरार हो गए। पीड़िता के आवेदन के आधार पर शिवाजीनगर थाना में कांड संख्या 156/26 दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। घटना की गंभीरता को देखते हुए थानाध्यक्ष रविंद्र कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने घटनास्थल एवं आसपास के क्षेत्रों से जानकारी जुटाने के साथ तकनीकी साक्ष्यों और मानवीय सूचना के आधार पर अनुसंधान आगे बढ़ाया जांच के क्रम में पुलिस ने घटना में संलिप्त बताए गए शिवम कुमार, पिता

संदीप मंडल, निवासी सिसई, थाना शिवाजीनगर, जिला समस्तीपुर को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार पूछताछ के दौरान शिवम कुमार ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर घटना को अंजाम देने की बात स्वीकार की। उसकी निशानदेही और पूछताछ के आधार पर पुलिस ने मामले में दूसरे आरोपित को भी गिरफ्तार किया। पुलिस ने घटना में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच शुरू कर दी है। इसके अलावा घटना में प्रयुक्त वीवो कंपनी का मोबाइल भी बरामद किया गया है अन्य आरोपित की भूमिका भी सामने आई पुलिस जांच में मनीषा कुमारी, पति पंकज कुमार, निवासी अख्तवारा, थाना शिवाजीनगर, जिला समस्तीपुर का नाम भी सामने आया है। पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है।

अज्ञात युवक का शव बरामद

फतुहा। कच्ची दरगाह-बिदुपुर सिक्सलेन पुल के पाया नंबर 56 के पास सोमवार को एक युवक का शव बरामद किया गया। शव पर कपड़े नहीं थे। सिर अलग था। शरीर के अन-?य हिस-?से पर भी गहरे जख्म के निशान पाए गए। शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। शव मिलने की खबर फैलते ही मौके पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत रुस्तमपुर थाना पुलिस को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। प्रथम द्दष्टया यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि युवक की मौत किसी सड़क हादसे में हुई है या हत्या कर शव को पुल पर फेंका गया है। पुलिस शव की पहचान कराने की कोशिश कर रही है। साथ ही घटनास्थल और आसपास के इलाकों की भी जांच की जा रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौत की असली वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही पता चलेगी।

क्रॉम्पटन ने लॉन्च की नई वॉलस्माइल आउटडोर डेको वॉल लाइट रेंज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। क्रॉम्पटन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने आधुनिक आउटडोर स्पेस की खूबसूरती और उपयोगिता बढ़ाने के लिए अपनी नई वॉलस्माइल आउटडोर डेको वॉल लाइट रेंज लॉन्च की है। यह रेंज स्टाइलिश डिजाइन, टिकाऊपन और भरोसेमंद आउटडोर परफॉर्मेंस को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। रेंज में वॉलस्माइल हालो (5वाट), प्रिज्म (4वाट), नेक्सो (5वाट) और लीनिया (6वाट) शामिल हैं। इन्हें बालकनी, पोर्च, पूलसाइड, लॉबी और पार्किंग एरिया जैसे विभिन्न आउटडोर स्पेस के लिए उपयुक्त बनाया गया है।

यह रेंज एक साल की वारंटी के साथ आती है। लॉन्च पर क्रॉम्पटन के लाइटिंग, सोलर रूफटॉप एवं वायर्स बिजनेस यूनिट के हेड शालीन नायक ने कहा, वॉलस्माइल रेंज के साथ हमारा उद्देश्य आधुनिक डिजाइन और भरोसेमंद आउटडोर परफॉर्मेंस को एक साथ लाना है, ताकि उपभोक्ता अपने आउटडोर स्पेस को बेहतर माहौल और आकर्षक रूप दे सकें। वॉलस्माइल रेंज देशभर में क्रॉम्पटन के अधिकृत रिटेल आउटलेट्स और प्रमुख ई-

मनचलों से रहम की भीख मांगती रही छात्रा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमुई। कानून का कोई खौफ नहीं, न लोकलाज का डर। सड़क से गुजरते दो सहमे हुए स्कूली बच्चे और उनके गिर्द भेड़ियों की मानिंद घेरा डाले मनचलों का झुंड। बिहार के जमुई जिले से सामने आई एक शर्मनाक तस्वीर ने न केवल पूरे प्रशासनिक तंत्र को हिलाकर रख दिया है, बल्कि सभ्य समाज के माथे पर भी गहरा कलंक लगा दिया है।

19 सितंबर की शाम जब एक नाबालिग छात्र और छात्रा अपनी स्कूटी से घर की ओर लौट रहे थे, तभी बीच रास्ते में घात लगाए खड़े 6-7 शोहदों ने उन्हें जबरन रोक लिया। इसके बाद खाकी और कानून को ठेंगा दिखाते हुए उन मासूमों के साथ जो सुलूक किया गया, उसकी दास्तान रूह कंपा देने वाली है।

आरोपितों ने न केवल दोनों बच्चों के साथ बदसलूकी और गाली-गलौज की, बल्कि नाबालिग छात्रा के साथ बैड टच कर उसकी अस्मत और गरिमा को सरेराह तार-तार करने का कुत्सित प्रयास किया।

छात्रा हाथ जोड़कर गिड़गिड़ाती रही, मासूम रहम की भीख मांगते रहे, लेकिन मनचलों की दरिंदगी नहीं थमी। वे बेशर्मी से इस पूरी घिनौनी हरकत का मोबाइल से वीडियो बनाते रहे और बाद में उसे इंटरनेट मीडिया पर वायरल कर अपनी हनक दिखाने की कोशिश की।

सड़क पर मचे इस नंगे नाच का वीडियो जैसे ही इंटरनेट मीडिया पर तेजी से प्रसारित हुआ, पूरे जिले में जनाक्रोश भड़क उठा। हालांकि, सामाजिक संकोच और लोकलाज के भय से पीड़ित पक्ष की ओर से थाने में तुरंत कोई औपचारिक लिखित शिकायत नहीं दी गई थी। लेकिन मामले की संवेदनशीलता और भयावहता को भांपते हुए जिलाधिकारी नवीन ने मामले का तत्काल संज्ञान लिया और पुलिस महकमे को स्वतः आगे बढ़कर कठोर कार्रवाई का हुक्म दिया।

प्रधानाध्यापक पर अभद्र व्यवहार का आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। नवादा नगर थाना क्षेत्र के एक सरकारी विद्यालय में शुक्रवार की सुबह विद्यालय के प्रधानाध्यापक पर कई छात्राओं ने अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगाया। घटना की जानकारी मिलते ही छात्रा के स्वजन व बड़ी संख्या में ग्रामीण विद्यालय पहुंच गए। आक्रोशित लोगों ने प्रधानाध्यापक पर कार्रवाई करने और बर्खास्तगी की मांग की। मामले की गंभीरता को देखते हुए नगर थानाध्यक्ष उमाशंकर सिंह पुलिस बल के साथ विद्यालय पहुंचे। आरोपित प्रधानाध्यापक महेश प्रसाद यादव को हिरासत में लेकर थाना ले गए।

शिकायत है कि परीक्षा के दौरान एक छात्रा विद्यालय में प्रश्नपत्र लेने पहुंची थी। इस दौरान प्रधानाध्यापक ने अभद्र व्यवहार किया।

छात्रा वहां से बाहर निकलकर रोने लगी और घटना की जानकारी स्वजन को दी। इसके बाद स्वजन विद्यालय पहुंचे और देखते ही देखते बड़ी संख्या में ग्रामीण जमा हो गए।

कुछ छात्राओं ने प्रधानाध्यापक पर पूर्व में भी गलत हरकत करने का आरोप लगाया।हंगामा के दौरान विद्यालय परिसर में लगी प्रधानाध्यापक की बाइक को लोगों ने क्षतिग्रस्त कर दिया।

जमीन से निकल रही आग की लपटों से अफरातफरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। शहर के मेहरपर इलाके में सोमवार को जमीन से लगातार आग की लपटें निकलने से आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई।

जमीन से आग की लपटें निकलती देख स्थानीय लोगों ने किसी बड़ी घटना की आशंका जताते हुए इसकी सूचना प्रशासन को दी। इसके बाद फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची। जांच-पड़ताल की जा रही है।

बताया जाता है कि बिहारशरीफ शहर में गेल इंडिया की गैस पाइपलाइन बिछी हुई है। ऐसे में जमीन से लगातार आग निकलने की घटना को लेकर गैस रिसाव की आशंका जताई जा रही है।

सूचना मिलने के बाद स्थानीय एसडीओ किसलय श्रीवास्तव के निर्देश पर अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति की जांच की।

अग्निशमन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, आग को बुझाने के बाद भी दोबारा लपटें निकलने लगीं। इससे प्रथमद्दष्टया गैस रिसाव से संबंधित मामला होने की आशंका जताई जा रही है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित कंपनी को इसकी जानकारी दी जा रही है, ताकि समय रहते आवश्यक कदम उठाकर किसी बड़े हादसे को रोका जा

सके।

अग्निशमन पदाधिकारी कृष्ण मुरारी ने बताया कि आग बुझाने के बाद भी दोबारा लपटें निकल रही हैं। मामले को देखते हुए गैस पाइपलाइन से संबंधित कंपनी को सूचना दी जा रही है।

मेहरपर इलाके में चाय दुकान के पास जमीन से आग की लपटें निकल रही हैं। हालांकि उसकी लौ बहुत तेज नहीं है, लेकिन एहतियात बरतते हुए फायर ब्रिगेड की टीम लगातार कैंप कर रही है।

जमुई की घटना पर सरकार सख्त, दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा : श्रवण कुमार

जनसुनवाई कार्यक्रम में ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार एवं ग्रामीण कार्य मंत्री सुनील कुमार ने सुनीं आमजनों की समस्याएं

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। जदयू प्रदेश कार्यालय, पटना में सोमवार को आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार एवं ग्रामीण कार्य मंत्री सुनील कुमार ने राज्य के विभिन्न जिलों से पहुंचे आमजनों की समस्याएं सुनीं। मंत्रियों ने संबंधित अधिकारियों से दूरभाष पर बात कर फरियादियों की समस्याओं के विधिसम्मत एवं त्वरित निष्पादन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी तथा प्रदेश महासचिव सह मुख्यालय प्रभारी सुमित कुमार सिंह भी मौजूद रहे। जनसुनवाई के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने जमुई की घटना को अत्यंत दुखद एवं निंदनीय बताया। उन्होंने कहा कि घटना से लोग मर्माहत हैं और सरकार एवं प्रशासन पूरे मामले को लेकर संवेदनशील है। दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। उनके खिलाफ कानून के तहत कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि बिहार में कानून का राज स्थापित करने की नीति पर सरकार लगातार काम कर रही है। ऐसी घटनाओं को अंजाम देने वाले तत्वों के खिलाफ पूर्व में भी कार्रवाई की गई है और जमुई मामले में भी दोषियों के विरुद्ध सख्त कदम उठाए जाएंगे। विपक्ष द्वारा राज्य का खजाना खाली होने के आरोप पर मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि यह आरोप पूरी तरह बेबुनियाद है। उन्होंने कहा कि सरकार बाढ़ प्रभावित लोगों के राहत एवं बचाव कार्य में लगातार जुटी हुई है और प्रभावित लोगों तक आवश्यक सहायता पहुंचाने के लिए प्रशासनिक स्तर पर लगातार काम किया जा रहा है। वहीं ग्रामीण कार्य मंत्री सुनील कुमार ने भी जमुई की घटना की निंदा करते हुए कहा कि वहां के पुलिस अधिकारी पूरे मामले पर नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने कहा कि वे स्वयं जमुई के पुलिस अधीक्षक से बात कर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने के संबंध में चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटना निंदनीय है और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सरकार कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों में आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करेगी।

पंचायतें मजबूत होंगी तो गांवों में विकास की रफ्तार बढ़ेगी : संजय सरावगी

आत्मनिर्भर गांव और सक्षम युवाओं के निर्माण में पंचायतों की भूमिका अहम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने पटना के ताज सिटी सेंटर में पद्मश्री डॉ. सीपी ठाकुर एवं विधान परिषद सदस्य संजय मयूख की अध्यक्षता में आयोजित 'ग्राम संसद : बिहार चैप्टर-5 ' (मुखिया संवाद) कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम के समापन समारोह को संबोधित करने के मौके पर उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों से गांवों को विकास की मजबूत इकाई बनाने तथा आत्मनिर्भर बिहार के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। संजय सरावगी ने कहा कि बिहार के गांवों की ताकत ही बिहार के विकास की असली ताकत है जब पंचायतें मजबूत होंगी, गांवों में विकास की रफ्तार बढ़ेगी और युवाओं को आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे, तभी विकसित बिहार का सपना जमीन पर साकार होगा। उन्होंने कहा कि पंचायतों को विकास की मजबूत इकाई बनाकर आत्मनिर्भर गांव, सक्षम युवा और मजबूत स्थानीय लोकतंत्र की दिशा में आगे बढ़ना होगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' के संकल्प को साकार करने में पंचायतों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। गांवों के विकास से ही देश के समग्र विकास की नींव मजबूत होगी।

उन्होंने कहा कि पंचायत प्रतिनिधियों को स्थानीय जरूरतों के अनुरूप विकास की प्राथमिकताएं तय करने और ग्रामीण क्षेत्रों में उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करने के लिए आगे आना चाहिए। विधान पार्षद संजय मयूख ने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बिहार सरकार पंचायतों को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। पंचायतों के परिसीमन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और परिसीमन के बाद ही अगला पंचायत चुनाव कराया जाएगा।

बाढ़ प्रभावितों के लिए राम कृपाल यादव ने दिया एक माह का वेतन

सहकारिता क्षेत्र की संस्थाओं ने 3 करोड़ रुपये की दी सहायता राशि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार के विभिन्न जिलों में आई बाढ़ से प्रभावित लोगों की सहायता के लिए सहकारिता मंत्री राम कृपाल यादव ने अपने एक माह के वेतन की संपूर्ण राशि मुख्यमंत्री राहत कोष में प्रदान की। लोक सेवक आवास स्थित 'संकल्प' में मंत्री ने मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए अपने एक माह के वेतन की राशि का चेक सौंपा।

इस अवसर पर बिहार राज्य भंडार निगम द्वारा 2 करोड़ रुपये तथा बिहार राज्य सहकारी बैंक लिमिटेड, पटना द्वारा 1 करोड़ रुपये की सहायता राशि का चेक भी मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए प्रदान किया गया। इस प्रकार सहकारिता क्षेत्र की संस्थाओं एवं मंत्री की ओर से 3 करोड़ रुपये से अधिक की राशि मुख्यमंत्री राहत कोष में दी गई। सहकारिता मंत्री राम कृपाल यादव ने कहा कि बिहार के कई जिलों में बाढ़ के कारण बड़ी संख्या में लोग प्रभावित हुए हैं। आपदा की इस घड़ी में प्रभावित परिवारों के साथ खड़ा होना हमारी सामाजिक जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री राहत कोष में दी गई यह राशि बाढ़ प्रभावित एवं जरूरतमंद लोगों तक राहत और सहायता पहुंचाने में उपयोगी होगी। उन्होंने कहा कि सहकारिता क्षेत्र हमेशा से सामाजिक सरोकारों के प्रति संवेदनशील रहा है। संकट की इस घड़ी में सहकारिता विभाग एवं इससे जुड़ी संस्थाओं द्वारा किया गया यह सहयोग मानवीय संवेदना और सामाजिक प्रतिबद्धता का परिचायक है। मुख्यमंत्री राहत कोष में प्राप्त राशि का उपयोग बाढ़ एवं आपदा से प्रभावित तथा जरूरतमंद लोगों की सहायता और राहत कार्यों के लिए किया जाएगा।

इस अवसर पर सहकारिता सचिव धर्मेन्द्र सिंह, बिहार राज्य सहकारी बैंक लिमिटेड के अध्यक्ष रमेश चन्द्र चौबे, निदेशक विनय कुमार एवं जितेन्द्र कुमार, प्रबंध निदेशक अरविंद कुमार पासवान, बिस्कोमान के अध्यक्ष विशाल सिंह सहित अन्य पदाधिकारी एवं प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

विश्व शांति दिवस पर डॉ. आनंद रंजन झा का संदेश: प्रेम और अहिंसा ही मानव कल्याण का मार्ग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

वैशाली। विश्व शांति दिवस के अवसर पर कैरियर मिशन कम्प्यूटर एकेडमी, जंदाहा के निदेशक डॉ. आनंद रंजन झा ने समाज में शांति, करुणा, प्रेम और सद्भाव का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में नफरत, हिंसा और वैमनस्य को समाप्त कर आपसी प्रेम एवं भाईचारे को बढ़ावा देना ही एक समृद्ध, शांतिपूर्ण और सुंदर समाज के निर्माण का आधार है। डॉ. आनंद रंजन झा ने कहा कि शांति केवल एक दिन का संकल्प नहीं, बल्कि मानव जीवन की निरंतर आवश्यकता है। युवाओं को सकारात्मक सोच के साथ समाज में प्रेम, सहयोग और भाईचारे की भावना को मजबूत करने के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे सत्य, अहिंसा, करुणा और आपसी भाईचारे को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं तथा समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में अपनी भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि जब व्यक्ति के भीतर शांति होगी, तभी परिवार, समाज और विश्व में स्थायी शांति की नींव मजबूत होगी।

पितृपक्ष मेला व आगामी त्योहारों को लेकर रेलवे की तैयारी तेज, चलेंगी स्पेशल ट्रेनें

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हाजीपुर। पितृपक्ष मेला एवं आगामी त्योहारों के दौरान यात्रियों की संभावित अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए पूर्व मध्य रेल ने तैयारियां तेज कर दी हैं। यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विभिन्न शहरों से आने-जाने वाले यात्रियों के लिए स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जाएगा। वहीं प्रमुख स्टेशनों पर भीड़ नियंत्रण के लिए होल्डिंग एरिया बनाए जाएंगे। यह जानकारी पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक डिम्पी गर्ग ने सोमवार को पूर्व मध्य रेल मुख्यालय, हाजीपुर में आयोजित प्रेस वार्ता में दी। महाप्रबंधक ने बताया कि पितृपक्ष मेला और त्योहारों के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं यात्रियों के रेलवे स्टेशनों पर पहुंचने की संभावना है। इसे देखते हुए स्टेशनों पर यात्रियों के लिए पेयजल, ट्रेनों की उद्घोषणा, मेडिकल बूथ समेत अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। यात्रियों की भीड़ को व्यवस्थित तरीके से नियंत्रित करने के लिए होल्डिंग एरिया का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि स्टेशनों पर भीड़ की स्थिति पर लगातार नजर रखने के लिए 24 घंटे निगरानी वाला वार रूम बनाया जाएगा। रेलवे सुरक्षा बल की अतिरिक्त टुकड़ियों की तैनाती होगी। प्लेटफॉर्म, फुट ओवरब्रिज और सर्कुलेटिंग एरिया में विशेष निगरानी रखी जाएगी। रेलवे प्रशासन का उद्देश्य यात्रियों की सुरक्षित और सुगम यात्रा सुनिश्चित करना है। अधिक भीड़ वाली लंबी दूरी की ट्रेनों की सामान्य बोगियों में यात्रियों को कतारबद्ध तरीके से प्रवेश कराने की व्यवस्था की जाएगी। इसके लिए रेलवे सुरक्षा बल और वाणिज्य विभाग के कर्मचारियों की तैनाती की जाएगी। भीड़ के दौरान यात्रियों को किसी तरह की परेशानी नहीं हो, इसके लिए स्टेशनों पर अतिरिक्त कर्मचारियों की भी व्यवस्था की जाएगी। महाप्रबंधक ने पूर्व मध्य रेल क्षेत्र में चल रही महत्वपूर्ण निर्माण परियोजनाओं की भी जानकारी दी। उन्होंने मोकामा में गंगा नदी पर नवनिर्मित नए रेल पुल का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके चालू होने के बाद उत्तर बिहार और दक्षिण बिहार के बीच रेल संपर्क को एक अतिरिक्त मार्ग मिलेगा।

संस्कृत शिक्षण एवं सम्भाषण शिविर के चार वर्ष पूर्ण होने पर हर्ष

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। विहार संस्कृत संजीवन समाज पटना की ओर से आधुनिको भव संस्कृतं वद अभियान के अन्तर्गत आयोजित होने वाले संस्कृत शिक्षण एवं सम्भाषण शिविर का कल 22 सितंबर को चार वर्ष पूर्ण होने पर आधुनिको भव संस्कृतं वद अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं विहार संस्कृत संजीवन समाज पटना के महासचिव डॉ मुकेश कुमार ओझा की अध्यक्षता में 48 वां महायोगी गोपीचंद स्मृति संस्कृत शिक्षण एवं सम्भाषण शिविर में विस्तार से चर्चा हुई जिसमें अभियान के प्रधान संरक्षक एवं पूर्वगृह सचिव उत्तर प्रदेश शासन डॉ अनिल कुमार सिंह, पूर्व संयुक्त निदेशक पेंशन उत्तर प्रदेश शासन एवं संरक्षक धर्मेन्द्रपति त्रिपाठी, वरिष्ठ संस्कृत प्रचारक एवं संरक्षक डॉ मिथिलेश झा, वरिष्ठ संस्कृत प्रचारक एवं संरक्षक डॉ अनिल कुमार चौबे, वरिष्ठ संस्कृत प्रचारक एवं संरक्षक शैलेन्द्र कुमार सिन्हा, राष्ट्रीय संयोजिका प्रो0रागिनी वर्मा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उग्र नारायण झा एवं डॉ लीना चौहान, डॉ नीरा कुमारी, डॉ दीप्ति कुमारी, मनीष कुमार, डॉ एकता वर्मा, डॉ आशीष कुमार, डॉ विश्वजीत रुद्रपाल, मुरलीधर शुक्ल, तारा विश्वकर्मा, बीजेन्द्र सिंह, दयानी शारदे, ज्ञानी शारदे, मोनिका झा, डॉ राघव नाथ झा, उमा हेनोते, वन्दना पटेरिया सहित शिविर के सभी सदस्य उपस्थित थे।

युवाओं में राष्ट्र निर्माण की भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम एनएसएस : मंत्री

दो दिवसीय राज्य स्तरीय बिहार-झारखंड एनएसएस सम्मेलन-2026 का एएन कॉलेज में शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। युवाओं में सेवा, सामाजिक उत्तरदायित्व, स्वच्छता और राष्ट्र निर्माण की भावना विकसित करने में राष्ट्रीय सेवा योजना की महत्वपूर्ण भूमिका है। एनएसएस के माध्यम से युवा न केवल समाज की समस्याओं को समझते हैं, बल्कि उनके समाधान में सक्रिय भागीदारी भी निभाते हैं। ये बातें बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने सोमवार को एएन कॉलेज, पटना के सभागार में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय बिहार एवं झारखंड राष्ट्रीय सेवा योजना सम्मेलन-2026 के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहीं। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन राष्ट्रीय सेवा योजना, क्षेत्रीय निदेशालय, पटना द्वारा आयोजित सम्मेलन में बिहार एवं झारखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों से करीब 300 कार्यक्रम समन्वयक, कार्यक्रम पदाधिकारी, प्राचार्य, स्वयंसेवक एवं अन्य प्रतिनिधि शामिल हुए। मंत्री श्रवण कुमार ने एनएसएस स्वयंसेवकों से स्वच्छता को जनभागीदारी से जोड़ने और समाज में स्वच्छता एवं सामाजिक जागरूकता का संदेश पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान, लोहिया स्वच्छता अभियान, 'एक पेड़ मां के नाम', जल-जीवन-हरियाली तथा सात निश्चय जैसे महत्वपूर्ण अभियानों में युवाओं की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। एनएसएस स्वयंसेवक इन अभियानों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने युवाओं से स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने तथा सामूहिक प्रयासों के माध्यम से स्वस्थ एवं स्वच्छ समाज के निर्माण में योगदान देने की अपील की। कार्यक्रम का स्वागत संबोधन एएन कॉलेज की प्राचार्या प्रो. रत्ना अमृत ने किया। उन्होंने बिहार एवं झारखंड से आए अतिथियों, कार्यक्रम समन्वयकों और कार्यक्रम पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए कहा कि एनएसएस युवाओं के व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक दायित्वों के निर्वहन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

सिडनी में पार्रमट्टा सिटी के पूर्व मेयर समीर पांडेय से मिले डॉ. प्रेम कुमार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सिडनी/पटना। सिडनी में अपने अध्ययन दौरे के क्रम में बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने पार्रमट्टा सिटी के पूर्व मेयर एवं वर्तमान काउंसलर समीर पांडेय के कार्यालय पहुंचकर उनसे मुलाकात की। इस अवसर पर डॉ. प्रेम कुमार ने पार्रमट्टा सिटी में स्थानीय शासन एवं प्रशासन की कार्यप्रणाली, नागरिक सुविधाओं तथा शहर में उपलब्ध विभिन्न जनोपयोगी व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। समीर पांडेय ने स्थानीय निकाय के स्तर पर संचालित व्यवस्थाओं तथा नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं के संबंध में उन्हें विस्तार से जानकारी दी। मुलाकात के दौरान स्थानीय प्रशासन में जनप्रतिनिधियों की भूमिका, नागरिक सहभागिता, शहरी सुविधाओं के प्रबंधन तथा विकास कार्यों से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी विचार-विमर्श हुआ। इस अवसर पर ऑस्ट्रेलिया में रह रहे भारतीय समुदाय, विशेषकर बिहार के लोगों से जुड़े सामाजिक एवं सामुदायिक विषयों पर भी चर्चा हुई।

श्रद्धापूर्वक मनाई गयी पूर्व मुख्यमंत्री भोला पासवान शास्त्री की जयंती

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के राज्य कार्यालय में पूर्व मुख्यमंत्री एवं स्वतंत्रता सेनानी स्व. भोला पासवान शास्त्री की जयन्ती माननीय प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल की अध्यक्षता में मनाई गई और नेताओं ने उनके तैलचित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मंगनी लाल मंडल ने कहा कि छात्र जीवन से ही शास्त्री जी ने असहयोग आन्दोलन में भाग लिया। ये दो बार जेल भी गये। शास्त्री जी घोर मानवतावादी थे और इनके इसी मानवीय गुण के कारण सभी वर्ग और लोगों के बीच इनकी लोकप्रियता रही। साथ ही सरल स्वभाव और बेसहारों के लिए सर्वस्व न्यौछावर करने को ये तैयार रहते थे। इन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद कभी सरकारी वाहन की सुविधा नहीं ली। इनके इसी जीवनशैली से लोकसेवकों को प्रेरणा देती है। इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री मो अली अशरफ फातमी, प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के नेता डॉ तनवीर हसन, एजाज अहमद, फराज फातमी, फैयाज आलम कमाल, हरेंद्र कुमार कुशवाहा, मुकुंद सिंह, संजय यादव, आरजू खान, राजेश यादव, मोहिबुल हसन हीरा, अकलु राम, जावेद अहमद, गणेश कुमार यादव, ओम प्रकाश चौटाला, नीतू कुमारी, अशोक कुमार यादव, अक्की यादव, सुरेंद्र प्रसाद सिन्हा, दर्पण कुमार यादव, उपेंद्र कुमार राम, रंजीत कुमार राय, चंदेश्वर प्रसाद सिंह सहित सैंकड़ों की संख्या में नेताओं ने उनके तैल चित्र पर माल्यार्पण करने श्रद्धांजलि अर्पित की।

पटना में गूंजा पर्यावरण बचाओ का नारा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राजधानी पटना में आज पर्यावरण संरक्षण को लेकर एक विशाल जागरूकता अभियान चलाया गया। प्रेम यूथ फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में छात्राओं ने अपने हाथों से बनाई गई पेंटिंग और पोस्टर के माध्यम से पूरी दुनिया को पर्यावरण बचाने का संदेश दिया। पर्यावरण संरक्षण के नारों वाले पोस्टर बनाया गया । पोस्टर में एक तरफ फैक्ट्रियों के धुएं से मरती धरती और दूसरी तरफ हरे-भरे पेड़ों से जिंदा धरती का अंतर बेहद खूबसूरती से दिखाया गया है। पेड़ के नीचे हाथों पर टिकी धरती यह बता रही है कि धरती की सुरक्षा हमारे ही हाथों में है। छात्राओं की पेंटिंग बनी आकर्षण का केंद्रः छात्राओं ने बताया कि उन्होंने रात भर जागकर ये पेंटिंग बनाई हैं। पेंटिंग में दिखाया गया है कि कैसे इंसान खुद ही अपनी धरती को जलाकर खत्म कर रहा है और अगर अभी नहीं जागे तो भविष्य में सांस लेना भी मुश्किल हो जाएगा।

सामाजिक न्याय और समान अवसर के लिए करना होगा संघर्ष : राजेंद्र पाल गौतम

कांग्रेस मुख्यालय में मनायी गयी भोला पासवान शास्त्री की जयंती

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पटना के सदाकत आश्रम में बिहार प्रदेश कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग की ओर से पूर्व मुख्यमंत्री एवं स्वतंत्रता सेनानी भोला पासवान शास्त्री की जयंती समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय कांग्रेसकमेटी के अनुसूचित जाति विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम शामिल हुए। उन्होंने भोला पासवान शास्त्री के जीवन, संघर्ष और सामाजिक न्याय के प्रति उनके योगदान को याद करते हुए कहा कि उनके सपनों को पूरा करने के लिए आज भी शिक्षा, अधिकार और समान अवसर की लड़ाई जारी रखने की जरूरत है। राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि लंबे समय तक समाज के बड़े वर्ग को संपत्ति और ज्ञान से वंचित रखा गया जिसका असर आज भी दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा से वंचित रहने पर व्यक्ति अपने अधिकारों और अवसरों से भी दूर हो जाता है। उन्होंने सामाजिक भेदभाव और असमानता का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछड़े वर्ग के लिए आरक्षण की सिफारिश को लागू होने में भी कई दशक लगे। गौतम ने कहा कि भोला पासवान शास्त्री स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े रहे और उन्होंने अपने जीवन में अधिकारों तथा वंचित समाज के लिए संघर्ष किया। उन्होंने सामाजिक एकता को जरूरी बताते हुए कहा कि जातिगत विभाजन ने समाज की सामूहिक शक्ति को कमजोर किया है। राजेंद्र पाल गौतम ने शिक्षा और आर्थिक अवसरों के सवाल पर भी चिंता जताई।

पानी की सुविधा सुलभ कराने के उद्देश्य से चला जा रहा विशेष ड्राइव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। पूर्व मध्य रेल के समस्तीपुर मंडल द्वारा स्टेशनों, कार्य स्थलों और रेलवे कॉलोनियों में सुरक्षित, साफ और हाइजीनिक पीने के पानी की सुविधा को बेहतर बनाने और उसकी उपलब्धता पक्का करने के लिए एक स्पेशल ड्राइव चलाया जा रहा है। इसे संबंधित डिपार्टमेंट के साथ मिलकर लागू किया गया है और उच्चाधिकारियों द्वारा प्रोग्रेस की रेगुलर मॉनिटरिंग और रिव्यू किया जा रहा है। विशेष सफाई ड्राइव के तहत पहचाने गए 795 ओवरहेड, अंडरग्राउंड और पीवीसी पानी के टैंकों में से 357 को पहले ही साफ और डिसइंफेक्ट किया जा चुका है। बाकी टैंकों पर तेजी से काम पूरा करने के लिए कड़ी नजर रखी जा रही है। समस्तीपुर स्टेशन पर ऑटोमैटिक क्लोरीनीकरण प्लांट स्थापित है तथा अन्य लोकेशनों पर प्रस्तावित है। इसी तरह आयरन रिमूवल प्लांट दौरम मधेपुरा स्टेशन पर कार्यरत है जबकि सहरसा और बनमनखी स्टेशनों पर लगाने का प्रस्ताव है। लोगों को स्वच्छ पानी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मंडल के सुपौल, सरायगढ़, सिमरी बख्तियारपुर, ललितग्राम एवं सहरसा स्टेशनों पर 50 हजार गैलन के पांच नये आरसीसी वाटर टैंक के निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गयी है। पानी की क्वालिटी सुधार हेतु रेलवे बोर्ड के निर्देशों का पालन करते हुए समस्तीपुर डिवीजन ने पानी की क्वालिटी सुधारने के लिए एक बड़ा अभियान चलाया है जिसके तहत पानी के स्टोरेज टैंकों की सफाई, क्लोरीनेशन/डिसइंफेक्शन, पानी की क्वालिटी की मॉनिटरिंग और सोर्स से लेकर नल तक ट्रीटमेंट की जरूरतों का रिव्यू शामिल किया जा रहा है।

हमारे हुनर को मिला सम्मान, सरस मेला में जीविका दीदियों ने सजाया आत्मनिर्भरता का बाजार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। जीविका दीदियों को रोजगार के साथ सम्मान प्रदान करने का काम किया है। राजधानी पटना के गांधी मैदान स्थित ज्ञान भवन में रविवार को सरस मेला-2026 का शानदार आगाज हुआ। मेले में बिहार की जीविका दीदियों के साथ देश के विभिन्न राज्यों से आई महिला कारीगरों और उद्यमियों ने अपने हुनर और उत्पादों का प्रदर्शन किया है। यहां मधुबनी पेंटिंग, सिल्क साड़ी, अचार, लेदर उत्पाद, बेसन, पश्मीना सहित हस्तशिल्प और घरेलू उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला लोगों को आकर्षित कर रही है। सरस मेला में इस बार मधुबनी पेंटिंग, लेदर उत्पाद और मिथिला के प्रसिद्ध मखाना खास आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। मेले में पहुंचे आगंतुकों ने कहा कि बिहार की पहचान से जुड़े मखाना और मधुबनी पेंटिंग जैसे उत्पाद अब केवल राज्य या देश तक सीमित नहीं हैं, बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। इन उत्पादों के जरिए बिहार की समृद्ध कला, संस्कृति और परंपरा को नई पहचान मिल रही है। मेले में देश के अलग-अलग हिस्सों से पहुंची महिला कारीगरों की मौजूदगी भी बिहार की बढ़ती पहचान और बाजार की संभावनाओं को दर्शा रही है। सरस मेला में भाग लेने पहुंची जीविका दीदी प्रीति कुमारी ने कहा कि सरस मेला हजारों आत्मनिर्भर महिलाओं के लिए सम्मान का मंच है। मैं पीएमसीएच स्थित दीदी की रसोई में अकाउंटेंट के पद पर तैनात हूं। मेला में पहली बार लिट्टी-चोखा, चिकन चावल का स्टॉल लगाने का मौका प्राप्त हुआ है। युवा मुख्यमंत्री की सरकार ने हमारी जैसी हजारों महिलाओं को सम्मानित मंच प्रदान करके आत्मनिर्भरता की नयी नींव रखी है। रविवार को मेरे स्टॉल पर आंगतुकों की अत्यंत भीड़ मौजूद रही जिससे हमारे आत्मविश्वास को नया बल मिला है। मेले में अनोखे मधुनबी पेंटिंग, सिक्की आर्ट्स, डिकोस्टर, ज्वेलरी बॉक्स, गणपति, जूट का बैग प्रोडक्ट का स्टॉल लगाकर आर्कषण का केंद्र बनी हूई मधुबनी की दीदी संगीता देवी ने कहा कि रविवार को ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार सरस मेला का जायजा लेने ज्ञान भवन पहुंचे थे। मेरे स्टॉल पर आने के बाद उन्हें मेरी अनोखी मधुनबी पेंटिंग का तारीफ की। साथ ही मेला में मौजूद मेरे जैसी कई महिलाओं को जरूरी सुझाव भी दिया। सरस मेला महिला समेत देश के अलग-अलग हिस्सों में हस्त कारीगरी निर्माण करने वाली महिलाओं के लिए एक सम्मान का मंच है। वहीं मेले में पश्मीना कारगरी का स्टॉल लगाकर आंगुतकों का आर्कषण जीत रही कश्मीर से आयी शमीमा ने कहा कि पहली बार बिहार आयी हूं। बिहार में आधुनिकता के साथ विकास की तीव्र गति देखकर बेहद प्रसन्न हूं। अब बिहार में भी अन्य राज्यों की तरह बड़े-बड़े उद्योग स्थापित होने का असीम संभावनाएं नजर आ रही है। मैं अपने आप को खूशनसीब मानती हूं कि मुझे बिहार आकर यहां के लोगों से मिलने का मौका मिला। मेरे स्टॉल पर आ रही महिला आगंतुकों को कश्मीरी पश्मीना की कारीगरी बेहद अच्छी लग रही है। सरस मेले में अपनी कारीगरी का हुनर दिखाने के लिए मैं मुख्यमंत्री का धन्यवाद करना चाहूंगी। अतिथि को भगवान मानने वाले इस बिहार को नयी ऊंचाई छुने से अब कोई नहीं रोक सकता।

दोषी कोई भी हो, बख्शा नहीं जाएगा : डॉ. संतोष कुमार सुमन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा (से.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं लघु जल संसाधन मंत्री, बिहार सरकार डॉ. संतोष कुमार सुमन ने जमुई की घटना को अत्यंत गंभीर और चिंताजनक बताते हुए कहा कि किसी बेटी के साथ दुर्व्यवहार किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। पुलिस मुख्यालय ने तत्काल संज्ञान लेते हुए महिला एसडीपीओ के नेतृत्व में एसआईटी गठित की है। आरोपितों के विरुद्ध कार्रवाई शुरू हो चुकी है और सोशल मीडिया पर प्रसारित आपत्तिजनक वीडियो को टेकडाउन कराने की कार्रवाई भी की जा रही है। डॉ. सुमन ने कहा कि सरकार पूरी तरह संवेदनशील है और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाना उसकी प्राथमिकता है। डॉ. सुमन ने कहा कि बिहार में सुशासन और कानून का राज है। घटना हुई है, यह दुखद है, लेकिन इस मामले में किसी दोषी को बचाने का सवाल ही नहीं है। उन्होंने कहा राहुल गांधी और विपक्ष के दूसरे नेता राजनीतिक बयान देने से पहले यह भी देखें कि पुलिस मुख्यालय ने कितनी तेजी से संज्ञान लिया है और एसआइटी का गठन किया गया है। निश्चिंत रहें, यह बिहार है—कानून अपना काम करेगा। दोषी कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, उसे बख्शा नहीं जाएगा और किसी निर्दोष को भी परेशान नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जांच निष्पक्ष और त्वरित हो तथा दोषियों के खिलाफ कठोरतम कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

नवबिहार टाइम्स
बोकारो, मंगलवार 22 सितंबर, 2026

संपादकीय

'नई दिल्ली घोषणापत्र' समूह की बदलती भूमिका का महत्त्वपूर्ण संकेत

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन- 2026 में 'नई दिल्ली घोषणापत्र' को अपनाया जाना इस समूह की बदलती भूमिका का महत्त्वपूर्ण संकेत है। भारत की अध्यक्षता में हुए इस सम्मेलन की पृष्ठभूमि में पश्चिम एशिया का संघर्ष, रूस-यूक्रेन युद्ध, व्यापारिक तनाव, शुल्क नीति और वैश्विक संस्थाओं में सुधार की मांग जैसे मुद्दे प्रमुख रहे। घोषणापत्र का सबसे अहम पहलू बहुपक्षीय और अधिक न्यायपूर्ण विश्व व्यवस्था तथा वैश्विक संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता पर जोर देना है। इसे भारत के प्रयासों को सामूहिक रूप से आगे बढ़ाने की नजर से देखा जा रहा है।दरअसल, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक जैसी संस्थाओं में विकासशील देशों की भागीदारी एवं प्रतिनिधित्व बढ़ाने की मांग लंबे समय से भारत की प्राथमिकता रही है। इसका मतलब है कि विश्व स्तर के निर्णय केवल कुछ शक्तिशाली देशों तक सीमित न रहें, बल्कि वैश्विक दक्षिण की आवाज भी प्रभावी ढंग से सुनी जाए। ब्रिक्स के सभी सदस्य देशों की संयुक्त घोषणापत्र पर सहमति बनाने में सफलता को भी भारत के लिए एक कूटनीतिक जीत के रूप में देखा जा रहा है।घोषणापत्र में आतंकवाद के खिलाफ स्पष्ट रुख भी भारत के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना जा सकता है। इसमें आतंकवाद के सभी रूपों की निंदा करते हुए उसके वित्तपोषण, सीमा पार से घुसपैठ और आतंकियों को सुरक्षित पनाह देने की समस्या से निपटने की प्रतिबद्धता दोहराई गई है। घोषणापत्र में पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा की गई है। भारत के लिए यह इसलिए महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि वह लंबे समय से आतंकवाद को वैश्विक चुनौती के रूप में उठाता रहा है।हालांकि घोषणापत्र की वास्तविक सफलता इससे तय होगी कि सदस्य देश आतंकवाद के खिलाफ साझा नीति को व्यवहार में कितना उतारते हैं। ब्रिक्स देशों ने अमेरिका की एकतरफा शुल्क नीति पर भी गहरी चिंता जताई और गैर-शुल्क व्यापारिक उपायों की वकालत की। स्थानीय मुद्रा में व्यापार, सीमा-पार भुगतान और वित्तीय सहयोग को बढ़ावा देना भी इसी का हिस्सा है। वर्तमान वैश्विक व्यापार में बढ़ते संरक्षणवाद के बीच यह संदेश महत्त्वपूर्ण है।तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल ढांचे और सतत विकास भी भारत के एजंडे में प्रमुखता से शामिल हैं। इसके मद्देनजर भारत ने लचीलेपन, नवाचार, सहयोग एवं स्थिरता पर जोर दिया है और इसे ब्रिक्स देशों के घोषणापत्र में भी जगह दी गई है। स्पष्ट है कि ब्रिक्स अब स्वास्थ्य, डिजिटल तकनीक, ऊर्जा, पर्यावरण और मानव विकास जैसे क्षेत्रों में भी सहयोग बढ़ाने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। पश्चिम एशिया के संघर्ष पर घोषणापत्र में संयम, संवाद और कूटनीति का आह्वान एकजुटता को दर्शाता है।ईरान और संयुक्त अरब अमीरात जैसे अलग-अलग हितों वाले देशों की मौजूदगी के बावजूद साझा दृष्टिकोण पर सहमति बनना दुनिया के लिए एक सार्थक संदेश है।

सीनेट से पहले ही पारित हो चुके इस ऐतिहासिक विधेयक पर ट्रंप के हस्ताक्षर के बाद इसका नाम अब 'लिंडसे ओ ग्राहम सैंक्शनिंग रूस एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026' हो गया है। प्रतिनिधि सभा में इस विधेयक को 262/159 के बहुमत से पारित किया गया। इस कानून के जरिए अमेरिका दरअसल रूस के ऊर्जा और रक्षा क्षेत्रों तथा प्रतिबंधों से बचने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले रूसी तेल टैंकरों के गुप्त बेड़े 'शैडो फ्लीट' को निश्चित रूप से निशाना बनाएगा।

भारत के लिए क्यों बढ़ी ट्रंप की नई टैरिफ शक्ति की चिंता? हताशा की प्रतिक्रिया से उपजी चुनौतियां

(पुष्परंजन)

आम अमेरिकियों को यह चिंता सता रही है कि अमेरिका में आहूत मध्यावधि चुनाव एक डरावना सच न साबित हो जाए। जो बात परेशान करने वाली है, वह यह कि अमेरिकी महंगाई का असर इस बार कहीं भारत पर न पड़े। यह सच है कि 2008 की अमेरिकी मंदी का असर हमारे देश पर वित्तीय बाजारों, निर्यात और विदेशी निवेश के जरिए पड़ा था। अमेरिका में महंगाई बढ़ने या फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरें बढ़ाए जाने का सीधा प्रभाव भारत की अर्थव्यवस्था, शेयर बाजार और आम आदमी की जेब पर पड़ता है।

इस बार एक और खतरनाक काम इसी हफ्ते अमेरिकी संसद में हुआ है। शुल्क लगाने के लिए एक ऐसे विधेयक को स्वीकृति दी गई, जिससे ट्रंप की शक्तियां असीमित होने जा रही हैं। भारत के लिहाज से देखें, तो यह विधेयक अत्यंत घातक नतीजे देने वाला साबित हो सकता है।

अधिकार का दायरा

गौरतलब है कि अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) ने बुधवार, 16 सितंबर 2026 को दिवंगत रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम के सम्मान में नामित रूस और ईरान प्रतिबंध विधेयक को अंतिम मंजूरी दे दी। सीनेटर ग्राहम का इसी वर्ष जुलाई में अचानक निधन हो गया था। यह विधेयक पहली बार अप्रैल 2025 में पेश किया गया था। अगस्त 2026 में अमेरिकी सीनेट ने इसे 86-11 के भारी बहुमत से पास किया था। एक साल से ज्यादा समय तक चली जटिल बातचीत के बाद ग्राहम ने वाइट हाउस को इसके लिए राजी करने में अहम भूमिका निभाई। अपनी मौत से ठीक एक दिन पहले वे सार्वजनिक रूप से यूक्रेन में देखे गए थे। दौरे के दौरान कीव की सड़कों पर टैंकों के सामने खड़े होकर उन्होंने घोषणा की कि ट्रंप इस विधेयक का समर्थन करेंगे।

सीनेट से पहले ही पारित हो चुके इस ऐतिहासिक विधेयक पर ट्रंप के हस्ताक्षर के बाद इसका नाम अब 'लिंडसे ओ ग्राहम सैंक्शनिंग रूस एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026' हो गया है। प्रतिनिधि सभा में इस विधेयक को 262/159 के बहुमत से पारित किया गया। इस कानून के जरिए अमेरिका दरअसल रूस के ऊर्जा और रक्षा क्षेत्रों तथा प्रतिबंधों से बचने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले रूसी तेल टैंकरों के गुप्त बेड़े 'शैडो फ्लीट' को निश्चित रूप से निशाना बनाएगा।

इस विधेयक की सबसे बड़ी बात यह है कि यह अमेरिकी राष्ट्रपति को उन देशों पर सौ फीसद तक सीमा शुल्क (टैरिफ) लगाने का अधिकार देता है, जो रूस से कच्चा तेल या गैस खरीदना जारी रख रहे हैं। रूस से बड़े पैमाने पर तेल खरीदने के कारण भारत और चीन इसके मुख्य दायरे में आ सकते हैं।

प्रतिक्रिया की जड़

प्रतिनिधि सभा में जो कुछ हुआ, उसे देखकर साफ लगता है कि ज्यादातर रिपब्लिकन सांसद इस विधेयक का समर्थन करते हैं, लेकिन बातचीत की जानकारी रखने वाले लोगों के मुताबिक, हाल के दिनों में लगभग

एक दर्जन रिपब्लिकन सांसदों ने पार्टी नेताओं से विधेयक में शामिल शुल्क से जुड़ी नई शक्तियों को हटाने के लिए पैरवी की थी और एक तरह से इसके लिए अभियान चलाया था। उन्हें डर था कि नवंबर 2026 में मध्यावधि चुनावों से ठीक पहले कीमतें और बढ़ सकती हैं। नवंबर में रिपब्लिकन की जीत पर हर अमेरिकी को 5,000 डॉलर का चेक देने का ट्रंप का बड़ा मध्यावधि प्रस्ताव भी ठंडे बस्ते में जाता दिख रहा है, क्योंकि कैपिटल हिल के सत्तारूढ़ रिपब्लिकन नेताओं ने इस विचार से खुद को दूर कर लिया है।

इस कानून के तहत मिली नई शुल्क नीति लागू करने की शक्तियों का इस्तेमाल करके ट्रंप प्रशासन रूस से तेल और गैस खरीदने वाले देशों, जिनमें चीन और भारत भी शामिल हैं, पर सौ फीसद तक का शुल्क (लेवी) लगा सकता है। आलोचकों का कहना है कि इससे अर्थव्यवस्था को जबरदस्त झटका लग सकता है। मगर ट्रंप क्या ये सब ब्रिक्स सम्मेलन की सफलता देखकर अपनी खुन्नस निकाल रहे हैं?

रणनीतिक पहल

दिल्ली में संपन्न हुए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन और नई दिल्ली घोषणापत्र में अमेरिकी प्रतिबंधों, शुल्क की धमकियों और वैश्विक स्तर पर डॉलर के वर्चस्व को लेकर चिंता जताई गई थी। उसके बाद से ही अमेरिकी रणनीतिक गलियारों में हलचल बढ़ गई। बताया गया कि अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर अंतिम शुल्क दर तय करेंगे, लेकिन इससे सार्वजनिक रूप से बात करने वाले कुछ डेमोक्रेट सांसद और निजी तौर पर चिंता जताने वाले रिपब्लिकन सांसदों की चिंताएं दूर नहीं हुई हैं। उनका मानना है कि इस संभावित सुरक्षा उपाय के बावजूद यह कानून आखिरकार शुल्क के मामले में ट्रंप को ही ताकतवर बनाएगा। ट्रंप के ताकतवर होने का मतलब है, वे अपनी मनमानी करेंगे।

हालांकि कानून का समर्थन करने वाले दोनों पक्षों का तर्क है कि शुल्क से जुड़ी शक्ति सीमित और सोच-समझकर तय की गई है और यह डर बेबुनियाद है कि राष्ट्रपति को व्यापार के मामलों में ज्यादा ताकत मिल जाएगी। बहरहाल, रिपब्लिकन पार्टी के ज्यादातर लोग इस 'पैकेज' का समर्थन करने के लिए उत्सुक थे, जिसमें राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन समेत रूसी सरकार के बड़े अधिकारियों, रूसी उद्योगपतियों, सरकारी कंपनियों और रूस के रक्षा उद्योग को समर्थन देने वाली विदेशी कंपनियों पर अनिवार्य प्रतिबंध लगाने का प्रावधान है।

प्राथमिकता का तकाजा

डोनाल्ड ट्रंप संयुक्त राज्य अमेरिका के सैंतालीसवें राष्ट्रपति हैं। यह उनका दूसरा और अंतिम कार्यकाल है। रिपब्लिकन पार्टी ट्रंप के नाम पर अब और अधिक दांव नहीं खेलना चाहती। अमेरिकी राजनीति मुख्य रूप से दो बड़ी पार्टियों- वर्तमान में प्रतिपक्षी डेमोक्रेट और सत्तारूढ़ रिपब्लिकन के बीच बंटी हुई है। ट्रंप का इन दोनों पार्टियों के साथ एक दिलचस्प इतिहास रहा है। राजनीति में आने से पहले वे एक समय (2001 से 2009 के बीच) एक पंजीकृत डेमोक्रेटिक सदस्य भी रह चुके हैं। हालांकि बाद में उन्होंने पाला बदला और रिपब्लिकन पार्टी में शामिल होकर इसकी पूरी विचारधारा को अपने 'एमएजीए' (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) आंदोलन के तहत नया रूप दे दिया।

अब सवाल है कि भारत को किस रणनीति पर चलने की जरूरत है? बीते वर्ष अगस्त में अमेरिकी शुल्क-नीति के दबाव के बरक्स इस बार भारत ने शुरुआती दौर में ही स्पष्ट कर दिया है कि उसके लिए अपने आम नागरिकों की ऊर्जा जरूरतें और राष्ट्रीय हित का सवाल प्राथमिक है और वह इसे सुनिश्चित करेगा। यों भी, भारत की 1.4 अरब आबादी की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए एक दीर्घकालिक रणनीति की जरूरत है। जाहिर है, भारत को अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए रूस से तेल आयात जारी रखना चाहिए। हमें वैकल्पिक ऊर्जा की ओर ध्यान देना होगा। अमेरिका से किसी भी अनुचित या असमान व्यापार समझौते के दबाव में आकर अपने वाणिज्यिक हितों का समझौता नहीं करना चाहिए।

'ब्रांड मोदी' से ब्रिक्स तक, राजनीति में छवियों का यह खेल क्या कहता है?

(सुधीश पचौरी)

'ब्रिक्स' की बल्ले-बल्ले भारत की हल्ले-हल्ले..! मोदी-पुतिन की झप्पियां, मोदी-जिनपिंग का हाथ मिलाना और मोदी-पेजेश्कियान की मुस्कियांज ये छवियां दिनों तक याद रहेंगी..! एक लंबा चौड़ा घोषणा-पत्रज कि आतंकवाद के खिलाफ कोई नरमी नहींज कोई समझौता नहींज कि युद्ध नहीं, शांति की जरूरत, किसी देश की दादागीरी स्वीकार नहीं..! तीन दिन तक लगातार ब्रिक्स सम्मेलन की चमक।

मीडिया हुआ बावला कस के मारे अमेरिका और पाक पर कटाक्ष कि ये बना दुनिया के तीन अरब लोगों का संयुक्त मोर्चाज अमेरिकी दादागीरी को आईनाज्डालर के विकल्प की मांग, जिसके तहत 'ब्रिक्स' के सदस्य देश आपस में अपनी-अपनी मुद्रा में कारोबार कर सकते हैं और डालर की दादागीरी से मुक्त हो सकते हैं!

उधर, जब ब्रिक्स में कुछ निंदनीय न मिला, तो निशाना बने 'छोले-भटूरेज' कि विदेशी मेहमानों को शाकाहारी ही क्यों परोसा! भोजन की राजनीति पर चर्चा दो दिन जारी रही, लेकिन तीसरे दिन के बाद निपट गई।

फिर एक दिन खबर आई कि फिल्म 'हनुमान अंश' ने 'धुरंधर' के भी रिकॉर्ड को तोड़ा दो करोड़ का खर्चा और कुछ ही दिनों में दो सौ करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई..! 'हनुमान अंश' के निर्देशक बताते रहे कि किस तरह से 'नीम करौली बाबा' सभी को 'हनुमान चालीसा' का पाठ करने को कहा करते थे और पाठ करके उसका अर्थ करते दिखे। कई पंडित बताते रहे कि 'हनुमान अंश' ने बड़े बजट की फिल्मों की ऐसी की तैसी कर दी और सबने कहा कि जो फिल्म जनता के दिल की कहानी कहती है, वही हिट होती है।

इसके बरक्स खबर आई 'उमर खालिद' पर बने वृत्तचित्र को दिखाने और न दिखाने के विवाद की..! देखा! अपना समाज कितना 'बहुलतावादी' है कि सबके अपने-अपने हीरो हो सकते हैं।

फिर एक दिन एलान हुआ कि भाजपा शासित इक्कीस राज्यों में आगामी दिनों में समान नागरिक संहिता यानी यूसीसी लागू होगा। इसके बाद तो चैनलों की बहसें भिड़ंतों में बदलनी ही थी और बदलीं भी। सत्ता कहिन कि विकास के लिए यूसीसी जरूरी, लेकिन विपक्ष के कुछ नेता कहिन कि पहले संसद में पास कराते, फिर लागू करते। ये पिछले दरवाजे से क्यों करते हैं? सत्ता प्रवक्ता कहिन कि 'एक देश एक कानून जरूरी'। आगे संसद में भी आ जाएगा, लेकिन आप तो तब भी विरोध करेंगे। फिर आई यूपीआई सेवा पर 'शुल्क' लगाने की बात और विरोध में सारा विपक्ष एक साथ लामबंद कि यह तो आम लोगों को लूटना है। पहले मुफ्त रखकर लोगों को यूपीआई का चस्का लगाया और जब लोगों को आदत हो गई तो 'शुल्क' लगा दिया। यह लोगों की 'खुली लूट' नहीं तो और क्या है..! सत्ता कहिन कि व्यक्ति से व्यक्ति के लेनदेन पर कोई शुल्क नहीं, लेकिन दुकान से खरीद-फरोख्त पर 0.4 फीसद शुल्क लगेगा, जिसे दुकानदार देगा। विपक्ष कहिन कि दुकानदार इसका बोझ ग्राहक पर ही तो डालेगा..! कई चर्चक यह भी कहिन कि यह सरकार भी पंगा लेने से बाज नहीं आती। एक तो पहले ही इतनी महंगाई और बेरोजगारी, ऊपर से ये शुल्क, लेकिन सरकार कहे कि यूपीआई के लिए सरकार अब भी 20,000 करोड़ से अधिक की 'सब्सिडी' देती है। शुल्क से सरकार का बोझ कुछ ही कम होगा।

फिर एक दिन 'अंकल सैम जी' जागे और रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर 100 फीसद शुल्क का नियम पारित करा लिए, ताकि रूस यूक्रेन के खिलाफ युद्ध को ज्यादा न चला सके। कई विशेषज्ञ कहते रहे कि यह सब भारत और चीन के खिलाफ 'शुल्क आतंक' है। बहरहाल, अगर रूस ने यूरोप को तेल आपूर्ति बंद कर दी, तो यूरोप तो ठंड से मर जाएगा। तब 'अंकल सैम' क्या करेंगे? कुछ कहिन कि भारत को इस गीदड़ भभकी के आगे नहीं झुकना है। एक देशभक्त कहिन कि जब भारत 'व्यापार समझौते' पर अब तक नहीं झुका, तो अब क्या झुकेगा?

इसके बाद एक खबर बनाई प्रधानमंत्री मोदी के 76वें जन्मदिवस ने। इस अवसर पर एक ओर 'जेन-जी पीढ़ी' द्वारा बाइक रैली निकाली गई। साथ ही बताया गया कि इस अवसर पर 100 शहरों में 'आशीर्वाद के दीये' जलाए जाएंगे। इसके बाद कहीं तीस लाख दीये जलाए गए तो कहीं बीस लाख। कहीं दस लाखज तो कहीं दो लाख दीये भी जलाए गए!

इस अवसर पर एक चैनल चर्चा में एंकर से लेकर बहुत से चर्चक 'ब्रांड मोदी' को 'डिकोड' करने में लगे रहे। एक कहिन कि जो ब्रांड वक्त के हिसाब से अपने को ढालने की क्षमता रखते हैं, वही जिंदा रहते हैं। 'ब्रांड मोदी' ऐसा ही है। उदाहरण के लिए 20 जुलाई के बाद जब 'जेन-जी' के धरने का दबाव बना, तो तुरंत मोदी अपनी रील बनाकर स्वयं इंस्टाग्राम पर आकर जेन-जी पीढ़ी को संबोधित करते दिखे। ब्रांड मोदी ऐसा ही लचीला है। एक ने कहा कि उनमें अपनी रूढ़ छवि को छोड़ने की जिद है, इसीलिए वे दूसरों से अलग हैं।

बौद्धिकता का संकट- हम अपनी विरासत पर कब तक इठलाते रहेंगे?

ऐसा नहीं है कि उच्च पदों, पुरस्कारों, पुस्तकों और बड़े मंचों के जरिए प्रसिद्धि पाए नामों या टेलीविजन चैनलों पर अराजक भाषा शैली से लोकप्रियता हासिल करने वाले पात्रों की कमी है। मगर उनमें न साहित्य है, न समाजशास्त्र। हां, हंसाने-रुलाने, तालियां बटोरने और जानकारियों को 'भानुमति का कुनबा' बनाकर परोसने की कला में वे जरूर निपुण हैं। जब-जब बौद्धिकता का प्रतिनिधित्व ऐसे लोगों द्वारा किया जाता है, समाज दिशाहीन महसूस करता है और मस्तिष्क अपनी बौद्धिक भूख मिटाने के लिए विकल्प तलाशता है। आज वही हो रहा है। भौतिकता और तकनीक सबसे नजदीक के मानसिक पड़ोसी बनते जा रहे हैं।

(राकेश सिन्हा)

साधारणतया यह अपेक्षा की जाती है कि अगली पीढ़ी अपने पहले की पीढ़ी से अधिक बौद्धिकता-संपन्न होगी। मगर परिस्थितियां इसके विपरीत हैं।

भारत के कोने-कोने में बौद्धिक गतिविधियों के आयोजन की ललक देखी जा सकती है। कई ग्रामीण अंचलों में तो दो या तीन दिनों का वार्षिक व्याख्यान आयोजित होता है। यह लोगों की बौद्धिक रुचि का सूचक है। मगर इन आयोजकों को संसाधनों की कमी का संकट नहीं, बल्कि उन्हें वक्ताओं की खोज में पसीना बहाना पड़ता है।

ऐसा नहीं है कि उच्च पदों, पुरस्कारों, पुस्तकों और बड़े मंचों के जरिए प्रसिद्धि पाए नामों या टेलीविजन चैनलों पर अराजक भाषा शैली से लोकप्रियता हासिल करने वाले पात्रों की कमी है। मगर उनमें न साहित्य है, न समाजशास्त्र। हां, हंसाने-रुलाने, तालियां बटोरने और जानकारियों को 'भानुमति का कुनबा' बनाकर परोसने की कला में वे जरूर निपुण हैं। जब-जब बौद्धिकता का प्रतिनिधित्व ऐसे लोगों द्वारा किया जाता है, समाज दिशाहीन महसूस करता है और मस्तिष्क अपनी बौद्धिक भूख मिटाने के लिए विकल्प तलाशता है। आज वही हो रहा है। भौतिकता और तकनीक सबसे नजदीक के मानसिक पड़ोसी बनते जा रहे हैं।

ऐसा उस देश में हो रहा है, जहां सिद्धांतों और दर्शनों की सूची कभी पूर्ण रूप से तैयार नहीं की जा सकती है। पतंजलि, गौतम बुद्ध, बाणभट्ट और कालिदास समेत अनगिनत रचनाकार हैं। मगर पिछले पांच-छह दशकों से नेहरू और गोलवलकर के बीच स्वघोषित पैरोकार बनकर बौद्धिक वर्ग प्रतिस्पर्धा करता रहा है। ऐसा करने से न तो नेहरू का नुकसान हुआ और न ही गोलवलकर का। हां, बौद्धिकता का ह्रास जरूर हुआ। यह प्रवृत्ति नेहरूवादियों और वामपंथियों ने शुरू की। जी भरकर गोलवलकर पर कीचड़ उछाला गया। स्वाभाविक है, प्रत्युत्तर के लायक नेहरू ही थे।

इसने विश्वविद्यालय परिसरों एवं राजनीतिक गलियारों के बीच भाषा, भाव-भंगिमा और तर्क सहित सभी स्तरों पर अंतर समाप्त कर दिया। इसका एक और दुष्परिणाम हुआ- बुद्धिजीवियों में राजनीति के प्रति आकर्षण जरूरत से ज्यादा बढ़ गया। पहले भी

थोड़ा-बहुत था, पर जब बौद्धिकता से समझौते का प्रश्न उठा, तब बौद्धिकों ने राजनीति को त्याग दिया। माखन लाल चतुर्वेदी इसके उदाहरण हैं।

स्वतंत्रता संग्राम में दर्जनों बार उनके घर पर साम्राज्यवादियों ने छापा डाला था। उन्होंने जेल से 'पुष्प की अभिलाषा' कविता लिखी। स्वतंत्रता के बाद वे मध्य प्रदेश में कांग्रेस में सक्रिय हुए। मगर उन्हें अपमान का सामना करना पड़ा। आदर्श और यथार्थ के बीच के अंतर का प्रत्यक्ष अनुभव लेकर उन्होंने राजनीति को अलविदा कह दिया।

आंचलिक पत्रकारिता के जनक फणीश्वरनाथ रेणु ने भी यही किया। हमारे समाज में ऐसे उदाहरण भरे पड़े हैं। देश की राजनीति में एक अवसर आया, जब इसने श्रेष्ठता को गले लगाया। संविधान सभा महान विभूतियों की जुटान थी, चाहे गांधीवादी हों, समाजवादी हों या दक्षिणपंथी, सभी ज्ञान और अनुभवों का संगम थे। इसलिए विमर्श, संवाद, वाद-विवाद और पात्रता पर जब सवाल उठता है, तो सभी लोग संविधान सभा को ही याद करते हैं। यह राजनीति और बौद्धिकता का सुखद, मगर संक्षिप्त मांगलिक काल था।

पूरी दुनिया की सभ्यता इस बात की साक्षी है कि बौद्धिकता का ह्रास उसे संकीर्णताओं, हिंसात्मक प्रवृत्तियों, अराजक जीवन शैलियों और तर्कहीनता की ओर ले जाता है। साहित्य और समाजशास्त्र ही उसे इस सब से बचाता है। इसका कितना महत्त्व है, इसे इस उदाहरण से समझा जा सकता है- राजा पेएसी (प्रदेशी) अधर्म का प्रचारक था। उसके विवेक और आचरण में धर्म का स्थान नहीं था।

जैन धर्म के संस्थापक पार्श्वनाथ की परंपरा में केशी कुमार श्रमण ने राजा से संवाद किया। वे आध्यात्मिक ज्ञान और चिंतन आधारित स्वाध्याय से लबालब थे। पेएसी आत्मा के अस्तित्व को नकारता था और भौतिकवाद को अंतिम सत्य मानता था। उसने आत्मा के अस्तित्व को जानने के लिए वह प्रयोग कर रखा था, जो आज के समय में डंकन मैकडॉगल ने किया है। उदाहरण के तौर पर प्राणदंड से पूर्व और बाद में चोर का वजन लिया और उसमें कोई अंतर नहीं था। एक चोर को लोहकुंभी में बंद कर शीशे से ढक दिया। मृत्यु के बाद उसमें कोई छेद नहीं दिखा, जहां से आत्मा के बाहर निकलने की पुष्टि हो सके। मगर कुमार श्रमण उस राजा को धर्म की राह पर लाने में सफल रहे।

साधारणतया यह अपेक्षा की जाती है कि अगली पीढ़ी अपने पहले की पीढ़ी से अधिक बौद्धिकता-संपन्न होगी। मगर परिस्थितियां इसके विपरीत हैं। विचार में परिवर्तन के लिए सैकड़ों पुस्तकों, विविध प्रकार के संवादों और रचनात्मक विमर्शों की आवश्यकता होती है। भौतिकता की आहट बीसवीं सदी के मध्य में सुनाई पड़ने लगी थी।

तब भारत के बुद्धिजीवी पीढ़ियों के लिए बौद्धिक ऊर्जा लगाने लगे। 1924 में दक्षिणा रंजन शास्त्री की 'भारतीय भौतिकवाद पर चार्वाक दृष्टि' 1940 में गायकवाड़ ओरिएंटल शृंखला में जयराशि भट्ट ने तत्वोप्लवसिंह नामक दार्शनिक ग्रंथ की रचना की, जो नास्तिकवाद के एकपक्षीय दर्शन पर था। देवी प्रसाद चट्टोपाध्याय ने 'लोकायत दर्शन' (1956) लिखा।

जब नवउदारवाद असामाजिकता, धन पशुता, कामाचार और अराजक जीवन शैली की ओर दुनिया को ले जा रहा है, तब भी बौद्धिक वर्ग 'नेहरू-गोलवलकर' के बीच ही शतरंज खेलने में लगा है। समुदाय और परिवार पर घोर भौतिकवाद तथा व्यक्तिवादी संस्कृति के ग्रहण का असर दिखने लगा है। मगर पूरी दुनिया का बौद्धिक समाज अघोषित रूप से 'नीतिमूलक संप्रदाय' का हिस्सा बना हुआ है। यह संप्रदाय किसी सिद्धांत को प्रतिष्ठित नहीं होने देता है। सिर्फ चलती-फिरती भाषा में एक-दूसरे पर प्रहार करता है।

न्याय दर्शन में संवाद के तीन प्रकार हैं- वाद, जल्प और वितंडा। सबसे हीन स्तर का वितंडावाद है। इसमें अपना कोई सिद्धांत नहीं होता है।

स्कूली छात्राओं के बीच चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम 2026 के को लेकर विकास भवन सभागार में जिला जल एवं स्वच्छता समिति एवं जिला गंगा समिति के संयुक्त तत्वाधान में जिला स्तर पर स्कूली छात्राओं के बीच चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी,उप विकास आयुक्त डा.नेहा कुमारी,अनुमंडल पदाधिकारी सूरज कुमार, निदेशक डीआरडीए सुदामा प्रसाद सिंह सहित कई अन्य वरीय पदाधिकारियों ने अपनी उपस्थिति देकर प्रतिभागी छात्राओं का हौसला बढाया। प्रतियोगिता में + 2 गाँधी उच्च विद्यालय, +2 उच्च विद्यालय, बी०एम०पी०-7 एवं जवाहर नवोदय विद्यालय की 50 छात्राओं ने भाग लिया।प्रतिभागी छात्राओं ने अपनी कला और रंगों के माध्यम से स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, कचरा प्रबंधन और ठोस अपशिष्ट नियमावली 2026 पर आधारित बेहद सुंदर संदेश चित्रकला के माध्यम से प्रदर्शित किया। निर्णायक मंडली के अनुसार प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर +2 गांधी उच्च विद्यालय की दीपशिखा, द्वितीय स्थान पर +2 उच्च विद्यालय कटिहार की मेघा स्वराज, तृतीय स्थान पर +2 गांधी उच्च विद्यालय की राधा कुमारी, चतुर्थ स्थान पर जवाहर नवोदय विद्यालय की संजना कुमारी,पंचम स्थान पर +2 बी०एम०पी०-7 उच्च विद्यालय की नयना कुमारी एवं छठे स्थान पर जवाहर नवोदय विद्यालय की मनुप्रिया रही। जिन्हें जिला पदाधिकारी,उप विकास आयुक्त सहित अन्य पदाधिकारियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रतीक चिह्न देकर पुरस्कृत किया। छात्राओं को संबोधित करते हुए जिला पदाधिकारी ने बच्चों के हुनर की सराहना करते हुए कहा कि बच्चे देश के भविष्य हैं। स्वच्छता के प्रति उनकी जागरूकता समाज में बड़ा बदलाव ला सकेगा। वहीं डीडीसी ने भी छात्रों का हौसला बढ़ाते हुए अपने आस-पास के परिवेश को साफ-सुथरा रखने तथा अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान नजारत उप समाहर्त्ता अभिषेक रंजन, निदेशक एनईपी, कला संस्कृति पदाधिकारी रीना गुप्ता, जिला योजना पदाधिकारी, जिला समन्वयक जिला जल एवं स्वच्छता समिति, जिला परियोजना पदाधिकारी नमामि गंगे सहित डीआरडीए के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी, प्रखंड समन्वयक लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री आवास योजना में लापरवाही पर नगर निगम सख्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के तहत आवास निर्माण के लिए प्रथम किस्त की राशि प्राप्त करने के बावजूद निर्माण कार्य शुरू नहीं करने वाले लाभुकों के विरुद्ध नगर निगम कटिहार ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। नगर निगम कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार ऐसे कुल 115 लाभुकों को आवास निर्माण शुरू करने के लिए कई बार नोटिस जारी किया गया था। इसके बावजूद संबंधित लाभुकों द्वारा आवास निर्माण की दिशा में कोई कार्य नहीं किया गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए नगर निगम द्वारा उक्त 115 लाभुकों के विरुद्ध नीलाम पत्रवाद की कार्रवाई के लिए आवश्यक अभिलेख तैयार कर लिए गए हैं। तैयार अभिलेखों को आगे की कार्रवाई के लिए नीलाम पत्र कार्यालय कटिहार को समर्पित कर दिया गया है। नगर निगम द्वारा स्पष्ट किया गया है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सरकारी राशि प्राप्त करने के बाद निर्धारित समय में आवास निर्माण नहीं करने वाले लाभुकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

गेराबारी बाजार के ज्वेलर्स दुकान में अचानक गिरे ग्राहक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोढा (कटिहार)। कोढ़ा थाना क्षेत्र के कोढ़ा नगर पंचायत के वार्ड नंबर 6 स्थित गेराबारी बाजार हटिया में संगम ज्वेलर्स की दुकान पर खरीदारी करने पहुंचे एक व्यक्ति की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो गई। एंबुलेंस के पहुंचने के बाद नरेश राय को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोढ़ा ले जाया गया। वहां चिकित्सक डॉ. गिरीश चौहान ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। इधर, घटना की जानकारी मिलते ही कोढ़ा पुलिस सामुदायिक स्वास्थ्य

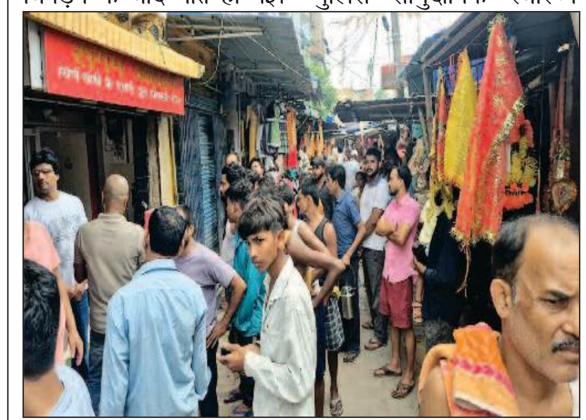

मृतक की पहचान हथवारा पंचायत के अमोल गांव निवासी नरेश राय (55) के रूप में हुई है। वे स्वर्गीय रूपनारायण राय के पुत्र बताए जा रहे हैं। संगम ज्वेलर्स के प्रोपराइटर मनोज कुमार ने बताया कि नरेश राय करीब 10 बजे उनकी दुकान पर पहुंचे थे। दुकान पर मौजूद रहने के दौरान अचानक उन्हें बेचैनी महसूस होने लगी। उनकी हालत बिगड़ती देख दुकानदार ने तत्काल उनके मुंह पर पानी का छींटा मारा और आसपास के लोगों की मदद ली। इसी दौरान नरेश राय अचानक जमीन पर गिर पड़े। घटना के बाद दुकान संचालक ने बिना देर किए एंबुलेंस को फोन किया। केंद्र पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घटना से जुड़े लोगों से जानकारी ली। वहीं घटना के संबंध में जब पत्रकारों ने संगम ज्वेलर्स के प्रोपराइटर मनोज कुमार से दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज उपलब्ध कराने की बात कही तो उन्होंने बताया कि दुकान में सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं, लेकिन कैमरों से जुड़ी एलईडी स्क्रीन खराब है। बाजार में दुकान के अंदर अचानक हुई मौत की घटना से कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। मौत के वास्तविक कारण का पता जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

संक्षिप्त समाचार

चोरी का जेवर खरीदने के आरोप में दुकानदार को जेल

डंडखोरा/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। घर से जेवर चोरी किये जाने के एक मामले में डंडखोरा पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है।पुलिस ने जेवर सहित चोरी का जेवर खरीदने के आरोप में सोना चांदी के दुकानदार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।वहीं मामले में नामित 14 वर्षीय किशोर को आवश्यक कागजी कारवाई पूरी करने के बाद निरुद्ध किया गया है।मामले को लेकर अपर थानाध्यक्ष अमलेंदु सिंह ने बताया कि मिलिक टोला नवादा निवासी सोनू कुमार चौहान पिता राम प्रवेश चौहान ने थाना में आवेदन देकर एक 14 वर्षीय किशोर पर घर से सोना और चांदी का जेवर चुराने का आरोप लगाया था।जांच के क्रम में किशोर की स्वीकारोक्ति तथा शिनाख्त पर पुलिस ने सोनेली बाजार स्थित जागो ज्वेलर्स नाम के सोने-चांदी की दुकान में छापा मारकर चोरी किये गये 06 नग जेवर सहित दूकानदार सोनू साह साकिन कंटिया टोला सोनैली थाना- कदवा, जिला कटिहार को हिरासत में लेकर कागजी कारवाई करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।वहीं विधि विरुद्ध किशोर को निरुद्ध किया गया है।

अवैध हथियार के साथ तीन गिरफ्तार

कोढा/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। प्रखंड के रौतारा थाना क्षेत्र के रमैली गांव में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अवैध हथियार के साथ तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान राजा पासवान विनोदपुर तथा राजकुमार मंडल और मनीष रविदास, दोनों धरमेली थाना रौतारा जिला कटिहार निवासी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार कार्रवाई के दौरान तीनों आरोपितों के पास से एक देशी कट्टा, दो जिंदा कारतूस और एक खोखा बरामद किया गया। इसके अलावा पुलिस ने एक अपाचे मोटरसाइकिल और तीन मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। बरामद हथियार एवं अन्य सामान को पुलिस ने अपने कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने आरोपितों से हथियार के संबंध में पूछताछ की है। साथ ही यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि हथियार उनके पास कहां से आया और इसका इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया जाना था। मामले में पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी है।गिरफ्तार तीनों आरोपितों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायालय में प्रस्तुत करने के लिए भेज दिया गया है।

हत्या का आरोपित समेत पांच गिरफ्तार

अमदाबाद/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। अमदाबाद पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में एक आरोपी समेत शराब के नशे में उत्पात कर रहे पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। सभी को मेडिकल जांच व आवश्यक कार्रवाई के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।इस संबंध में थानाध्यक्ष राजन कुमार ने बताया कि हत्या के प्रयास के मामले में प्राथमिकी अभियुक्त गोपालपुर गांव निवासी बिरजू कुमार मंडल को गिरफ्तार किया गया। करीब तीन बजे गोपालपुर चौक के पास शराब के नशे में उत्पात मचाया रहे सुनील कुमार ताती और छोटू कुमार को पुलिस ने गिरफ्तार किया। इसके बाद शाम पौने पाँच बजे चन्नी मोड़ के पास से पंकज कुमार, धोनी कुमार और साहुद को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने पांचों की ब्रेथ एनालाइजर से जांच कराई। जिसमें शराब सेवन की पुष्टि हुई। सभी की मेडिकल जांच कराई गई।आवश्यक कार्रवाई के बाद पांचों को न्यायिक हिरासत में कटिहार भेज दिया गया। हत्या के प्रयास के आरोपी बिरजू कुमार मंडल को भी न्यायिक हिरासत में भेजा गया। मौके पर एसआई भोला कुमार, पीएसआई सुधीर कुमार समेत पुलिस बल तैनात रहे।

514 ग्राम स्मैक के साथ तीन महिलाएं गिरफ्तार

कोढा/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। रौतारा थाना क्षेत्र में नशे के खिलाफ पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए तीन महिलाओं को कुल 514 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तार महिलाओं की पहचान पूर्णिया जिले के बायसी थाना क्षेत्र अंतर्गत जावर गांव निवासी नाजरा खातून पति मजबूल आलम, गुलसो उर्फ गुलशन खातून, पति मुख्तार आलम तथा सबूदा खातून,पति मनोवर आलम के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार रौतारा थाना क्षेत्र के गोविंदपुर इलाके में नशीले पदार्थ की तस्करी से संबंधित सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम ने कार्रवाई की। जांच के दौरान पुलिस ने तीनों महिलाओं को संदिग्ध अवस्था में पकड़ा। तलाशी लेने पर उनके पास से कुल 514 ग्राम स्मैक बरामद हुई। बरामद नशीले पदार्थ को पुलिस ने जब्त कर लिया।कार्रवाई के बाद तीनों आरोपित महिलाओं को रौतारा थाना लाया गया।जहां आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई। पुलिस ने मामले में प्राथमिकी दर्ज करने के बाद तीनों को माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से उन्हें न्यायिक प्रक्रिया के तहत भेज दिया गया। इस कार्रवाई में रौतारा थानाध्यक्ष लालसार बिन्द के नेतृत्व में पुलिस पदाधिकारी एवं जवान शामिल रहे। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में नशीले पदार्थों की तस्करी करने वालों में हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जा रही है। पुलिस की ओर से आम लोगों से भी अपील की गई है कि नशीले पदार्थों की बिक्री या तस्करी से जुड़ी कोई सूचना मिलने पर इसकी जानकारी पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

अवधपुर काली मंदिर ढाला के पास धार मे डूबे अधेड़ का शव बरामद

मनिहारी/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। सोमवार को प्रखंड क्षेत्र के बौलिया पंचायत के वार्ड संख्या दो मुस्लिम टोला निवासी मो. सिद्दकी (60) अवधपुर काली मंदिर ढाला के पास नदी पार कर खेत जा रहा था कि तेज धारा मे बह गया। डूबने से मौत हो गयी।चीख पुकार सुनकर पास के ग्रामीण व परिजन नदी किनारे पहुंचकर खोज आरंभ कर दी। स्थानीय प्रशासन को सूचना दी गयी, तत्परता दिखाते हुए प्रशासन भी हरकत मे आया, मौके पर एनडीआर एफ की बचाव दल भी आकर नदी मार्ग मे खोज आरंभ की। कडी मशक्कत के बाद शव का खोज लिया गया। मौके पर पहुंची मनिहारी पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की। परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से इन्कार कर दिया। पुलिस आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव परिजनों को सौंप कर अग्रतर कार्रवाई मे जुट गयी।

न्यू मार्केट में सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ नगर निगम की कार्रवाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत शहर को प्लास्टिक मुक्त एवं कचरा मुक्त बनाने के उद्देश्य से नगर निगम की ओर से सोमवार को न्यू मार्केट क्षेत्र में सिंगल यूज प्लास्टिक के विरुद्ध विशेष प्लास्टिक रेड अभियान चलाया गया। नगर निगम की टीम ने न्यू मार्केट में विभिन्न दुकानों की जांच कर सिंगल यूज प्लास्टिक के थैले, डिस्पोजल एवं अन्य प्रतिबंधित प्लास्टिक सामग्री को जब्त किया। नगर आयुक्त संतोष कुमार ने बताया कि नियमों का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 15,700 की दंड राशि वसूल की गई। अभियान के दौरान न्यू मार्केट क्षेत्र में अस्थायी अतिक्रमण के विरुद्ध भी कार्रवाई की गई। सड़क एवं सार्वजनिक स्थानों पर किए गए अस्थायी अतिक्रमण को हटाया गया तथा संबंधित लोगों से नियमानुसार दंड की राशि भी वसूल की गई। नगर निगम प्रशासन ने दुकानदारों एवं व्यवसायियों से अपील किया कि वे सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करें तथा नगर क्षेत्र को स्वच्छ एवं प्लास्टिक मुक्त बनाने में नगर निगम का सहयोग करें। अभियान के दौरान नगर आयुक्त संतोष कुमार, स्वच्छता पदाधिकारी नूर अली खान, कनीय अभियंता अजय कुमार सिंह, अमित कुमार, धर्मेंद्र कुमार, सहायक अभियंता अभय कुमार, नगर प्रबंधक ज्योति कृष्णमूर्ति, राजीव चाकी, मुकेश महतो, अमरेन्द्र झा, अभिषेक कुमार सिंह, सुरेश पासवान सहित संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। नगर आयुक्त श्री कुमार ने स्पष्ट कहा कि शहर में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने तथा सिंगल यूज प्लास्टिक पर रोक के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए इस प्रकार के अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

सांसद तारिक अनवर कर रहे हैं स्वास्थ्य लाभ : पंकज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता पंकज कुमार तमाखुवाला ने जानकारी दी कि सांसद तारिक अनवर का बीते दिनों सफलता पूर्वक हार्ट का ऑपरेशन मुंबई के एशियन हार्ट इंस्टीट्यूट मे हुआ था। वे आईसीयू से जनरल रूम मे स्थांतरित किए गए है। जहां वो अभी भी डॉक्टरों की निगरानी मे स्वास्थ्य लाभ ले रहे है। प्रवक्ता श्री तमाखुवाला ने बताया कि आप सबो के प्रार्थना , दुआ से सांसद श्री अनवर को स्वास्थ्य लाभ हो रहा है। आशा करते है कि वह जल्द स्वस्थ होकर आपके हमारे बीच होंगे। सांसद श्री अनवर ने अपने कटिहार संसदीय क्षेत्र के नागरिकों, शुभचिंतकों एवं चाहने वालों को अपने हृदय से आभार व्यक्त किया है। सांसद श्री अनवर ने कहा कि मैं सदैव आभारी रहूंगा जिन्होंने मुझे स्वस्थ होने का आशीर्वाद दिया। मेरी गंभीर बीमारी के दौरान प्रार्थना ,प्रेम एवं सहयोग के लिए सभी मित्रों तथा शुभचिंतकों को धन्यवाद दिये। यही कामना है कि आप सबो का स्नेह प्रेम इसी प्रकार सदैव बना रहे।

फसल उत्पादन बढ़ाने में कारगर है अजोला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। अजोला एक छोटा जलीय फर्न है। जिसे कृषि क्षेत्र में जैविक खाद और पशु आहार के रूप में उपयोग किया जा रहा है। कम लागत में तैयार होने वाला अजोला किसानों के लिए अतिरिक्त आय और खेती की लागत कम करने का उपयोगी माध्यम बन सकता है। विशेष रूप से धान की खेती में इसका उपयोग मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने तथा पौधों को आवश्यक पोषक तत्व उपलब्ध कराने में सहायक माना जाता है।जिला कृषि पदाधिकारी राजीव कुमार ने बताया कि अजोला की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसमें नाइट्रोजन स्थिरीकरण करने वाले सूक्ष्मजीवों के साथ सहजीवी संबंध होता है। इसके कारण अजोला जैविक रूप से नाइट्रोजन उपलब्ध कराने में मदद करता है। खेत में हरी खाद के रूप में अजोला का उपयोग करने से मिट्टी में जैविक पदार्थ बढ़ाने और उसकी संरचना सुधारने में सहायता मिल सकती है। इससे रासायनिक नाइट्रोजन उर्वरकों पर निर्भरता कम करने की संभावना रहती है। धान के खेत में अजोला को पानी की सतह पर फैलाकर बढ़ाया जा सकता है। पर्याप्त वृद्धि होने पर इसे खेत में मिलाने से जैविक पदार्थ और पोषक तत्व मिट्टी में वापस पहुंचते हैं। इससे धान के पौधों की बढ़वार और उत्पादन में सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। हालांकि अजोला का लाभ मिट्टी, मौसम, पानी, फसल प्रबंधन और अन्य उर्वरक प्रबंधन पर भी निर्भर करता है। बताया कि आत्मा से जूडे किसानों, कृषक समूहों के किसानों को अजोला के उपयोग व इससे होनेवाले लाभ की जानकारी दी जाती है और इसके उपयोग के लिए प्रेरित किये जा रहे हैं। अजोला जोडन के तौर पर इच्छुक किसानों को उपलब्ध भी कराये जा रहे हैं ताकि वे अपने खेतें में इसका विस्तार कर सकें। उप परियोजना निदेशक शशिकांत झा ने जानकारी दी कि अजोला का उपयोग केवल फसल उत्पादन तक सीमित नहीं है। इसे पशुओं, बत्तख और मुर्गियों के पूरक आहार के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता है।

पाप का अल्पीकरण होता है बारह व्रत से : मुनि प्रशांत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। आचार्य श्री महाश्रमणजी के सुशिष्य मुनिश्री प्रशांत कुमार जी मुनिश्री कुमुद कुमार जी के सान्निध्य में तेरापंथ युवक परिषद कटिहार की ओर से बारह व्रत कार्यशाला का आयोजन किया गया । कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुनिश्री प्रशांत कुमार जी ने कहा - श्रावक होना अपने आप में श्रेष्ठ होता है। श्रेष्ठता आती है त्याग से। भगवान महावीर स्वामी ने जो जीवनशैली बताई वह जीवन जीने की कला है। बारह व्रत से पाप का अल्पीकरण होता है। बारह व्रत धारण करने से ही श्रावक की कोटी में आते है। श्रावक अल्प परिग्रह, अल्प हिंसा का जीवन जीने का प्रयास करें। नियम व्रत की अनुपालन जीवन व्यवहार को सम्यग बनाते है।संयम की साधना से कर्म निर्जरा होती है। श्रावक का आचरण, व्यवहार प्रेरणादायक होता है। भगवान महावीर ने संयम के सिद्धांत पर बल देते हुए कहा कि इच्छाओं का संयम करो और भोगोपभोग की सीमा करो।यह संयम और सीमाकरण का सिद्धांत आज के समय में बहुत उपयोगी और आवश्यक है। अपनी आवश्यकताओं को संकल्प पूर्वक सीमित कर लेना एक स्वस्थ जीवनशैली का लक्षण है।

सीआरसी धनपाड़ा में मूल्यांकन कार्य प्रारंभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही (कटिहार)। पांच दिवसीय अर्धवार्षिक मूल्यांकन के प्रथम दिन आदर्श मध्य विद्यालय धनपाड़ा में संपूर्ण तैयारी के साथ मूल्यांकन कार्य प्रारंभ किया गया । इस संदर्भ में मूल्यांकन संचालक संजय कुमार झा एवं संकुल समन्वयक अरविंद कुमार आनंद ने बताया कि धनपाड़ा संकुल में पढ़ने वाले सभी मध्य एवं प्राथमिक विद्यालयों के अर्धवार्षिक परीक्षा मूल्यांकन का कार्य आदर्श मध्य विद्यालय धनपाड़ा में किया गया। यह मूल्यांकन कार्य दिनांक 21 सितंबर से 25 सितंबर तक चलेगा । मूल्यांकन कार्य संपन्न करने के लिए तीन प्रधान परीक्षक, सियाराम यादव आदर्श मध्य विद्यालय धनपाड़ा, मनोज कुमार, उत्क्रमित मध्य विद्यालय कुरेठा एवं मोहम्मद इकबाल आजाद मध्य विद्यालय बलुआ के देखरेख में 21 सितंबर को मध्य विद्यालय एकौना, मध्य विद्यालय पकड़िया, उत्क्रमित मध्य विद्यालय कुरेठा, प्राथमिक विद्यालय पिंडा, विद्यालयों के कॉपियों का मूल्यांकन कार्य संपन्न किया गया मूल्यांकन कार्य में लगे शिक्षकों में अजय कुमार, पवन कुमार, चंदन कुमारी, रवि कुमार पासवान, वंदना सिन्हा, रीना कुमारी, राखी कुमारी, शुभांगी पारई, कुमारी छाया, योगेश कुमार यादव, श्वेता सिंह सहित अन्य विद्यालयों के शिक्षक उपस्थित रहे।

पांच दिवसीय बिहुला विषहरी पूजा का हुआ समापन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही (कटिहार)। प्रखंड क्षेत्र के मोहनपुर पंचायत के वार्ड संख्या तीन अड़मारा चौधरी टोला में पांच दिवसीय बिहुला विषहरी पूजा का विषहरी का का गायन दिखाया जाता हैं। सिमरतला के कलाकार के द्वारा बिहुला विषहरी की उत्पत्ति से जीवदान तक का पाठ दिखाया गया जो आकर्षण का केंद्र रहा। वहीं इस

समापन हो गया। इस मौके पर हंसराज चौधरी ने बताया कि विगत 14 वर्ष से हर वर्ष विश्वकर्मा पूजा के शुभ अवसर पर पांच दिवसीय बिहुला विषहरी पूजा का शुभारंभ होता हैं एवं पांच रात्रि बिहुला पूजा में कई तरह की दुकान लगी हुई। इस अवसर पर पतिराज चौधरी, प्रकाश चौधरी, अरुण चौधरी, सुनील कुमार यादव, मुकेश कुमार, मनोज कुमार मंडल आदि उपस्थित रहे।

आरपीएफ ने स्थापना दिवस पर किया बाइक रैली का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। रेलवे सुरक्षा बल के 42 वें स्थापना दिवस के अवसर पर कटिहार रेलमंडल में सोमवार को बाइक रैली सहित कई जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित किए गए। जानकारी के अनुसार 36 सदस्यीय बाइक रैली को कटिहार स्टेशन से मंडल सुरक्षा आयुक्त संदीप कुमार पीएस ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली विभिन्न मार्गों से होते हुए पूर्णिया टोल टैक्स गेट पहुंचकर संपन्न हुई। इस दौरान आरपीएफ जवानों ने सुरक्षा, ईमानदारी और जनसेवा का संदेश दिया। मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर आरपीएफ कर्मियों ने यात्रियों के बीच मिठाई, फल और शुद्ध पेयजल का वितरण कर सेवा भावना का परिचय दिया। वहीं आरपीएफ द्वारा पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए रेल परिसर के विभिन्न स्थानों पर वृहद पौधरोपण अभियान भी चलाया गया। स्थापना दिवस पर आयोजित इन कार्यक्रमों के माध्यम से आरपीएफ ने यात्रियों की सुरक्षा के साथ-साथ जनसेवा और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को भी प्रदर्शित किया।इस क्रम में आरपीएफ कमांडेंट संदीप कुमार पीएस की अध्यक्षता में ओटी पारा स्थित आरपीएफ फील्ड में एक आरपीएफ द्वारा एक बड़ा खाना कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। इस दौरान आरपीएफ ईस्ट पोस्ट कमांडर विक्रम कुमार,सीआईबी इंस्पेक्टर संतोष कुमार,वेस्ट इंस्पेक्टर आबेदानन्द सिंह सहित सैकड़ो की संख्या में आरपीएफ के इंस्पेक्टर,सब इंस्पेक्टर वो अन्य जवान मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

मनीव्यू का 1,092 करोड़ रुपए का आईपीओ 24 सितंबर को खुलेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। डिजिटल ऋण मंच मनीव्यू लिमिटेड 24 सितंबर को अपना 1,092 करोड़ रुपए का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की तैयारी कर रही है। कंपनी ने सोमवार को बताया कि आईपीओ के लिए 32 से 34 रुपए प्रति इक्विटी शेयर का मूल्य दायरा तय किया गया है। ऊपरी मूल्य दायरे पर कंपनी का मूल्यांकन करीब 6,000 करोड़ रुपए है। यह आईपीओ 28 सितंबर को बंद होगा तथा कंपनी के शेयरों को एक अक्टूबर को एनएसई और बीएसई पर सूचीबद्ध किया जाएगा। मनीव्यू के आईपीओ के तहत 750 करोड़ रुपए मूल्य के नए शेयर जारी किए जाएंगे, जबकि मौजूदा शेयरधारक 10.05 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) कर रहे हैं।

बड़ा खिलाड़ी बनने की तैयारी में भारत, 200 अरब का हो सकता है बाजार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के सेमीकंडक्टर मिशन को बड़ी रफ्तार देते हुए सेमीकॉन इंडिया में 51,666 रजिस्ट्रेशन और करीब

40 हजार लोगों की उपस्थिति दर्ज हुई। दुनिया के 52 देशों से प्रतिनिधि पहुंचे। करीब 300 अंतरराष्ट्रीय कंपनियों समेत 600 से ज्यादा एग्जीबिटर्स ने चिप इंडस्ट्री की तकनीक और संभावनाएं पेश की। जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, नीदरलैंड, सिंगापुर और स्वीडन के छह देशों के पवेलियन के साथ 12 राज्यों के पवेलियन भी लगाए गए। ईवाय और आईएसबीए की रिपोर्ट के मुताबिक भारत का सेमीकंडक्टर बाजार 2026 के करीब 64 अरब डॉलर से बढ़कर 2035 तक 200 अरब डॉलर तक पहुंचने का अवसर रखता है। तीन दिनों में हुए करार और साझेदारियां संकेत देती है कि भारत का लक्ष्य सिर्फ चिप आयात कम करना नहीं, बल्कि डिजाइन से सिस्टम तक वैश्विक सेमीकंडक्टर वैल्यू चैन में बड़ी भूमिका हासिल करना है। सेमीकॉन इंडिया में 56 एमओयू घोषणाएं और रणनीतिक पहल सामने आई। इनमें चिप डिजाइन, फैब्रिकेशन, एडवांस्ड पैकेजिंग मशीनरी, कच्चे माल, एआई, रिसर्च, स्टार्टअप और स्किल डेवलपमेंट जैसे सेक्टर शामिल है। यानी भारत अब सिर्फ चिप बनाने वाली फैक्ट्रियों पर नहीं बल्कि चिप की डिजाइन से लेकर तैयार इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम तक पूरी वैल्यू चेन खड़ी करने पर जोर दे रहा है।

पूरा फोकस सेमीकॉन 2.0 पर

पूरा फोकस सेमीफॉन 2.0 पर है। इसका कुल बजट 1.27 लाख करोड़ रुपये है। सेमीकंडक्टर सेक्टर में सबसे बड़ा फायदा युवाओं को रोजगार के रूप में मिलने की उम्मीद है। सम्मेलन मे स्किलिंग, इंटर्नशिप, हैकाथॉन और उद्योग से जुड़े प्रशिक्षण पर विशेष जोर रहा। डिजिटल इंडिया ग्रैंड चैलेंज में 1,236 टीमें के 5,045 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

टेक्नोलॉजी को दुनिया के लिए खतरा बनने के बजाय फायदा पहुंचाना चाहिए, एआई पर बोले केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के दो चरणों के तहत अब तक लगभग 23.5 बिलियन डॉलर के निवेश का वादा किया है। इसमें 12 मंजूर प्रोजेक्ट शामिल हैं। इनमें टाटा ग्रुप की एक चिप फैब और पांच चिप असेंबली यूनिट शामिल हैं, जहां प्रोडक्शन शुरू हो चुका है। इलेक्ट्रॉनिक्स और द्धञ्ज मंत्री अश्विनी वैष्णव ने का कहना है कि कंपनियों का अगला ग्रुप छह महीनों में निवेश शुरू कर देगा। आईटी मंत्री के तौर पर पांच साल पूरे कर चुके वैष्णव ने ईटी के साथ एक इंटरव्यू में कहा कि एआई कंपनियों की यह सुनिश्चित करने की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है कि उनके प्रोडक्ट सुरक्षित हों।

5वां सेमीकॉन इंडिया समिट अभी-अभी खत्म हुआ है। आपने कहा है कि लगभग 12 बिलियन डॉलर का निवेश आने की उम्मीद है। कब तक इनके आने की उम्मीद सकते हैं

2.0 छह पिलर्स पर बना है। इनमें डिजाइन, मटीरियल और मशीनें, ज्यादा फैब और (असेंबली, टेस्टिंग, मार्किंग और पैकेजिंग) और (आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली और टेस्ट) यूनिट, आरएंडडी और टैलेंट शामिल हैं। कई कंपनियां पहले ही हमारे साथ बातचीत शुरू कर चुकी हैं। हाल में कुछ

एआई कानून को लेकर हमारी क्या प्रगति है

हमने इस विषय पर द्ब डेवलपर्स, डेवलपमेंट कम्युनिटी, एकेडेमिया और ग्लोबल बड़ी टेक कंपनियों के साथ कई बार चर्चा की है। अब आम सहमति बन रही है कि इनोवेशन बहुत जरूरी है, लेकिन यहां जोखिम उन चुनौतियों से कहीं ज्यादा हैं जो हमें दिख रही हैं। ये जोखिम से होने वाले फायदों से भी कहीं ज्यादा हैं। रेगुलेशन इसी बात को ध्यान में रखकर बनाना होगा। लेकिन फिर से, यह एक टेक्नो-लीगल अप्रोच होना चाहिए।

मुझसे मिले थे। वे अगले छह महीनों में अपना निवेश शुरू करने की योजना बना रहे हैं। इंडस्ट्री को अब भारत पर ऐसा ही भरोसा है। जब भी दुनिया में कोई क्रांतिकारी टेक्नोलॉजी आई है तो सरकारों और संसदों ने सही तरह के नियम बनाने के लिए दखल दिया है। फिर चाहे ऑटोमोबाइल हो या न्यूक्लियर इंडस्ट्री। हमें निश्चित रूप से एक टेक्नो-लीगल फ्रेमवर्क में काम करना होगा। केवल एक कानून से यह समस्या हल नहीं हो सकती। इसका तकनीकी और कानूनी, दोनों तरह का समाधान होना चाहिए।

क्या भारत एआई पर सरकारों के बीच बेहतर सहयोग बनाने में लीड ले सकता है

एआई समिट के दौरान और उसके बाद भी, भारत ने कई देशों के साथ इस बातचीत को आगे बढ़ाया है। मुझे लगता है कि एआई की दुनिया में भी कुछ वैसा ही होना चाहिए जैसा न्यूक्लियर (परमाणु) मामलों में हुआ था, जहां देश एक साथ आते हैं और इस बात पर सहमत होते हैं कि इंसानियत सबसे पहले है, यह सुरक्षित होना चाहिए, और एआई को दुनिया के लिए खतरा बनने के बजाय फायदा पहुंचाना चाहिए। सोशल मीडिया से होने वाले नुकसान और बच्चों की सुरक्षा के मामले में, प्लेटफॉर्म्स की जिम्मेदारी कैसे बढ़ाई जा सकती है बच्चों की सुरक्षा हमारे लिए सबसे अहम है। अगली पीढ़ी को टेक्नोलॉजी का फायदा तो मिलना चाहिए, लेकिन उन्हें इसकी लत, एल्गोरिदम के जरिए युवा नागरिकों को टारगेट करके मोबाइल फोन या सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स का आदी बनाने और युवाओं द्वारा देखे जाने वाले कंटेंट से होने वाले

डॉलर के मुकाबले रुपया मजबूत, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से मिला सहारा

मुंबई एजेंसी। कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख के बीच सोमवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 24 पैसे की मजबूती के साथ 95.72 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों में शुरुआती बढ़त और विदेशी कोषों की लिवाली ने निवेशकों की धारणा को सहारा दिया। हालांकि, तेल कंपनियों की ओर से डॉलर की लगातार मांग और डॉलर सूचकांक में मजबूती ने स्थानीय मुद्रा की बढ़त को सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 95.86 पर खुला और फिर बढ़त दर्ज करते हुए 95.72 प्रति डॉलर के स्तर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 24 पैसे की तेजी दर्शाता है। इससे पहले शुक्रवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सात पैसे टूटकर 95.96 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.09 प्रतिशत की बढ़त के साथ 100.31 पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा कारोबार में 2.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ 101.69 डॉलर प्रति बैरल पर था। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को शुद्ध आधार पर 599.54 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे।

बांग्लादेश में 17% तक बढ़ गई पेट्रोल-डीजल की कीमत

नई दिल्ली, एजेंसी। कच्चे तेल की कीमत में हाल में आई तेजी के बीच बांग्लादेश ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 17.4% तक की बढ़ोतरी की है। पहले से ही बिजली और गैस की कमी से जूझ रहे ग्राहकों और कारोबारियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। मिडिल ईस्ट में चल रहे टकराव की वजह से शिपिंग की बढ़ती लागत और ग्लोबल मार्केट में तेल की कीमतों में उछाल से हो तेल कंपनियों को नुकसान हो रहा था। उनके नुकसान को कम करने के लिए बांग्लादेश की सरकार ने फ्यूल की कीमतों में इजाफा किया है। रॉयटर्स के एक रिपोर्ट के मुताबिक डीजल की कीमत 115 टका से 17.4% बढ़कर 135 टका प्रति लीटर हो गई है। इसी तरह ऑक्टेन पेट्रोल की कीमत 145 टका से बढ़कर 165 टका प्रति लीटर, पेट्रोल की कीमत 140 टका से बढ़कर 160 टका और केरोसिन की कीमत 135 टका से बढ़कर 155 टका हो गई है। नई दरें आज से लागू हो गई हैं। बांग्लादेश के ऊर्जा मंत्रालय ने कहा कि मार्च 2026 के बाद से इंटरनेशनल मार्केट में फ्यूल की कीमतें दोगुनी से ज्यादा हो गई हैं, जबकि क्षेत्रीय अस्थिरता के कारण माल ढुलाई (फ्रेट) का खर्च भी काफी बढ़ गया है। इस बढ़ोतरी से आयात पर निर्भर अर्थव्यवस्था में ट्रांसपोर्ट और प्रोडक्शन की लागत बढ़ने की उम्मीद है। इससे महंगाई का दबाव और बढ़ेगा, जबकि देश का अहम गारमेंट एक्सपोर्ट सेक्टर समेत कई इंडस्ट्रीज पहले से ही भारी ऊर्जा संकट से जूझ रही हैं।

क्या होगा फायदा

यह बढ़ोतरी अप्रैल और जून में फ्यूल की कीमतों में हुई बढ़ोतरी के बाद की गई है। उस समय भी सरकार ने ग्लोबल मार्केट में तेल की ऊंची कीमतों के कारण आयात की बढ़ती लागत की भरपाई के लिए कीमतें बढ़ाई थीं। मंत्रालय ने बताया कि सरकारी कंपनी बांग्लादेश पेट्रोलियम कॉरपोरेशन को मार्च और अगस्त के बीच 228.76 अरब टका (1.9 अरब डॉलर) का नुकसान हुआ। सरकार का दावा है कि आज की बढ़ोतरी से कंपनी के सालाना नुकसान में लगभग 100 अरब टका की कमी आ सकती है। साथ ही विदेशी मुद्रा भंडार की बचत होगी और पड़ोसी देशों में फ्यूल की तस्करी पर रोक लगेगी। इस बढ़ोतरी के बाद बांग्लादेश में डीजल की कीमत भारतीय रुपये में 105.58 रुपये लीटर हो गई है जबकि पेट्रोल 125.04 रुपये लीटर पहुंच गया है। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 113.51 लीटर है जबकि डीजल 99.82 रुपये लीटर मिल रहा है। इसी तरह त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में पेट्रोल की कीमत 104.96 और डीजल का रेट 93.85 रुपये प्रति लीटर है। एक और पड़ोसी देश म्यांमार में पेट्रोल बांग्लादेश के मुकाबले सस्ता है लेकिन डीजल महंगा है। वहां पेट्रोल करीब 120.65 रुपये लीटर और डीजल 127.35 रुपये लीटर है।

सोना 1,300 लुढ़का, चांदी 1,800 सस्ती

दो दिन की तेजी के बाद क्यों लुढ़की कीमत

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने और चांदी की कीमत में पिछले दो दिन से आ रही तेजी आज थम गई। एमसीएक्स पर शुरुआती कारोबार में सोना 1,300 रुपये से ज्यादा सस्ता हो गया जबकि चांदी की कीमत में करीब 1,800 रुपये की गिरावट आई। कच्चे तेल की कीमत में आज गिरावट आई है लेकिन निवेशक ईरान और अमेरिका के बीच नए तनाव, मिडिल ईस्ट के घटनाक्रम और महंगाई तथा ब्याज दरों पर संभावित असर का आकलन कर रहे हैं। इससे सोने और चांदी की कीमत में गिरावट आई है। 5 अक्तूबर की डिलीवरी वाला सोना पिछले सत्र में 154381 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था और आज यह 153500.00 रुपये पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह

1,331 रुपये की गिरावट के साथ 153050.00 रुपये तक गिरा। इसी तरह दिसंबर डिलीवरी के लिए चांदी वायदा भी 1,795 गिरकर 2,39,808 प्रति किलोग्राम रह गई। इससे पहले, दोनों धातुओं की कीमतों में लगातार दो सत्रों तक बढ़ोतरी हुई थी।दिसंबर डिलीवरी के लिए अमेरिकी सोना वायदा 0.1% गिरकर 4,419.40 पर आ गया। दूसरी कीमती धातुओं में स्पॉट सिल्वर 0.8% बढ़कर 66.76 प्रति औंस हो गई।

फिजिकल मार्केट में कीमत

फिजिकल मार्केट में भी सोने की कीमत में मामूली गिरावट आई है। गुड रिटर्न्स के मुताबिक 24 कैरेट वाला सोना 160 रुपये की गिरावट के साथ 1,55,680 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। 22 कैरेट वाला सोना 150 रुपये नीचे 1,42,700 रुपये पर आ गया जबकि 18 कैरेट वाला सोना 120 रुपये फिसलकर 1,16,760 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। इसी तरह चांदी भी 5,000 रुपये फिसलकर 2,50,000 रुपये पर आ गई। शुक्रवार को एक सप्ताह के उच्चतम स्तर को छूने के बाद स्पॉट गोल्ड की कीमत लगभग स्थिर रही और 4,379.74 प्रति औंस पर रही।

ओएफएस में शेयर बेचने के बाद भी एनएसई के शेयरधारकों ने बड़ी हिस्सेदारी बरकरार रखी

नई दिल्ली, एजेंसी। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया के ज्यादातर मौजूदा शेयरधारकों ने 22,569 करोड़ रुपए के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के तहत बिक्री पेशकश (ओएफएस) में शेयर बेचने के बावजूद अपनी हिस्सेदारी का बड़ा हिस्सा बरकरार रखा है। आंकड़ों के विश्लेषण के अनुसार, ओएफएस में शेयर बेचने वाले शेयरधारकों में मुख्य रूप से संस्थागत निवेशक शामिल थे। इन निवेशकों के पास आईपीओ से पहले एनएसई की कुल 36.82 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। उन्होंने ओएफएस के तहत एनएसई की 5.11 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर शेयर बेचे। ओएफएस में हिस्सा लेने वाले 20 संस्थागत शेयरधारकों में नौ विदेशी संस्थागत निवेशक थे। आईपीओ से पहले इनकी एनएसई में सामूहिक रूप से 15.96 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। बाकी 11 घरेलू संस्थागत निवेशक थे, जिनमें 10 सार्वजनिक क्षेत्र की संस्थाएं और आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस शामिल हैं। इनकी ओएफएस से पहले एनएसई में कुल 20.86 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। कई बड़े संस्थागत शेयरधारकों ने ओएफएस में हिस्सा लेने के बावजूद अपनी हिस्सेदारी में मामूली कमी की है। ओएफएस से पहले 4.54 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाली अरांडा इन्वेस्टमेंट्स, 4.44 प्रतिशत हिस्सेदारी वाली स्टॉक होल्डिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, 4.33 प्रतिशत हिस्सेदारी वाली एसबीआई कैपिटल मार्केट्स और 3.73 प्रतिशत हिस्सेदारी वाली क्राइसकैपिटल ने अपनी हिस्सेदारी औसतन केवल करीब सात प्रतिशत घटाई है।

रॉकेट सा उड़ा जेपी ग्रुप का शेयर, कंपनी करेगी 511 करोड़ रुपये का सेटलमेंट पेमेंट

नईदिल्ली, एजेंसी। जेपी ग्रुप की कंपनी जयप्रकाश पावर वेंचर्स लिमिटेड के शेयरों में सोमवार को बाजार खुलते ही तूफानी तेजी आई है। जयप्रकाश पावर वेंचर्स के शेयर सोमवार को क्स्थ में 13 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 17.43 रुपये पर पहुंच गए हैं। एक बड़े बिजनेस अपडेट के बाद कंपनी के शेयर रॉकेट सा उड़ गए हैं। जयप्रकाश पावर वेंचर्स लिमिटेड ने बताया है कि कंपनी और नेशनल एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड एक मामले/क्लेम को फुल एंड फाइनल पेमेंट के रूप में 511 करोड़ रुपये में सेटल करने के लिए सहमत हुए हैं। जयप्रकाश पावर वेंचर्स लिमिटेड ने बताया है कि सेटलमेंट में 511 करोड़ रुपये का पेमेंट, कुछ दूसरी शर्तों को पूरा करना और डेफिनिटिव एग्रीमेंट होना शामिल है। कंपनी ने कहा है कि जैसे ही सेटलमेंट टर्म्स की सारी कंडीशंस पूरी होती हैं, इनसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्शी कोड कार्यवाही को वापस ले लिया जाएगा। इससे पहले, जयप्रकाश पावर वेंचर्स लिमिटेड ने 27 फरवरी 2026 को कार्यवाही शुरू होने की बात कही थी। जेपी ग्रुप की कंपनी जयप्रकाश पावर वेंचर्स लिमिटेड घाटे से मुनाफे में आ चुकी है। जयप्रकाश पावर वेंचर्स को 30 जून 2026 को खत्म हुई तिमाही में 468.84 करोड़ रुपये का कंसॉलिडेटेड मुनाफा हुआ था। 31 मार्च 2026 को खत्म हुई तिमाही में कंपनी को 13.37 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। वहीं, एक साल पहले की समान अवधि में जयप्रकाश पावर वेंचर्स को 278.13 करोड़ रुपये का प्रॉफिट हुआ। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में ऑपरेशंस से मिलने वाला कंपनी का रेवेन्यू 1806.49 करोड़ रुपये रहा है, जो कि मार्च 2026 तिमाही में 1470.79 करोड़ रुपये था। इस साल मई में अडानी पावर लिमिटेड ने अनाउंस किया था कि उसने अप्रूव्ड रेजॉलूशन प्लान लागू करने के तहत जयप्रकाश एसोसिएट्स के साथ डेफिनिटिव एग्रीमेंट्स किया है। अडानी पावर लिमिटेड, जयप्रकाश पावर वेंचर्स लिमिटेड में 24 पर्सेंट हिस्सेदारी लेगी। इसके अलावा, कंपनी उत्तर प्रदेश के चुर्क में थर्मल पावर प्लांट और उससे जुड़ी एसेट्स को खरीदेगी। एसेट्स में प्रयागराज पावर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड में 11.49 पर्सेंट हिस्सेदारी शामिल है। जयप्रकाश पावर वेंचर्स लिमिटेड प्राथमिक रूप से थर्मल और हाइड्रो पावर जेनरेशन बिजनेस में है। इसके अलावा, कंपनी कोल माइनिंग, सैंड माइनिंग और सीमेंट ग्राइंडिंग के बिजनेस में भी है।

एमपी से 'राख' के लिए कंपनी को मिला 160 करोड़ का ऑर्डर

नईदिल्ली, एजेंसी। रेफेक्स इंडस्ट्रीज ने मध्य प्रदेश के एक सरकारी उपक्रम से 160 करोड़ का बड़ा कॉन्ट्रैक्ट हासिल किया है। इस ऑर्डर के तहत कंपनी को 10 लाख मीट्रिक टन पॉन्ड ऐश और फ्लाई ऐश यानी राख उठानी और ढोनी है। वैसे तो यह काम कंपनी को 18 महीनों में पूरा करना है, शेयर आज से ही गर्दा उड़ा रहा है। बाजार खुलते ही यह 7 प्रतिशत चढ़कर 294.55 रुपये पर पहुंच गया था। रेफेक्स इंडस्ट्रीज को मध्य प्रदेश से 160 करोड़ का मटेरियल हैंडलिंग कॉन्ट्रैक्ट मिलने की खबर से इस स्टॉक पर निवेशक टूट पड़े। आज 10 रुपये से अधिक ऊपर चढ़कर 281.95 रुपये पर खुला और देखते ही देखते 294.55 रुपये पर पहुंच गया। हालांकि, सुबह पौने दस बजे के आसपास यह 4 पर्सेंट ऊपर 283 रुपये पर ट्रेड कर रहा था।

ऑर्डर बुक में उछाल

इस कॉन्ट्रैक्ट से कंपनी का मटेरियल हैंडलिंग ऑर्डर बुक काफी बढ़ गया है। अगस्त 2026 में मिले 33.70 करोड़ के फ्लाई ऐश ऑर्डर के ऊपर यह और बड़ा सौदा है। रेफेक्स ने 19 सितंबर 2026 की अपनी शुरुआती एक्सचेंज फाइलिंग में सुधार किया है। टाइपिंग की गलती से '10 मीट्रिक टन' लिखा गया था, जिसे सही करके '10 लाख मीट्रिक टन' किया गया है। कंपनी की वित्तीय सेहत पहली तिमाही में स्टैंडअलोन नेट प्रॉफिट 73.39 करोड़ रहा, जो पिछले साल 32.97 करोड़ से 122% ज्यादा है। जबकि, स्टैंडअलोन रेवेन्यू 619.25 करोड़ रहा, जो पिछले साल 351.11 करोड़ से 76% ज्यादा है।

160 करोड़ का यह ऑर्डर 18 महीने में पूरा होगा, जिससे मिड-टर्म में रेवेन्यू की विजिबिलिटी बढ़ेगी। कंपनी ने वॉल्यूम की टाइपिंग गलती को तुरंत सुधारकर कॉर्पोरेट ट्रांसपेरेंसी का अच्छा उदाहरण पेश किया है। रेफेक्स इंडस्ट्रीज का ऐश और कोल हैंडलिंग सेक्टर में आक्रामक बोली लगाना और ऑर्डर जीतना दिखाता है कि कंपनी इस सेगमेंट को बड़ा करने की रणनीति पर काम कर रही है। यही सेगमेंट कंपनी का सबसे बड़ा रेवेन्यू ड्राइवर है। रोड-कम-रेल मोड में बड़े वॉल्यूम के प्रोजेक्ट्स करके कंपनी लॉजिस्टिक्स को बेहतर बनाती है और सरकारी थर्मल पावर कंपनियों के साथ अपना ट्रैक रिकॉर्ड मजबूत करती है। 160 करोड़ का नया कॉन्ट्रैक्ट रेफेक्स के मटेरियल हैंडलिंग सेगमेंट को मिड-टर्म में अच्छी विजिबिलिटी देता है। क्यू1 एफवाय27 में स्टैंडअलोन नेट प्रॉफिट 122% बढ़कर 73.39 करोड़ होने से यह कॉन्ट्रैक्ट कंपनी की मजबूत ऑपरेशनल परफॉर्मेंस को साबित करता है और बुलिश रुख को सपोर्ट करता है। भारत में थर्मल पावर जेनरेशन को पुराने पॉन्ड ऐश के बड़े ढेर को साफ करना पड़ रहा है।

मांदर और ढोल की थाप पर थिरकीं महिलाएं

झूमर नृत्य के बिना अधूरा है करमा का उत्सव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दुमका। लोक आस्था का पर्व करमा हरेक वर्ष भादो महीने के शुक्ल पक्ष के एकादशी को मनाने की परंपरा है लेकिन इसकी शुरूआत पांच दिन पूर्व ही नहाय-खाय विधान से हो जाती है। कहीं-कहीं इस पर्व को सात दिनों तक भी मनाए जाने की परंपरा है। दुमका में मंगलवार को करमा पूजा पूरे विधि-विधान व पारंपरिक तरीके से करमा गोसाईं की पूजा-अर्चना की जाएगी। यहां करमा त्योहार भूइयां, घटवाल, घटवार, खेतौरी और पहाड़िया समुदाय के लोग मनाते हैं। करमा झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा, बिहार और पश्चिम बंगाल के आदिवासी और गैर-आदिवासी समुदायों द्वारा मनाया जाने वाला महत्वपूर्ण प्रकृति और भाई-बहन के प्रेम का त्योहार है।

खास बात यह कि इस त्योहार को कुंवारी कन्याएं व नई-नवेली महिलाएं ही मनाती हैं। शादी के बाद जिन स्त्रियों से संतान की उत्पत्ति हो जाती है वह करमा पूजन में शामिल नहीं होती हैं। करमा पूजन करने वाली कुंवारी लड़कियों को करमतीन कहा जाता है।

इस त्योहार में न सिर्फ प्रकृति और कृषि की पूजा होती है बल्कि यह भाई-बहन के प्रेम का भी प्रतीक है। करम वृक्ष की डाल की पूजा कर फसल और प्रकृति की समृद्धि की कामना करने की मान्यता इससे जुड़ी है।

एक लोक मान्यता यह भी रक्षाबंधन की तरह ही करमा में बहनें अपने भाइयों की लंबी उम्र, सुख-समृद्धि और सुरक्षा के लिए 24 घंटे का निर्जला व्रत रखती हैं। यह करमा-धरमा की पौराणिक कहानी से जुड़ी मान्यता है जो कर्म और भाग्य का संदेश देती है। यह त्योहार सामुहिकता का भी प्रतीक है।

करमा पर्व में जावा उगाने की प्रक्रिया को 'जावा जगाना' या 'जावा उठाना' कहा जाता है। यह पूरी तरह से प्रकृति की उर्वरता और आने वाली नई पीढ़ी की खुशहाली से जुड़ा है। जावा में सात या नौ प्रकार के अनाजों को विशेष रूप से शामिल किया जाता है जिसमें धान, घंघरा, गेहूं, मकई, कुर्थी, उड़द, मूंग, जौ और चना शामिल है। इन अनाजों को टोकरी में बालू भरकर उसमें विधि-विधान से अंकुरित कराया जाता है इसके अलावा खीरा व झिंगा का भी इस त्योहार में खास महत्व है। जावा जगाने का काम कुंवारी लड़कियां करती हैं। ये सुबह उठकर जावा को हल्दी पानी से सींचती हैं और इसके चारों ओर गोल घेरा बनाकर पारंपरिक गाना व करम गीत गाती हैं।

बिना धूप के केवल हल्दी पानी के प्रभाव से ये अंकुर सुंदर पीले सुनहरे रंग के रूप में उगते हैं। जावा का अच्छा तरह से उगना आने वाली अच्छी फसल और परिवार की समृद्धि का सूचक माना जाता है। पूजा के अगले दिन इन जावा के पौधों को बहनें अपने भाइयों के कानों में आशीर्वाद के रूप में खोंसती हैं और आपस में बांटती हैं। बाद में इसे नदी या तालाब में विसर्जित कर दिया जाता है जबकि अंकुरित अनाजों को प्रसाद के तौर पर बांटा जाता है।

करमा पूजा में जावा जगाने की विधि और पारंपरिक लोकगीत इस त्योहार की आत्मा है। इनके बिना करमा का उत्सव अधूरा माना जाता है।

करमा के गीत मुख्य रूप से झूमर शैली में गाए जाते हैं। इन गीतों में केवल मनोरंजन ही नहीं बल्कि इनमें भाई-बहन का वियोग, मिलन, प्रकृति की सुंदरता और जीवन के गहरे दर्शन छिपे होते हैं।

गीतों को मुख्य रूप से तीन चरणों में गाया जाता है। करम जगाने के दौरान जब करम वृक्ष की डाल को आदरपूर्वक आंगन या अखरा में लाया जाता है, तब लड़कियां "चलु गे संगी चलु गे सहेली, करम राजा के आने गे..." (मतलब चलो सहेलियों, हम सब मिलकर आदर के साथ करम राजा को लेकर आएं। भाई-बहन के प्रेम और मायके की याद में करमा के समय विवाहित बेटियां अपने मायके आने का बेसब्री से इंतजार करती हैं। अगर भाई उन्हें लेने नहीं पहुंचता, तो वे 'काहे ले भैया तोर अइले रे अइले, दीदी के लेवे ना अइले रे...' अर्थात भाई तुम क्यों नहीं आए, अपनी दीदी को मायके ले जाने क्यों नहीं पहुंचे?..।

भू धंसान के खिलाफ सड़क पर उतरे ग्रामीण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। छाताबाद में लगातार तीन बार हुई भू-धंसान की घटनाओं के बाद लोगों का आक्रोश बढ़ गया है। छाताबाद बचाओ संघर्ष मोर्चा के बैनर तले बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने बीसीसीएल के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में छोटे बच्चों से लेकर युवा तक शामिल हुए। लोगों ने हाथों में बैनर लेकर छाताबाद से थाना चौक तक मार्च निकाला और बीसीसीएल के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि इलाके में लगातार भू-धंसान की घटनाएं हो रही हैं, लेकिन इसके बावजूद लोगों की सुरक्षा को लेकर अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। जमीन धंसने की घटनाओं के कारण स्थानीय लोगों में भय का माहौल है। लोगों का कहना है कि उनके घर और जान-माल पर खतरा बना हुआ है। ऐसे में समय रहते सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाने की जरूरत है। मोर्चा के सदस्यों ने कहा कि लगातार हो रही भू-धंसान की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए प्रभावित क्षेत्र की तत्काल जांच कराई जानी चाहिए। साथ ही लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएं। प्रदर्शनकारियों ने बीसीसीएल से समस्या का स्थायी समाधान निकालने और प्रभावित लोगों को सुरक्षा का भरोसा दिलाने की मांग की। लोगों ने कहा कि बार-बार जमीन धंसने की घटनाओं के बाद अब सिर्फ आश्वासन से काम नहीं चलेगा। प्रशासन और बीसीसीएल को मिलकर इलाके की स्थिति का आकलन कर आवश्यक कार्रवाई करनी चाहिए। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने अपनी मांगों को लेकर आवाज बुलंद की और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की। भू-धंसान की घटनाओं को लेकर बढ़ते आक्रोश के बीच अब लोगों की नजर बीसीसीएल और प्रशासन की अगली कार्रवाई पर है।

गोली मारकर युवक की हत्या

आरा। भोजपुर जिले के उदवंतनगर थाना क्षेत्र के नीमा गांव में सोमवार की शाम हथियारबंद बदमाशों ने एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी और फरार हो गए। मृतक 22 वर्षीय शत्रुघ्न कुमार उदवंतनगर थाना क्षेत्र के नीमा गांव निवासी धनंजय सिंह उर्फ संतोष सिंह के पुत्र थे। वे बीए के छात्र थे। गोली उनके सीने के बीचोंबीच काफी करीब से मारी गई। गंभीर हालत में स्वजन उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू कर दी है। घटना के संबंध में मृतक के दादा कृष्ण सिंह ने बताया कि सोमवार की शाम शत्रुघ्न घर के बाहर नहर स्थित पुल के समीप शत्रुघ्न खड़े थे। इसी दौरान दो युवक वहां पहुंचे। दोनों के बीच कुछ बातचीत हुई। बातचीत के बाद उनमें से एक युवक ने शत्रुघ्न को गोली मार दी। गोली चलने की आवाज सुनकर परिजन घर से बाहर निकले, तब तक दोनों युवक वहां से फरार हो चुके थे।

करमा महोत्सव से लौट रही दस वर्षीया बालिका को वाहन ने रौंदा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चंदवारा। करमा महोत्सव में कुछ देर पहले तक जिस बच्ची के कदम खुशी से थिरक रहे थे, कुछ ही देर बाद उसी बच्ची की जिंदगी सड़क हादसे में थम गई। सोमवार को जामुखांडी के समीप हुए दर्दनाक हादसे में 10 वर्षीय रानी कुमारी की मौके पर ही मौत हो गई। मृतका की पहचान कोडरमा जिले के चंदवारा थानांतर्गत जामुखांडी निवासी राजू सिंह की पुत्री रानी कुमारी के रूप में हुई है।

हादसे के बाद महोत्सव की खुशियां मातम में बदल गई और परिवार के साथ पूरा गांव गम में डूब गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जामुखांडी के समीप घटवार समाज की ओर से करमा महोत्सव का आयोजन किया गया था।

रानी भी नृत्य कार्यक्रम में शामिल हुई थी। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद वह लौट रही थी। इसी दौरान सड़क पार करते समय फ्लाई ऐश लदे वाहन (एनएल-01-एल-4398) की चपेट में आ गई।

घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने शव के साथ सड़क जाम कर दिया और मुआवजे की मांग पर अड़ गए। ग्रामीणों ने करमा महोत्सव स्थल के आसपास यातायात व्यवस्था और पुलिस बल की तैनाती पर सवाल उठाए। उनका कहना था कि कार्यक्रम के दौरान सड़क पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती और यातायात नियंत्रण बेहतर रहता तो हादसा टाला जा सकता था।

ग्रामीणों ने पावर प्लांट में फ्लाई ऐश ढुलाई में लगे वाहनों की रफ्तार पर भी सवाल उठाया। उनका आरोप है कि ओवरलोडेड फ्लाई ऐश लदे वाहन कार्रवाई से बचने के लिए तेज गति से चलते हैं।

इससे पूर्व भी ऐसे वाहनों से दुर्घटनाएं होने की बात ग्रामीणों ने कही। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास करती रही। थाना प्रभारी ने बताया कि करमा महोत्सव को लेकर यातायात व्यवस्था के मद्देनजर विभिन्न स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी।

भालू का शव मिलने से वन विभाग में हड़कंप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा जिला अंतर्गत बड़गड़ प्रखंड अंतर्गत दक्षिणी वन प्रमंडल, गढ़वा के कुटकू प्रक्षेत्र के रुद संरक्षित वन में एक भालू का शव मिलने से वन विभाग में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया। भालू के शरीर पर चोट के निशान पाए जाने से विभाग ने शिकार की आशंका से भी इंकार नहीं किया है।

कुटकू प्रक्षेत्र के वनरक्षी ने बताया कि सोमवार की सुबह करीब छह बजे रुद गांव के ग्रामीणों ने जंगल के भीतर नाले में एक भालू का शव पड़े होने की सूचना वन विभाग को दी। सूचना मिलते ही विभाग ने टीम गठित कर तत्काल घटनास्थल पर भेजा। टीम ने जांच के दौरान नाले में भालू का शव बरामद किया। भालू के अगले बाएं पैर में कटे का निशान पाया गया है।

वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार भालू की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसकी जांच की जा रही है। प्रथम दृष्टया चोट के निशान मिलने के कारण शिकार की संभावना को भी जांच के दायरे में रखा गया है।

विभाग की टीम ने शव को कब्जे में लेकर भंडरिया स्थित वन विभाग कार्यालय परिसर पहुंचाया इसके बाद पीटीआर के पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सुनील कुमार ने भालू का पोस्टमार्टम किया। पोस्टमार्टम के बाद वन विभाग परिसर में ही शव को दफना दिया गया। वन विभाग की टीम में प्रक्षेत्र वनपाल उपेंद्र कुमार, कमलेश कुमार, तुषार कुमार समेत अन्य कर्मी शामिल थे। विभाग द्वारा भालू की मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

"यार तोहपे कुर्बान" का मुंबई में भव्य मुहूर्त

गोरखपुर में होगी फिल्म की शूटिंग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुंबई। भोजपुरी सिनेमा की बहुप्रतीक्षित फिल्म "यार तोहपे कुर्बान" का भव्य मुहूर्त आज मुंबई के एक स्टूडियो में विधि-विधान और पूजा-अर्चना के साथ संपन्न हुआ।

राघव कला एंटरटेनमेंट के बैनर तले बन रही इस फिल्म के मुहूर्त के अवसर पर फिल्म के निर्माता एवं लेखक डॉ. ब्रजेन्द्र नारायण, निर्देशक ब्रज भूषण, लीड अभिनेता आदित्य मोहन, अभिनेत्री मेघा श्री सहित फिल्म की पूरी टीम मौजूद रही।

निर्देशक ब्रज भूषण ने कहा, की आज हमारे लिए बहुत ही शुभ दिन है। 'यार तोहपे कुर्बान' सिर्फ एक फिल्म नहीं, एक इमोशन है जो सच्ची दोस्ती और प्यार को पर्दे पर जिंदा करेगी। मुहूर्त मुंबई में हुआ है, लेकिन इस फिल्म की आत्मा गोरखपुर की मिट्टी में बसती है, इसलिए इसकी शूटिंग हम गोरखपुर में ही करेंगे।

फिल्म के हीरो आदित्य मोहन ने कहा, मैं बहुत एक्साइटेड हूँ इस फिल्म को लेकर। 'यार तोहपे कुर्बान' मेरी अब तक की सबसे इमोशनल और एक्शन से भरपूर फिल्म होने वाली है। जब ब्रज भूषण जी ने मुझे कहानी सुनाई तो मैं तुरंत हाँ कर दिया। ये कहानी दोस्ती पर कुर्बान होने की है, जो हर युवा को कनेक्ट करेगी। गोरखपुर में शूटिंग को लेकर मैं बहुत उत्साहित हूँ, वहाँ के लोगों का प्यार हमेशा मिलता है। मुझे विश्वास है मेघा श्री के साथ हमारी जोड़ी को दर्शक फिर से बहुत प्यार देंगे।

फिल्म के लेखक एवं निर्माता डॉ. ब्रजेन्द्र नारायण ने बताया, इस फिल्म की कहानी हर युवा के दिल को छूएगी। इसमें रोमांस, एक्शन, पारिवारिक ड्रामा और दिल को छू लेने वाला संगीत होगा।

फिल्म में भोजपुरी की हिट जोड़ी आदित्य मोहन और मेघा श्री मुख्य भूमिका में हैं, उनके साथ विशाल त्रिपाठी, तमन्ना, अयाज खान, माया यादव, गिरीश शर्मा, हेमलता सिंह, अशोक महर्षि और इंद्रसेन यादव भी अहम किरदार में नजर आएंगे। गीत डॉ. रंजू सिन्हा, परमेश्वर प्रेमी और निगरा राजपि ने लिखे हैं और संगीत शिशिर पांडेय का है।

फिल्म की शूटिंग का पहला शेड्यूल अगले महीने से गोरखपुर में शुरू होगा।

कॉलेज छात्रा के प्रसारित वीडियो के आधार पर

दो बच्चों के आरोपित पिता को पुलिस ने भेजा जेल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

साहिबगंज। मिर्जाचौकी रेलवे स्टेशन पर साहिबगंज कॉलेज की छात्रा को शादी का प्रस्ताव देने वाले भागलपुर जिले के घोघा थाना क्षेत्र के मिथलेश मंडल को सोमवार को आरपीएफ एवं जीआरपी की संयुक्त टीम ने हिरासत में ले लिया।

पूछताछ के बाद उसे जेल भेज दिया गया। वह दो बच्चों का पिता है और मिर्जाचौकी क्षेत्र में घूम-घूम कर खिलौना आदि बेचता था।

दो दिन पूर्व इंटरनेट मीडिया में एक वीडियो प्रसारित हुआ जिसमें एक छात्रा बता रही थी कि वह मिर्जाचौकी रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के इंतजार में बैठी थी तभी वह आया और समय पूछने के बहाने उससे बात करने लगा। इस दौरान उसे शादी का ऑफर भी दे दिया। कहा कि उसके पास घर, जमीन, दौलत सब कुछ है। कोई चीज की कमी नहीं है। बाथरूम है, किचन है। वीडियो में छात्रा स्पष्ट कह रही है कि वह यहां शादी करने नहीं आयी है। वह कॉलेज जा रही है। इस वीडियो के वायरल होने के बाद रेल प्रशासन हरकत में आया। विगत दो दिन से उसकी खोज पुलिस कर रही थी। सोमवार को वह पुलिस के हत्थे चढ़ गया। आरपीएफ इंस्पेक्टर ने बताया कि दो दिन पूर्व इंटरनेट मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें एक कॉलेज छात्रा ने आरोप लगाया था कि मिर्जाचौकी रेलवे स्टेशन पर एक व्यक्ति ने उसे शादी का झूठा झांसा देकर अपने प्रभाव में लेने का प्रयास किया।

छात्रा ने वीडियो के माध्यम से मामले में कार्रवाई की मांग की थी। वीडियो सामने आने के बाद रेल प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लिया। सोमवार को आरपीएफ-जीआरपी टीम ने स्टेशन परिसर में छापेमारी कर स्टेशन की सीढ़ी के समीप से आरोपित को हिरासत में लिया।

इंस्पेक्टर ने बताया कि हिरासत में लिए गए व्यक्ति को पूछताछ के बाद जेल भेज दिया गया। इस मौके पर जीआरपी थाना प्रभारी सत्यदेव राम, एएसआई पी. दास, हवलदार मनोज सिंह, आरक्षी अमरेंद्र कुमार सिंह, अमित कुमार आदि मौजूद थे।

जमुई कांड पर भड़के तेज प्रताप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार के जमुई जिले से एक वायरल वीडियो में एक लड़के के साथ मारपीट और एक लड़की के साथ छेड़छाड़ की घटना सामने आई है। जिसका वीडियो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद राज्य में सियासी पारा चढ़ गया है। इस घटना पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मंत्री तेजप्रताप यादव ने राज्य सरकार और बिहार पुलिस के कामकाज पर सवाल खड़े किए हैं। इस पर जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजप्रताप यादव ने कहा कि यह देश और खासकर बिहार के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है कि जब एक लड़का और लड़की साथ बाहर निकले, तो स्थानीय लोगों ने माहौल खराब करने का काम किया।

तेजप्रताप यादव ने कहा कि बिहार की स्थिति यह है कि मैं भी घर से बाहर निकलता हूं तो मुझे भी खुद डर लगा रहता है।

उन्होंने आगे कहा कि इसके लिए बिहार सरकार पूरी तरह जिम्मेदार है और मुख्यमंत्री को इसका जवाब देना होगा। अगर वे जवाब नहीं देते हैं, तो हमारी पार्टी बिहार में भूख हड़ताल करेगी और विरोध प्रदर्शन शुरू करेगी। लालू यादव के बड़े बेटे तेजप्रताप यादव ने कहा कि इस सरकार में युवाओं और खासकर महिलाओं और लड़कियों को लगातार परेशान किया जा रहा है।

पुलिस की कार्रवाई के बारे में कहूं तो मुख्य आरोपी को पकड़ने के बजाय, उन्होंने शायद किसी निर्दोष या किसी रैंडम व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है, सिर्फ सरकार को यह दिखाने के लिए कि गिरफ्तारी हो गई है। उन्होंने कहा कि फिर भी, असली दोषी मुख्य अपराधी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। दोषी पक्ष के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए, सरकार से हमारी यही मुख्य मांग है।

सम्मान अभियान के तहत दिख रहा खाकी का भावनात्मक चेहरा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देवघर। खाकी का नाम सुनते ही अक्सर मन में कानून, सख्ती और कार्रवाई की तस्वीर उभरती है। मगर देवघर में पुलिस की एक पहल ने खाकी का दूसरा चेहरा सामने रखा है, वह है संवेदना, अपनापन और भरोसे का। यहां पुलिस सिर्फ अपराधियों पर नजर नहीं रख रही, बल्कि उन बुजुर्गों के दरवाजे पर भी दस्तक दे रही है, जिनके बच्चे नौकरी या पढ़ाई के कारण उनसे दूर रहते हैं।

कोई अकेला है, तो कोई जीवनसाथी के साथ उम्र की ढलान पार कर रहा है। ऐसे बुजुर्गों के लिए देवघर पुलिस सम्मान अभियान के तहत बेटे का फर्ज निभाने की कोशिश कर रही है।

अभियान से जुड़ने वाले बुजुर्गों का पंजीयन किया जाता है। इसके बाद संबंधित पुलिस अधिकारी उनके घर जाकर मुलाकात करते हैं, उनकी समस्याएं, परिवार का विवरण और घर में काम करने वाले लोगों की जानकारी लेते हैं। फिर पुलिस अधिकारी और बुजुर्ग के बीच ऐसा संपर्क कायम होता है, जिसमें जरूरत पड़ने पर एक फोन मदद का भरोसा बन जाता है।

वर्तमान में करीब 30 बुजुर्ग इस पहल से जुड़े हैं। पुलिस अधिकारी फोन पर हालचाल लेते हैं, समय-समय पर घर पहुंचते हैं और पर्व-त्योहार पर आशीर्वाद भी लेते हैं। बदले में बुजुर्ग भी इन पुलिसकर्मियों में अपने बच्चों की छवि देखने लगे हैं।

सेवानिवृत्त आइजी केडी सिंह रानी कोठी, विलियम्स टाउन में अकेले रहते हैं। पत्नी का निधन 2019 में हो चुका है। उनके दो बेटे हैं, जिनमें एक दिल्ली और दूसरा एनसीआर में रहता है।

वह कहते हैं कि पुलिस समाज का प्राण है और पुलिसकर्मी उनके बच्चों के समान हैं। एएसआइ राजू रजवार अब उनके परिवार के सदस्य की तरह हैं। उम्र के इस पड़ाव पर अकेले रहने से पैदा होने वाली असुरक्षा की भावना काफी कम हुई है।

इसी तरह डॉ. टीपी सिंह पत्नी के साथ रहते हैं। उनकी तीन बेटियां हैं, जिनमें दो विदेश और एक बेंगलुरु में रहती हैं। अभियान से जुड़ने के बाद उन्हें अकेलापन कम महसूस होता है।

ओत गुरु कोल लाको बोदरा की मूर्ति स्थापित करने का निर्णय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चाईबासा। 'हो' भाषा और 'वारंग क्षिति' लिपि के जनक, महान भाषाविद एवं समाज सुधारक ओत गुरु कोल लाको बोदरा की स्मृति को चाईबासा शहर में अब एक स्थायी और ऐतिहासिक पहचान मिलने जा रही है।

उनकी 107वीं जयंती के पावन अवसर पर चाईबासा नगर परिषद की पांचवीं बोर्ड बैठक में शहर के आरके जैन पेट्रोल पंप के कॉर्नर पर उनकी प्रतिमा स्थापित करने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। नगर परिषद अध्यक्ष नितिन प्रकाश की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में कार्यपालक पदाधिकारी संतोषिनी मुर्मू, उपाध्यक्ष विकास कुमार शर्मा, सभी वार्ड पार्षद, नगर परिषद कर्मी तथा विद्युत एवं स्वच्छता विभाग के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

हरिगुटु स्थित आदिवासी हो समाज कला एवं संस्कृति भवन सहित विभिन्न स्थानों पर 107वीं जयंती मनाए जाने के साथ ही इस फैसले की खबर से हो भाषा, साहित्य और संस्कृति से जुड़े लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई।

प्रतिमा स्थापना के प्रस्ताव को सर्वसम्मति से मंजूरी मिलने पर आदिवासी हो समाज युवा महासभा की ओर से नगर परिषद अध्यक्ष, कार्यपालक पदाधिकारी और सभी बोर्ड सदस्यों के प्रति गहरा आभार व्यक्त किया गया।

युवा महासभा के पदाधिकारियों ने एक विशेष बैठक आयोजित कर ओत गुरु को श्रद्धांजलि अर्पित की और इस फैसले को उनकी महान विरासत को सम्मान देने वाला ऐतिहासिक कदम बताया।

युवा महासभा के केंद्रीय अध्यक्ष ईपील सामड ने कहा कि ओत गुरु कोल लाको बोदरा ने हो समाज को भाषा, संस्कृति, शिक्षा और 'वारंग क्षिति' लिपि देकर एक विशिष्ट सामाजिक पहचान प्रदान की। उनकी लिपि आज समाज की अमूल्य धरोहर है।

बिरसा मुंडा शिशु निकेतन के खिलाड़ियों ने जीते 9 पदक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

राजगंज। 13वीं राज्य स्तरीय रोड साइक्लिंग प्रतियोगिता में सालडाहा स्थित बिरसा मुंडा शिशु निकेतन के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर 9 पदक जीतकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि पर सोमवार को विद्यालय के सभागार में भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

समारोह में मुख्य अतिथि झारखंड मुक्ति मोर्चा के वरीय नेता सह झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन बीसीसीएल के जोनल उपाध्यक्ष रतिलाल टुडू, बागदाहा पंचायत के मुखिया बाबूलाल महतो, विद्यालय सचिव मनसा राम मुर्मू, निदेशक सह प्राचार्य धनंजय प्रसाद महतो, सहायक निदेशक अनूप रवानी और उपप्राचार्य बरुण कुमार महतो ने विजेता खिलाड़ियों को मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। गौरतलब है कि इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में विद्यालय के 35 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया था, जिसमें से 9 खिलाड़ियों ने पदक जीते। विद्यालय ने कुल 1 स्वर्ण, 4 रजत और 4 कांस्य पदक हासिल किए। स्वर्ण पदक पीयूष कुमार महतो रजत पदक समीक्षा कुमारी, अमित कुमार महतो, चेतन कुमार महतो, रोहित रवानी कांस्य पदक ओम कुमार महतो, अरविंद कुमार महतो, दिवाकर कुमार महतो, प्रियांशु कुमार महतो, मुख्य अतिथि रतिलाल टुडू ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं ने राज्य स्तर पर अपनी प्रतिभा साबित की है। लगन और मेहनत से कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है। प्राचार्य धनंजय प्रसाद महतो ने कहा कि हमारे छात्र पढ़ाई के साथ-साथ खेल में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं, यह पूरे विद्यालय परिवार के लिए गर्व का क्षण है।

चतरा के युवक की दिल्ली में मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

प्रतापपुर। प्रखंड क्षेत्र के हुमाजांग गांव स्थित बसबुटा टोला निवासी युवक दिनेश यादव की दिल्ली में काम करने के दौरान दर्दनाक मौत हो गई। रविवार की रात काम के दौरान ग्राइंडर मशीन का ब्लेड अचानक टूट गया और तेज रफ्तार से निकला ब्लेड उनके सीने में जा धंसा। गंभीर रूप से घायल दिनेश की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही स्वजनों में कोहराम मच गया। बताया गया कि दिनेश यादव रोजी-रोटी की तलाश में दिल्ली में रहकर काम करते थे। रविवार रात वह काम पर थे। इसी दौरान ग्राइंडर मशीन से काम करते समय अचानक उसका ब्लेड टूट गया। ब्लेड की गति इतनी तेज थी कि वह सीधे उनके सीने में जा धंसा। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। दिनेश की मौत की सूचना जैसे ही उनके पैतृक गांव हुमाजांग के बसबुटा टोला में पहुंची, पूरे गांव में मातम पसर गया। स्वजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बदमाशों ने इंजीनियर को झांसा देकर लूटा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सरैया। 'चाचा' कहकर पहले भरोसा जीता और लिफ्ट देकर बाइक पर बैठाने के बाद इंजीनियर को बदमाशों ने लूट लिया। रास्ते में मौका मिलते ही बैग बदल लिया। ईंट-पत्थर से भरा दूसरा बैग थमा पुलिस चेकिंग का झांसा देकर बाइक से नीचे उतार और बदमाश फरार हो गए। घटना सरैया थाना क्षेत्र में एसएच-86 सरैया-मोतीपुर पथ पर चकिया टोला महमदपुर बाया में निर्माणाधीन रेलवे लाइन के पास सोवार सुबह की है। बैग में हजारों रुपये नकद और कीमती सामान मौजूद थे।

बताया जा रहा है कि जैतपुर थाना क्षेत्र के रेपुरा रामपुर बल्ली निवासी राजकिशोर सिंह कोलकाता में स्टेट ट्रांसपोर्ट में इंजीनियर के पद पर कार्यरत हैं। वह कोलकाता से अपने घर लौट रहे थे।

मिथिला एक्सप्रेस ट्रेन से मुजफ्फरपुर जंक्शन पर उतरने के बाद वह बस से सरैया पहुंचे। सरैया में वह जैतपुर चौक जाने के लिए किसी गाड़ी के इंतजार में खड़े थे। इसी दौरान एक बाइक पर सवार दो युवक वहां पहुंचे। घर तक सुरक्षित पहुंचाने का झांसा देकर विश्वास में ले लिया।

इंजीनियर उनके झांसे में आ गए और बाइक पर बैठ गए। रास्ते में बदमाशों ने उन्हें यह कहकर बाइक से उतार दिया कि 'आगे पुलिस की चेकिंग चल रही है, आप दूसरी गाड़ी से चले जाइए।'

इसी अफरा-तफरी के बीच बदमाशों ने बड़ी चालाकी से उनका बैग बदल दिया और वहां से बाइक घुमाकर वापस सरैया की तरफ फरार हो गए। बदमाशों के जाने के बाद जब उन्होंने अपना बैग खोला तो कपड़ों में लपेटकर ईंट और पत्थर रखे हुए थे। पीड़ित ने बताया कि उनके बैग में 24 हजार रुपये नकद, नए कपड़े, घर के लिए खरीदी गई मिठाई और कुछ जरूरी सरकारी कागजात रखे हुए थे। सूचना मिलते ही सरैया थाने की गश्ती टीम तुरंत मौके पर पहुंची।

संक्षिप्त समाचार

टेबल टेनिस में भारत ने पाकिस्तान को 3-0 से धोया

सुतीर्था-सिंड्रेला और श्रीजा की तिकड़ी ने किया कमाल

नागोया । एशियन गेम्स 2026 के तीसरे दिन की शुरुआत भारतीय टेबल टेनिस टीम ने धमाकेदार जीत के साथ की है। सुतीर्था मुखर्जी, सिंड्रेला दास और श्रीजा अकुला की तिकड़ी ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए एकतरफा मुकाबले में पाकिस्तान को 3–0 से रौंदा। सुतीर्था मुखर्जी ने भारतीय टीम को शानदार शुरुआत दिलाई। इस दौरान पाकिस्तान की खिलाड़ी अलीना सुतीर्था के सामने पूरी तरह से बैकफुट पर नजर आईं। सुतीर्था पूरे मैच में हावी

रहीं और उन्होंने पाकिस्तानी खिलाड़ी को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। सुतीर्था ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए पहले गेम को 11–3 से अपने नाम किया। इसके बाद दूसरे गेम में भी सुतीर्था का दबदबा देखने को मिला और उन्होंने यह गेम 11–3 से जीता। तीसरे गेम को 11–4 से जीतने के साथ ही सुतीर्था ने मैच को अपने नाम करते भारत को 1–0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद दूसरे मुकाबले में सिंड्रेला दास ने दमदार प्रदर्शन किया। भारतीय युवा खिलाड़ी सिंड्रेला ने पाकिस्तान की कुलसूम खान के खिलाफ आक्रामक खेल दिखाया और उन्हें आसानी से 11–6, 11–7, 11–5 से शिकस्त देते हुए भारत को मुकाबले में 2–0 की बढ़त दिलाई।

ओडिशा टी20 लीग

गौरव चौधरी ने खेली धमाकेदार पारी

संबलपुर वॉरियर्स ने कटक पैंथर्स को 9 रनों से हराया

कटक । संबलपुर वॉरियर्स ने ओडिशा टी20 लीग की शुरुआत जीत के साथ की है। टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बाराबती स्टेडियम में कटक पैंथर्स को 9 रनों से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए वॉरियर्स ने 20 ओवरों में 8 विकेट खोकर 193 रन स्कोरबोर्ड पर लगाए। टीम के कप्तान गौरव चौधरी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 46 गेंदों में 88 रनों की दमदार पारी खेली। उन्होंने अपनी इस पारी में 9

चौके और 6 छक्के लगाए। गौरव चौधरी को शांतनु मिश्रा का अच्छा साथ मिला, और दोनों ने मिलकर 135 रनों की शानदार ओपनिंग पार्टनरशिप की। आउट होने से पहले शांतनु ने 40 गेंदों में 60 रन बनाए, जबकि गौरव तेजी से स्कोरबोर्ड को आगे बढ़ाते रहे। हालांकि, कप्तान के पवेलियन लौटने के बाद वॉरियर्स की पारी बुरी तरह से लड़खड़ा गई और टीम ने लगातार अंतराल पर विकेट गंवाए। हालांकि, इसके बावजूद टीम 193 रनों के टोटल तक पहुंचने में सफल रही। अभिषेक सिंह कटक पैंथर्स की ओर से सबसे सफल गेंदबाज रहे और उन्होंने 4 ओवर में 32 रन देकर 3 विकेट चटकाए।

एशियन गेम्स 2026 में भारतीय शूटर्स का दमदार प्रदर्शन जारी

हिमांशु ने सिल्वर और रुद्राक्ष ने जीता ब्रॉन्ज मेडल

नागोया । एशियन गेम्स 2026 में सोमवार को पुरुषों के 10 मीटर एयर राइफल इवेंट में भारत ने दो पदक हासिल किए। एक कड़े मुकाबले के बाद हिमांशु ढिल्लों ने सिल्वर मेडल और रुद्राक्ष पाटिल ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। हिमांशु ने कुल 252.4 प्वाइंट्स अर्जित किए और वह दूसरे स्थान पर रहे, जबकि रुद्राक्ष 230.9 प्वाइंट्स के साथ तीसरे स्थान पर रहे। चीन के मौजूदा ओलंपिक चैंपियन शेंग लिहाओ ने 254.2 के गेम्स रिकॉर्ड स्कोर के साथ गोल्ड मेडल जीता और सफलतापूर्वक अपने खिताब का बचाव किया। आठ खिलाड़ियों के फाइनल में भारतीय जोड़ी शुरू से ही मेडल की दौड़ में बनी हुई थी, जिसमें रुद्राक्ष ने बहुत अच्छी शुरुआत की। शुरुआती 10 शॉट्स के बाद वह 106.0 प्वाइंट्स के साथ सबसे आगे थे, उनके बाद शेंग 104.9 प्वाइंट्स और हिमांशु 104.8 प्वाइंट्स के साथ थे। एलिमिनेशन राउंड शुरू होने पर भी भारतीय खिलाड़ी टॉप दो स्थानों पर काबिज रहे। रुद्राक्ष आगे बने रहे, जबकि हिमांशु ने लगातार अच्छे स्कोर किए, जिसमें लगातार 10.9 प्वाइंट्स के स्कोर भी शामिल थे, जिससे वह दूसरे स्थान पर आ गए। शेंग ने जैसे-जैसे अंतर कम किया, बढ़त बार-बार बदलती रही। दूसरे एलिमिनेशन के बाद भी रुद्राक्ष टॉप पर थे और हिमांशु तीसरे स्थान पर थे, लेकिन आखिरकार चीनी शूटर पहले स्थान पर आने में सफल रहा।

जब मुकाबले में सिर्फ चार शूटर बचे थे, तब मंगोलिया के बयारा न्यंतई के बाहर होने के साथ ही भारत का डबल पोडियम स्थान पक्का हो गया। उस समय चीन के शेंग 211.6 अंकों के साथ पहले स्थान पर थे, जबकि भारत के रुद्राक्ष 210.6 और हिमांशु 210.0 अंकों के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर चल रहे थे। इससे भारत के दो पदक सुनिश्चित हो गए।

इसके बाद सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल के लिए मुकाबला शेंग के पीछे पूरी तरह से भारतीयों के बीच सिमट गया। हिमांशु ने रुद्राक्ष से बढ़त बना ली, जब उन्होंने 10.8 प्वाइंट्स का स्कोर किया और रुद्राक्ष ने 9.7 प्वाइंट्स का स्कोर किया, जिससे रुद्राक्ष तीसरे स्थान पर खिसक गए। रुद्राक्ष ने एलिमिनेशन शॉट पर 10.6 प्वाइंट्स के साथ वापसी की कोशिश की, लेकिन हिमांशु ने 10.4 प्वाइंट्स के साथ अपनी स्थिति बनाए रखी। शेंग ने आखिरी शॉट में 10.6 का स्कोर करके गोल्ड मेडल पक्का किया और 254.2 के गेम्स रिकॉर्ड के साथ मुकाबला खत्म किया। हिमांशु, जिन्होंने अपने दूसरे आखिरी शॉट से शेंग की बढ़त को 1.8 प्वाइंट तक कम कर दिया था, 252.4 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहे। रुद्राक्ष ने कुल 230.9 का स्कोर करके ब्रॉन्ज मेडल जीता।

हिमांशु ढिल्लों ने भी जताई खुशी

भारतीय निशानेबाज हिमांशु ढिल्लों ने एशियन गेम्स 2026 में दो सिल्वर मेडल जीतने को अपने लिए गर्व का पल बताया। हिमांशु ने पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल टीम और व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत पदक जीता। हिमांशु ने कहा कि देश के लिए कुछ हासिल करने पर भावुक होना स्वाभाविक है। उन्होंने बताया कि यह सीनियर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनका पहला व्यक्तिगत पदक है और दो मेडल जीतना उनके लिए बेहद खास है। उन्होंने कहा कि सफलता का आनंद लेने के साथ आगे की प्रतियोगिताओं पर ध्यान बनाए रखना जरूरी है।

पहला एशियन गेम्स मेडल पाकर खुश हैं पार्थ

टीम सिल्वर जीतने के बाद पार्थ माने ने इसे अपने लिए बेहद खास बताया। उन्होंने आईएएनएस से बातचीत में कहा, 'यह मेडल मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण और खास है, क्योंकि सीनियर टीम के साथ और यह एशियन गेम्स का भी मेरा पहला मेडल

भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम ने कटाया क्वार्टर फाइनल का टिकट

बांग्लादेश को 3-0 से दी शिकस्त

नागोया । एशियन गेम्स 2026 का आगाज भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम ने धमाकेदार जीत के साथ किया है। एकतरफा मुकाबले में लक्ष्य सेन, आयुष शेट्टी और किदांबी श्रीकांत ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बांग्लादेश को 3-0 से शिकस्त दी। भारत को मुकाबले में बेहतरीन शुरुआत लक्ष्य सेन ने दिलाई। बांग्लादेश के खिलाड़ी अयमान इब्न जमन के खिलाफ खेलते हुए लक्ष्य ने दमदार खेल दिखाया। पहले गेम में लक्ष्य का पूरी तरह से दबदबा देखने को मिला और उन्होंने एक के बाद एक दमदार शॉट्स लगाते हुए गेम को 21-4 के

बड़े अंतर से जीता। लक्ष्य अपनी इसी लय को दूसरे गेम में भी बरकरार रखने में सफल रहे। उन्होंने दूसरे गेम को 21-12 से अपने नाम करते हुए मुकाबले में भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। लक्ष्य के जबरदस्त स्मैश का जमान के पास कोई जवाब नजर नहीं आया। वहीं, बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करके सुर्खियों में आने वाले आयुष शेट्टी ने दूसरे मैच में कमाल का खेल दिखाया। बांग्लादेश के खिलाड़ी गौरव सिंघा पर आयुष पूरी तरह से हावी नजर आए और उन्होंने वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। आयुष ने पहले गेम को 21-4 से जीता। इसके बाद दूसरे गेम में भी वह अपने इस दबदबे को कायम रखने में कामयाब रहे और उन्होंने 21-13 से गेम जीतकर भारत की बढ़त को 2-0 कर डाला।

तीसरे मैच में किदांबी श्रीकांत का प्रदर्शन भी बेमिसाल रहा। उन्होंने बांग्लादेश के खिलाड़ी जुमार अल-अमीन को शिकस्त देते हुए भारत की दूसरी जीत पक्की की। हालांकि, श्रीकांत को पहले गेम में जीत के लिए थोड़ी मशक्कत करनी पड़ी लेकिन वह गेम को 21-15 से अपने नाम करने में सफल रहे। दूसरे गेम में श्रीकांत ने जुमार को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया और 21-10 से गेम को जीतकर बांग्लादेश की हार पर मुहर लगा दी। इस जीत के साथ ही भारतीय पुरुष टीम ने क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। क्वार्टर फाइनल मुकाबले में भारत की भिड़ंत अब मंगलवार को जापान से होगी।

सुचिका तरियाल के साथ हुई बेईमानी?

बराबरी का रहा मुकाबला, फिर क्यों फाइनल की रेस से हुईं बाहर?

आइची नागोया । एशियन गेम्स 2026 में भारत की सुचिका तरियाल ने पारंपरिक मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स यानी कुराश में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। वह सेमीफाइनल में हार गईं और उनका फाइनल में पहुंचने का सपना बेहद नाटकीय अंदाज में टूट गया। सिंगापुर की तेओ हुई हून के खिलाफ महिलाओं की 60 किग्रा सेमीफाइनल बाउट में सुचिका मुकाबला हारकर बाहर नहीं हुईं। आधिकारिक विरोध और समीक्षा के बाद मुकाबले को ड्रॉ घोषित किया गया, लेकिन इसके बाद वजन के नियम ने फाइनलिस्ट तय किया। मुकाबले के बाद भारतीय पक्ष ने आधिकारिक विरोध दर्ज कराया। इस मामले में आधिकारिक विरोध दर्ज कराया गया, जिसके लिए 1,000 डॉलर की फीस जमा की गई। यह फीस महासंघ और निखिल कुंदर ने दी। इसके बाद मुकाबले के फैसले की दोबारा समीक्षा की गई।

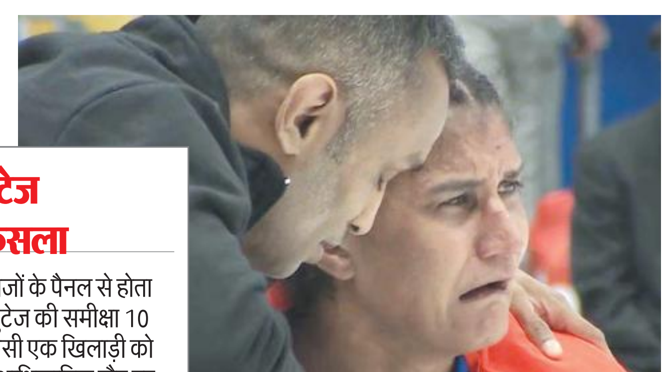

10 जजों ने फुटेज देखकर दिया फैसला

आमतौर पर मुकाबले का फैसला तीन जजों के पैनल से होता है, लेकिन इस मामले में उपलब्ध सभी फुटेज की समीक्षा 10 जजों के पैनल ने की। समीक्षा के बाद किसी एक खिलाड़ी को विजेता नहीं चुना गया और मुकाबले को आधिकारिक तौर पर ड्रॉ घोषित किया गया।

700 ग्राम ने बदल दिया पूरा नतीजा

सुचिका अपनी सिंगापुर की प्रतिद्वंद्वी तेओ हुई हून से 700 ग्राम अधिक वजन की थीं। ड्रॉ होने के बाद वजन के नियम के तहत फैसला सिंगापुर की खिलाड़ी के पक्ष में चला गया और सुचिका फाइनल की दौड़ से बाहर हो गईं। इस तरह मैट पर मुकाबला बराबरी का रहने के बावजूद सुचिका को फाइनल में जगह नहीं मिल सकी। उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

आखिरी राउंड के बाद सुचिका की आंखों में आंसू

तीसरे राउंड में तेओ ने कई किक्स लगाईं। सुचिका कुछ हद तक रक्षात्मक रहीं और निर्णायक वार के मौके का इंतजार करती रहीं। मुकाबले के आखिरी पलों में सुचिका ने कुछ कॉम्बिनेशन पंच लगाए। तेओ ने भी किक्स से जवाब दिया। अंतिम बजर बजने के बाद सुचिका ने अपनी प्रतिद्वंद्वी पर छलांग लगाकर उसे जमीन पर गिरा दिया। रेफरी को दोनों खिलाड़ियों को अलग करना पड़ा। मुकाबला खत्म होने के बाद सुचिका फैसले से खुश नहीं थीं।

नियम क्या कहते हैं?

- एशियन MMA के नियमों के मुताबिक, ओवरटाइम में मुकाबला ड्रॉ होने की स्थिति में पहले यह देखा जाता है कि दोनों में से किसी खिलाड़ी को मुकाबले के दौरान चेतावनी मिली थी या नहीं।
- अगर दोनों खिलाड़ियों को बराबर संख्या में चेतावनियां मिली हैं, तो उन्हें दी गई सलाह/निर्देश को ध्यान में रखा जाता है।
- अगर दोनों खिलाड़ियों को दी गई सलाह भी समान है, तो मुकाबले से पहले उनका वजन देखा जाता है।
- अगर मुकाबले से पहले दोनों खिलाड़ियों का वजन भी समान हो, तो मुकाबले के बाद का वजन देखा जाता है।
- अगर मुकाबले के बाद का वजन भी समान रहता है, तो तीन सहायक रेफरी झंडे उठाकर विजेता का फैसला करते हैं।
- सुचिका के मामले में 700 ग्राम का वजन निर्णायक साबित हुआ। वजन के आधार पर तेओ ने मुकाबला जीत लिया और सुचिका फाइनल में पहुंचने से चूक गईं।
- आधिकारिक तौर पर इस नतीजे को 'ब्रेक टाई बाई वेट' यानी वजन के आधार पर बराबरी तोड़कर जीत के रूप में दर्ज किया गया।
- 36 वर्षीय सुचिका ने इसके बावजूद कांस्य पदक जीतकर भारतीय MMA में अपनी खास पहचान बनाई। उनकी संघर्ष और वापसी की कहानी युवा भारतीय MMA खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बन सकती है।

कबड्डी में जापान की हालत की खराब

मुंबई कबड्डी में जापान को 49-23 से हराया

आइची नागोया । भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने भी एशियन गेम्स में जीत के साथ शुरुआत की। सुनील कुमार की कप्तानी में भारत ने मेजबान जापान को 49-23 से हराया। पूरे मुकाबले में भारतीय रेडर्स और डिफेंडर्स ने शानदार प्रदर्शन किया। भारत के रेडर्स ने शुरुआत से ही जापान के डिफेंस पर दबाव बनाए रखा। आशू मलिक ने एक ही रेड में जापान के तीन खिलाड़ियों को आउट कर सुपर रेड लगाई। उन्होंने लगातार भारत के लिए अंक जुटाए। वहीं, भारतीय डिफेंस ने जापान को पहले हाफ में दो बार ऑलआउट किया। भारत ने पहले हाफ का अंत 31-9 की बड़ी बढ़त के साथ किया।

दूसरे हाफ में भी भारत का दबदबा- दूसरे हाफ में जापान ने वापसी की कोशिश की और तेजी से अंक जुटाए। भारत ने पवन सहरावत, अर्जुन देशवाल और असलम इनामदार की तिकड़ी को मैदान पर उतारा। अर्जुन ने आते ही अंक हासिल किया और इसके बाद भारत एक बार फिर जापान को ऑलआउट करने में सफल रहा। अंतिम चरण में जापान के डिफेंस ने भारतीय रेडर्स की कुछ रेड को रोकने में सफलता हासिल की, लेकिन तब तक भारत बड़ी बढ़त बना चुका था।

अब दक्षिण कोरिया से भिड़ेगा भारत

जापान को हराने के बाद भारतीय पुरुष कबड्डी टीम का अगला मुकाबला मंगलवार को दक्षिण कोरिया से होगा। टीम की कोशिश टूर्नामेंट में अपनी शानदार शुरुआत को आगे भी जारी रखने की होगी।

वार्म-अप में हुआ दर्दनाक हादसा

पिच रोलर की चपेट में आए इंग्लैंड के पूर्व फुटबॉलर

खौफनाक वीडियो कैमरे में कैद

आइची नागोया । इंग्लैंड के पूर्व अंतरराष्ट्रीय फुटबॉलर एंड्रोस टाउनसेंड थाई लीग-1 के एक मुकाबले से पहले बेहद अजीब हादसे का शिकार हो गए। पीटी प्रचुआप के लिए खेलने वाले टाउनसेंड वार्म-अप के दौरान पिच रोलर की चपेट में आ गए। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। टाउनसेंड शनिवार रात पट्टानी के खिलाफ मुकाबले की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान वह एक एरियल बैकहील करने की कोशिश में उछले और नीचे उतरते समय पिच रोलर के रास्ते में आ गए। बताया गया कि उसी समय वाहन का ड्राइवर दूसरी ओर देखने लगा था।

पैरों और कूल्हे के ऊपर से गुजरा रोलर- वीडियो में टाउनसेंड के पिच पर

गिरने के बाद पिच रोलर को उनके ऊपर से गुजरते देखा जा सकता है। वाहन उनके पैरों और कूल्हे के ऊपर से गुजरता हुआ आगे बढ़ गया। घटना के दौरान चीखें सुनाई दीं, जबकि आसपास मौजूद खिलाड़ी हैरान होकर सिर पर हाथ रखते नजर आए।

हालांकि, इस अजीब हादसे के बावजूद टाउनसेंड को गंभीर चोट नहीं आई। इससे भी ज्यादा हैरानी की बात यह रही कि वह बाद में अपनी टीम के लिए मैच में उतरने में भी सफल रहे।

टाउनसेंड ने खुद उड़ाया हादसे का मजाक- 35 वर्षीय टाउनसेंड ने घटना का वीडियो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर दोबारा शेयर किया और इसके साथ लिखा, 'इसे ऐसा दिखाओ जैसे यह एक हादसा था।' उन्होंने इसके साथ हंसने वाली इमोजी भी लगाई। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर भी इस घटना को लेकर मजाक किया। टाउनसेंड ने पीटी प्रचुआप की 3-0 की जीत में इंजरी टाइम में बतौर स्थानापन्न मैदान पर कदम रखा।

इंग्लैंड के लिए 13 मैच खेल चुके हैं- टाउनसेंड इंग्लैंड के लिए 13 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं।

सविता पूनिया बनीं सर्वाधिक मैच खेलने वाली महिला खिलाड़ी

हॉकी इंडिया ने की 10 लाख रुपए देने की घोषणा

काकामिगाहारा । सविता पूनिया भारतीय महिला हॉकी के इतिहास में सबसे ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेलने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। हॉकी इंडिया ने सोमवार को भारतीय महिला हॉकी टीम की अनुभवी गोलकीपर सविता की सराहना की। इस खास उपलब्धि पर हॉकी इंडिया ने कहा कि यह सविता के करीब दो दशकों के अनुशासन, मेहनत और बेहतरीन नेतृत्व का नतीजा है। उनके शानदार योगदान को सम्मान देने के लिए हॉकी इंडिया ने उन्हें 10 लाख का नकद इनाम देने की घोषणा भी की। सविता ने भारत की पूर्व स्ट्राइकर वंदना कटारिया के 320 सीनियर इंटरनेशनल मैच खेलने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने जापान में चल रहे एशियन गेम्स में इंडोनेशिया के खिलाफ भारत के पूल बी मैच के दौरान यह मुकाम हासिल किया और अपने शानदार करियर में एक और उपलब्धि जोड़ी।

अनिश्चितकालीन धरना के 8वें दिन सहरसा विधायक ने किया समर्थन

अपराधियों को संरक्षण देने वाले चंद्रमडी थाना प्रभारी को बचाने की कोशिश ना करे पुलिस अधीक्षक : आईपी गुप्ता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता जमुई। जमुई कचहरी चौक पर चंद्रमंडी थाना क्षेत्र में बढ़ते अपराध और अपराधियो को संरक्षण देने वाले थाना प्रभारी के निलंबन की मांग को लेकर भाकपा माले, आदिवासी संघर्ष मोर्चा के नेतृत्व में आठवें दिन भी अनिश्चितकालीन धरना जारी रहा धरना की के नेतृत्व कर रहे भाकपा माले के राज्य कमिटि सदस्य बाबू साहब सिंह ने धरने की अध्यक्षता करते हुऐ कहा कि चंद्रमडी सहित जिले भर हो रहे अपराध पर रोक लगाने अपराधियों को संरक्षण देने वाले पुलिस पर करवाई के सवाल को लेकर सैकड़ो की संख्या में लोग दिनरात धरना दे रहे है लेकिन गूँगी बहरी जिला पुलिस अधीक्षक अभी तक उनके जुबान से एक शब्द नही निकला की हम बढ़ते अपराध पर रोक लगाएंगे और संरक्षण दे रहे पुलिस पर करवाई करेंगे वही आज के मुख्य वक्ताह्यइंडियन इंक्लूसिव पार्टीह्न के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह सहरसा विधायक आईपी गुप्ता ने समर्थन देते हुए कहा कि भाकपा माले और आदिवासी संघर्ष मोर्चे संयुक्त नेतृत्व में चंद्रमंडीह थाना क्षेत्र में लगातार बढ़ रही आपराधिक घटनाओं पर रोक लगाने तथा अपराधियों को संरक्षण देने वाले चंद्रमंडीह थाना प्रभारी गजेंद्र कुमार के तत्काल निलंबन की मांग को हमारी पार्टी पूर्ण रूपेण समर्थन करती है तो पुलिस अधीक्षक को स्पष्ट शब्दों में चेताया कि अपराधियों को संरक्षण देने वाले चंद्रमंडी थाना प्रभारी को बचाने की कोई भी कोशिश प्रशासनिक स्तर पर न की जाए। जनता अबला या मौन नहीं रहने वाली है। बढ़ते अपराध और अपराधियों को शह देने वाली पुलिस की संदिग्ध कार्यशैली की निष्पक्ष और उच्च-स्तरीय जांच कराई जानी चाहिए। यह आंदोलनकारियों और स्थानीय जनता की पुरजोर मांग पर विधायक आईपी गुप्ता ने आश्वासन दिया कि वे इस गंभीर मामले और पुलिस की जनविरोधी कार्यशैली की गूंज को आगामी विधानसभा के सदन में मजबूती से उठाएंगे और मुख्यमंत्री जी को इस बात से अवगत कराएंगे।धरना स्थल पर वासुदेव राय कल्लू मरांडी सलीम अंसारी अजीम अंसारी मोहम्मद हैदर ललन सिंह शंभू तांती विजय तांती मिथुन कुमार भूषण तांती,दामोदर पासवान संजय माझी तुलसी माझी शम्भू मांझी रेणु देवी थलपतिया देवी सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

खास चकाई में नल-जल योजना ठप, पानी को तरस रहे ग्रामीणों का फूटा आक्रोश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता। चकाई,जमुई। प्रखंड के चकाई पंचायत अंतर्गत वार्ड नंबर दो और तीन में हर घर नल का जल योजना वर्षों से बंद पड़ी है। इससे शुक्ला टोला, मिश्रा टोला, सोनार टोली और पांडे टोला के लगभग डेढ़ सौ परिवारों के समक्ष गंभीर पेयजल संकट उत्पन्न हो गया है। आक्रोशित ग्रामीणों ने जलमीनार के पास जुटकर विभाग के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। वार्ड प्रतिनिधि राजबिहारी शुक्ला ने कहा कि शुरूआत में एक साल चलने के बाद यह योजना बंद हो गई। अधिकारियों से गुहार लगाने पर मरम्मत तो हुई, लेकिन पानी महज दो घंटे चलकर दोबारा ठप हो गया। वहीं ग्रामीण अमित दुबे ने कहा कि सड़क चौड़ीकरण में पाइप क्षतिग्रस्त होने के बाद मरम्मत तो कराई गई, पर आज तक नियमित जलापूर्ति शुरू नहीं हो सकी। इस संबंध में पीएचईडी के कनीय अभियंता जय कुमार ने बताया कि विभाग द्वारा पाइपलाइन को पहले ही दुरुस्त कर दिया गया था।जलापूर्ति बाधित होने का मुख्य कारण पंप चालक की लापरवाही है। जेई ने आश्वासन दिया कि ग्राम सभा आयोजित कर नया पंप चालक बहाल किया जाएगा और अगले 24 घंटे के भीतर जलापूर्ति सुचारू रूप से चालू करा दी जाएगी। प्रदर्शन में डब्लू दुबे, चंदन शुक्ला, गौरव शुक्ला, मिथुन पाण्डेय, मुकेश ठाकुर आदि थे।

जेई ने दिया 24 घंटे में समाधान का भरोसा

एसएसबी ने जतहर गांव में चलाया वृक्षारोपण अभियान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता खैरा /जमुई। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 16 वीं वाहिनी के ए समवाय ने सोमवार को जतहर गाँव में वृक्षारोपण अभियान चलाया गया।

सभी डीएम को फरमान जारी

कार्यवाहक कमांडेंट बांके बिहारी (द्वितीय कमान अधिकारी) के दिशा-निर्देश पर ए समवाय प्रभारी निरीक्षक पंकज कुमार के नेतृत्व में आयोजित अभियान में एसएसबी जवानों और जतहर गांव के ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और 100 (सागवान, आम, नींबू, मोहागनी) के पौधे लगाए गए । इस मौके पर निरीक्षक पंकज कुमार ने बताया कि स्वस्थ एवं सुरक्षित पर्यावरण के बिना मानव जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती।

सुरक्षित पर्यावरण के बिना मानव जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती

पर्यावरण की रक्षा करना प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि पेड़, जंगल, नदियां, झीलें, भूमि और पहाड़ प्रकृति की अमूल्य धरोहर हैं, जिनके संरक्षण से ही मानव जीवन सुरक्षित रह सकता है और इस पेड़, पौधों को बचाना हम सभी का कर्तव्य है।

पुलिया की दीवार से तेज गति में टकराया टेंपो

गिद्धौर मौरा बाईपास सड़क पर भीषण सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिद्धौर/जमुई। गिद्धौर थाना क्षेत्र के धनिया ठीका मौरा जाने वाले बाईपास मार्ग पर देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गयी।

स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार धनिया टीका मोड़ के पास तेज रफ्तार में आ रहे टेंपो वाहन के चालक ने वाहन से अपना नियंत्रण खो दिया, जिससे टेम्पो सड़क किनारे पुलिया की दीवार से टकरा गयी, टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि टेम्पो वाहन के परखच्चे उड़ गए, वहीं वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

मौके पर मची अफरा-तफरी

हादसे में मृतक की पहचान गिद्धौर बाजार निवासी कपिल गुप्ता, पिता स्व. भोला गुप्ता के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही गिद्धौर पुलिस अवर निरीक्षक मनीष कुमार को मिलते ही दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंची व मामले का जायजा लिया, वहीं गंभीर अवस्था मे घायल को तत्काल इलाज के लिए दिग्विजय सिंह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, गिद्धौर लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, जमुई भेज दिया है तथा दुर्घटनाग्रस्त टेंपो को जब्त कर हादसे के कारणों की गंभीरता से जांच करने में लगी है।

दुर्घटना में गिद्धौर निवासी कपिल गुप्ता की हुई मौत मामले की जांच में जुटी गिद्धौर पुलिस

व्यापारियों की समस्याओं को मंत्री के सामने रखने को होगी भव्य आमसभा

बैठक में व्यापारियों की विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से की चर्चा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता झाझा/ जमुई। जमुई जिला चैंबर आफ कामर्स शाखा झाझा की बैठक सोमवार को स्थानीय कार्यालय परिसर में अध्यक्ष गोपाल बरनवाल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में व्यापारियों की विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही आगामी दिनों में चैंबर की ओर से भव्य आमसभा आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

आमसभा में बिहार सरकार के परिवहन मंत्री दामोदर रावत को विशेष रूप से आमंत्रित करने की बात कही गई।अध्यक्ष गोपाल बरनवाल ने बताया कि आमसभा का मुख्य उद्देश्य व्यापारियों की समस्याओं को सीधे मंत्री के समक्ष रखना तथा व्यापारियों के बीच मिलन समारोह आयोजित करना है। उन्होंने बताया कि आमसभा में व्यापारियों की सुरक्षा, प्रमुख बाजार क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरे लगाने, यातायात व्यवस्था में सुधार, नो-एंट्री सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी।

आमसभा की तिथि का निर्धारण आगामी बैठक में किया जाएगा।बैठक में महासचिव पिंटू झा, राकेश सिंह, रंजीत माथुरी, शैलेश माथुरी, संतोष झुनझुनवाला, मो. साजिद, राजू रावत, प्रशांत सुल्तानिया, पवन केशरी व सौरभ झा सहित अन्य व्यापारी मौजूद थे।

जमुई में लड़की-लड़का बदसलूकी मामला, पकड़े गए तीन आरोपित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता जमुई। जमुई जिले में सड़क पर जा रहे लड़का-लड़की के साथ दुर्व्यवहार और बदसलूकी करने वाले तीन 'राक्षस' पकड़ लिए गए। घटना का वीडियो आने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए जमुई पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना में शामिल तीन मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इस मामले की जानकारी एसपी विश्वजीत दयाल ने साझा की। तीनों आरोपी जमुई जिले के मरवा गांव के रहने वाले हैं।

एसपी के अनुसार पुलिस इन तीनों को हिरासत में लेकर गहन पूछताछ कर रही है ताकि घटना से जुड़े अन्य पहलुओं का पता लगाया जा सके। जमुई में लड़का-लड़की से बदसलूकी की घटना का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस सक्रिय है। फिलहाल तीनों आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस पूरी घटना की विस्तृत जांच आगे बढ़ा रही है। एसपी ने एसडीपीओ दीप्ति मोनाली के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया है। इनके द्वारा कांड को खंगाला जा रहा है। दरअसल जमुई जिले में 19 सितंबर की शाम एक नाबालिग छात्र-छात्रा के साथ सड़क पर बदसलूकी की बेहद शर्मनाक घटना सामने आई।

जानकारी के अनुसार दोनों जब स्कूटी से जा रहे थे , तभी रास्ते में कुछ युवकों ने उन्हें जबरन रोक लिया और घेरकर उनके साथ अभद्रता और मारपीट की। आरोप है कि इस दौरान लड़की के साथ छेड़खानी की गई। पीड़ित लड़का और लड़की रोते हुए हाथ जोड़कर उन्हें छोड़ देने की गुहार लगाते रहे , लेकिन दबंगों ने उनका वीडियो बना लिया।

इस वीडियो के सोशल मीडिया पर आने के बाद मामला उजागर हुआ। इसके बाद जमुई पुलिस संज्ञान लेकर त्वरित कार्रवाई आरंभ की।

अलीगंज बाजार मे सार्वजनिक शौचालय नहीं होने से आमजन परेशान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता अलीगंज/जमुई। अलीगंज प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत अलीगंज बाजार मे सार्वजनिक नागरिक सुविधाओं का घोर अभाव है। इस बाजार मे दर्जनो सुदूर व्रती गांव के ग्रामीण अपनी आवश्यक समानों की खरीदारी करने प्रतिदिन आते है।

जिनसे बाजार मे लाखो का कारोबार होता है। पर इस बाजार मे उन ग्राहको के लिए सुविधाओं के नाम पर कुछ भी नही है। पीने के पानी ,शौचालय, यात्री शेड, रोशनी और सुरक्षा जैसी समस्याए। और वयापारियो के साथ ग्राहको के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। बाजार मे साफ सफाई नाम की कोई चीज नही रहने से सड़कों के किनारे गंदगी पसरा रहता है।

कुडे कचरे आदि का कोई उचित प्रबंधन नही होने के कारण ग्राहको को कचरे के ढेर पर गुजरना लाचारी है। बाजार मे पेयजल की पानी की व्यवस्था नही है।ग्राहको को खरीद कर बोतल वाला पानी पीना पड्ता है। बाजार में न तो कही पीआयू की व्यस्था है न ही नल जल कही लगा है। बाजार आने वाले यात्रियों को अगर प्यास लग गई तो पानी खरीदने के अलावे कोई ऑप्शन नही है। आर्थिक रूप से कमजोर, मजदूर आदि लोगों की खरीदकर पानी पीने की क्षमता से बाहर की बात है। सबसे बड़ी बात है कि बस पड़ाव नही रहने से खास कर महिलाओं को काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है।

बाजार मे नही है रोशनी और पेयजल की व्यवस्था- अलीगंज बाजार में रोशनी और पेयजल की व्यवस्था नही है। हर बार चुनावों के दरम्यान बाजार में सोलर लाइट लगाने व पेयजल की व्यवस्था करने की दावा जन प्रतिनिधियों के वादा सिर्फ वादा ही रह जाता है। इस बार भी विधानसभा की चुनाव की बिगुल बजने जा रही है। इस बार जनता काफी जागरूक है और जीते हुए जनप्रतिनिधियो के वादा व विकास की सवाल होगे जो मन बना चुके है।आखिर अलीगंज प्रखंड क्षेत्र इतना पिछड़ा क्यों है।

चकाई में नल-जल योजना 90% फेल प्रमुख ने सीएम को पत्र लिख की जांच की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता। चकाई/जमुई। बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी हर घर नल का जल योजना चकाई प्रखंड में प्रशासनिक उपेक्षा और भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुकी है। क्षेत्र में नल-जल योजना का लगभग 90 प्रतिशत ढांचा पूरी तरह ध्वस्त है। इस बदहाली को लेकर प्रखंड प्रमुख उर्मिला देवी ने मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव को पत्र भेजकर योजना में व्याप्त व्यापक कमीशनखोरी की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। पत्र की प्रतिलिपि जिलाधिकारी एवं उप विकास आयुक्त को भी भेजी गई है।प्रखंड प्रमुख ने पंचायतों के औचक निरीक्षण के बाद बताया कि ग्रामीणों की शिकायत पर जब 40 से 45 यूनिटों की स्थलीय जांच की गई, तो महज 4 से 5 यूनिट ही चालू मिलीं। इनमें भी पाइप फटने और नलों के अभाव से घरों तक पानी नहीं पहुंच रहा। पीटरपहाड़ी पंचायत के पिपरा व दरवेयडीह वार्ड 06 में पाइपलाइन तक नहीं बिछाई गई है, जबकि करमाटांड़ वार्ड 03 की चारों यूनिटें बंद हैं। माधोपुर के हिरनाटांड़ और चंद्रमंडीह के कोराने गांव में भी महीनों से जलापूर्ति ठप है।प्रमुख ने आरोप लगाया कि 25 से 28 लाख की लागत वाली यूनिटें धरातल पर सफेद हाथी साबित हुई हैं। संवेदक और अधिकारी मिलीभगत कर सरकारी राशि का बंदरबांट कर रहे हैं और गरीब जनता बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रही है। उन्होंने चकाई की सभी 23 पंचायतों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में राज्यस्तरीय गोपनीय जांच कमेटी गठित कर भौतिक सत्यापन कराने व दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

जर्जर भवन में चल रहा राजस्व कचहरी का काम, बारिश में कागज भी सुरक्षित नहीं

जिम्मेदार अधिकारी मौन, कर्मी और ग्रामीण दहशत में

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अलीगंज/जमुई। इस्लामनगर अलीगंज अंचल कार्यालय स्थित राजस्व कचहरी भवन पूरी तरह से जर्जर हो चुका है जो कभी भी धराशायी हो सकता है।

13 हल्कों के राजस्व संबंधी कार्य इसी खपरैल और करकट के पुराने भवन में किए जा रहे हैं, जहां बारिश के मौसम में कर्मचारियों और किसानों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कर्मचारियों का कहना है कि यह भवन कई दशक पुराना है और अब खंडहर में तब्दील हो चुका है। बारिश में कार्यालय के जरूरी दस्तावेज तक सुरक्षित नहीं रह पाते, जिससे मजबूरन उन्हें दूसरे के मकान में रखवाना पड़ता है। बावजूद इसके जिला प्रशासन और संबंधित वरीय अधिकारी अब तक इस गंभीर समस्या पर चुप्पी साधे हुए हैं। समाजसेवी शशिशेखर सिंह मुन्ना, धर्मेंद्र पासवान उर्फ गुरुजी, महेश सिंह राणा, मनोज राम, सुनील शर्मा और चंद्रशेखर आजाद ने प्रशासन से सवाल किया है कि जहां से सरकार को हर वर्ष लाखों की आय होती है, वहां आज भी कचहरी जैसी अहम व्यवस्था एक खस्ताहाल भवन में संचालित हो रही है। राजस्व कचहरी के चारों ओर की भूमि पर अतिक्रमण हो चुका है और परिसर में गंदगी का अंबार लगा हुआ है। चारों तरफ से दुर्गंध आने के कारण कर्मचारियों और आम लोगों के लिए बैठना तक मुश्किल हो गया है। इस बाबत सीओ रंजन कुमार दिवाकर ने बताया कि जिला प्रशासन को इस संबंध में पत्र लिखा गया है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। ग्रामीणों और कर्मियों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि इस्लामनगर अलीगंज अंचल कार्यालय के लिए नए भवन का निर्माण शीघ्र कराया जाए ताकि राजस्व कार्य सुचारु रूप से हो सके और दस्तावेजों की सुरक्षा भी सुनिश्चित की जा सके।

पुराने भवन में किए जा रहे हैं, जहां बारिश के मौसम में कर्मचारियों और किसानों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा

वार्षिक पूजा में 20 क्विंटल दूध से तैयार होगा महाप्रसाद, उमड़े श्रद्धालु

नवबिहार टाइम्स संवाददाता चकाई/जमुई। प्रखंड क्षेत्र के कियाजोरी गांव स्थित प्रसिद्ध बाबा दुबे मंदिर में सोमवार को वार्षिक पूजा का आयोजन श्रद्धा और पारंपरिक उल्लास के साथ शुरू हुआ। इस धार्मिक अनुष्ठान को लेकर कियाजोरी सहित आसपास के दर्जनों गांवों में उत्साह का माहौल है। अहले सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का तांता लग गया।

भक्तों ने कतारबद्ध होकर बाबा दुबे के दरबार में मत्था टेका और परिवार की सुख, शांति व समृद्धि की मंगलकामना की।वार्षिक पूजा को लेकर मंदिर परिसर में विशेष पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए गए। इस भव्य आयोजन का मुख्य आकर्षण करीब 20 क्विंटल दूध से तैयार होने वाला महाप्रसाद है। आयोजकों ने बताया कि निर्धारित धार्मिक विधि-विधान पूरा होने के बाद दूध से महाप्रसाद तैयार किया जा रहा है।

मुरारी दुबे चौक से कानूनगो बांग्ला तक एक किमी मार्ग दशकों से बदहाल

खास चकाई में ग्रामीणों ने खुद थामी कुदाल, श्रमदान से बनाई सड़क

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चकाई/जमुई। प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की निरंतर अनदेखी से आहत ग्रामीणों के सब्र का बांध आखिरकार टूट गया। मुरारी दुबे चौक से कानूनगो बांग्ला सीताराम पांडेय के घर तक जाने वाली लगभग एक किलोमीटर कच्ची सड़क आजादी के दशकों बाद भी बदहाल पड़ी थी। जनप्रतिनिधियों के चक्कर काटकर थक चुके ग्रामीणों ने अब किसी पर निर्भर रहने के बजाय खुद कुदाल और फावड़े थामकर सड़क संवारने का बीड़ा उठाया। ग्रामीणों ने आपसी सहयोग से चंदा एकत्र कर मार्ग पर मिट्टी गिरवाई और व्यापक श्रमदान कर इसे आवागमन के योग्य बनाया। ग्रामीणों अमित दुबे ने बताया कि यह सर्वे रोड चकाई बाजार और मुख्य सड़क को जोड़ने वाला प्रमुख संपर्क मार्ग है। बारिश के दिनों में घुटनों तक कीचड़ के कारण स्कूली बच्चे और बाइक सवार रोजाना फिसलकर दुर्घटनाग्रस्त हो रहे थे।ग्रामीण गौरव शुक्ला ने बताया कि चुनाव दर चुनाव नेताओं ने केवल पक्की सड़क का झुनझुना थमाया, लेकिन जीत दर्ज करने के बाद किसी ने सुध नहीं ली। इस श्रमदान अभियान में अमित दुबे, सुरेश पोद्दार, मिथुन पाण्डेय, मुकेश ठाकुर, बिकाश पोद्दार, रंजन शुक्ला, गौरव शुक्ला, चंदन शुक्ला, विवेक पाण्डेय और कृष्णा पोद्दार सहित दर्जनों ग्रामीण पूरी तत्परता से जुटे रहे। ग्रामीणों ने प्रशासन से अविलंब सड़क के पक्कीकरण की मांग की है। साथ ही दो-टूक चेतावनी दी कि यदि निर्माण कार्य जल्द शुरू नहीं हुआ, तो आगामी चुनावों का पूर्ण बहिष्कार किया जाएगा और किसी भी जनप्रतिनिधि को गांव में घुसने नहीं दिया जाएगा।

+2 उत्क्रमित उच्च विद्यालय हिरम्बा में मूल्यांकन कार्य शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता गिद्धौर/जमुई । प्रखंड के संकुल संसाधन केंद्र +2 उत्क्रमित उच्च विद्यालय हिरम्बा में मूल्यांकन कार्य सोमवार से शुरू हो गई।

पंचायत स्तर पर बनाए गए मूल्यांकन केंद्रों पर आठवीं कक्षा तक की उत्तर पुस्तिकाओं की जांच की जा रही है। शिक्षा विभाग के निदेर्शानुसार निष्पक्षता बनाए रखने के लिए बाहरी शिक्षकों को मूल्यांकन की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

लक्ष्मीपुर प्रखंड के सभी सीआरसी स्तर के विद्यालयों को मूल्यांकन केंद्र बनाया गया है। मूल्यांकन केंद्र का सीआरसी संचालक सह प्रधानाध्यापक मुकेश कुमार एवं संकुल समन्वयक गंगासागर मिश्र ने बताया कि इस मूल्यांकन प्रक्रिया में प्राथमिक, उत्क्रमित एवं मध्य विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाएं शामिल हैं।

परीक्षा प्रणाली में छात्रों का विश्वास बढ़ाने की पहल

शिक्षा विभाग द्वारा उत्तर पुस्तिकाओं की जांच में पारदर्शिता बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। मूल्यांकन केंद्रों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है, ताकि परीक्षा परिणाम निष्पक्ष एवं सही तरीके से तैयार हो सके।

सीआरसी संचालक सह प्रधानाध्यापक मुकेश कुमार एवं संकुल समन्वयक गंगासागर मिश्र ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य छात्रों की मेहनत का सही मूल्यांकन सुनिश्चित करना है। इससे परीक्षा प्रणाली में छात्रों का विश्वास बढ़ेगा और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा।

इस दौरान मूल्यांकन कार्य में लगे शिक्षक-शिक्षिकाओं में सिंकदर सिंह, पूनम कुमारी,नेहा, पंकज दास, शेखर कुमार,धर्मेंद्र कुमार,प्रवीण कुमार,दीपमाला, इंद्रदेव पासवान,राजशेखर सिंह, सौरभ कुमार, बबीता कुमारी, सुधीर कुमार,सुमनलता कुमारी, राजेंद्र प्रसाद सिंह, जितेंद्र कुमार सहित कई अन्य उपस्थित थे।

CMYK

जनशताब्दी एक्सप्रेस के इंजन में फंसा मिला महिला का सिर

गया से बोकारो तक जांच में जुटी जीआरपी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या-02 पर पटना-रांची-पटना जनशताब्दी एक्सप्रेस के इंजन से बरामद अधेड़ महिला के कटे सिर का सोमवार को जीआरपी ने पोस्टमार्टम कराया. महिला की पहचान अब तक नहीं हो सकी है. जीआरपी पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) की जांच रिपोर्ट के आधार पर महिला की पहचान और पूरे मामले की गुत्थी सुलझाने में जुटी है. अधिकारियों को उम्मीद है कि रिपोर्ट मिलने के बाद मामले में महत्वपूर्ण सुराग मिल सकते हैं. रविवार को रांची से पहुंची एफएसएल टीम ने रेल इंजन का गहन निरीक्षण किया. टीम ने विशेष रूप से इंजन के उस हिस्से की जांच की, जहां से महिला का कटा सिर बरामद हुआ था. जांच के दौरान कई महत्वपूर्ण नमूने और साक्ष्य एकत्र किये गये. साक्ष्यों को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से जीआरपी के अनुरोध पर इंजन की धुलाई भी नहीं करायी गयी थी. जानकारी के अनुसार शनिवार को जनशताब्दी एक्सप्रेस के इंजन के अगले हिस्से से महिला का कटा सिर बरामद होने के बाद ट्रेन को रांची के लिए रवाना कर दिया गया था. रांची पहुंचने के बाद इंजन रैक लेकर पटना के लिए निकला. गोमो में रैक छोड़ने के बाद जांच के लिए इंजन को वापस बोकारो लाया गया. इसके बाद रविवार को एफएसएल टीम ने तकनीकी और वैज्ञानिक तरीके से इंजन की जांच की. जीआरपी अब यह पता लगाने में जुटी है कि महिला ट्रेन की चपेट में कब और कहां आयी तथा उसका सिर इंजन के अगले हिस्से तक कैसे पहुंचा. प्रारंभिक जानकारी के अनुसार संबंधित इंजन गया यार्ड से निकला था. ऐसे में जांच का दायरा गया से लेकर बोकारो तक बढ़ा दिया गया है. पुलिस मार्ग के विभिन्न स्टेशनों और रेलवे ट्रैक के आसपास की सूचनाओं को भी खंगाल रही है. जीआरपी अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम और एफएसएल रिपोर्ट मिलने के बाद घटना के कारणों और महिला की पहचान को लेकर स्थिति अधिक स्पष्ट हो सकेगी. फिलहाल पुलिस उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर मामले की हर पहलू से जांच कर रही है.

हाईवा में पीछे से जा घुसी बाइक, दो नाबालिग गंभीर रूप से घायल, धनबाद रेफर

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। नारायणपुरः गोविंदपुर-साहिबगंज सड़क पर सोमवार की दोपहर लोहारंगी मोड़ के समीप बाइक सवार दो युवक आगे चल रहे हाईवा से टकराकर गंभीर रूप से घायल हो गये. हादसे में दोनों के सिर में गंभीर चोट लगी है. घायलों की पहचान रामपुर (कदमीटांड़) निवासी

शमशेद अंसारी (17) और बिराजपुर निवासी जाहिद अंसारी (15) के रूप में हुई है. जानकारी के अनुसार, दोनों युवक बाइक से रामपुर से बिराजपुर जा रहे थे. इसी दौरान लोहारंगी मोड़ के पास उनकी बाइक आगे चल रहे हाईवा से पीछे से टकरा गयी. टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों युवक सड़क पर गिरकर घायल हो गये. हादसे के बाद मौके पर आसपास के लोग जुट गये और पुलिस को सूचना दी गयी. स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस वाहन से दोनों घायलों को सीएचसी नारायणपुर पहुंचाया गया. चिकित्सक ऐश्वर्या मुंशी ने प्राथमिक उपचार किया. सिर में गंभीर चोट को देखते हुए दोनों को बेहतर इलाज के लिए धनबाद रेफर कर दिया गया. अस्पताल में तत्काल एंबुलेंस उपलब्ध नहीं होने के कारण पुलिस और परिजनों को निजी एंबुलेंस की व्यवस्था करनी पड़ी. इसके बाद दोनों घायलों को धनबाद ले जाया गया. अस्पताल में तत्काल एंबुलेंस उपलब्ध नहीं होने के कारण पुलिस और परिजनों को निजी एंबुलेंस की व्यवस्था करनी पड़ी. इसके बाद दोनों घायलों को धनबाद ले जाया गया. घटना के बाद स्थानीय लोगों ने सीएचसी नारायणपुर में 24 घंटे कम से कम दो एंबुलेंस उपलब्ध कराने की मांग की है, ताकि आपात स्थिति में मरीजों को समय पर बेहतर इलाज के लिए रेफर किया जा सके. हादसे के बाद पुलिस ने बाइक और हाईवा दोनों वाहनों को कब्जे में ले लिया है. पुलिस मामले की जांच कर रही है और दुर्घटना के कारणों की जानकारी जुटायी जा रही है.

धनबाद पहुंचे दामोदर रावत, झारखंड में जदयू के संगठन विस्तार को लेकर बनी रणनीति

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। बिहार के परिवहन मंत्री दामोदर रावत के सोमवार को धनबाद आगमन पर जनता दल यूनाइटेड (जदयू) की जिला इकाई ने धनबाद परिसदन में उनका स्वागत किया. बिहार सरकार की आधिकारिक वेबसाइट पर भी दामोदर रावत को परिवहन मंत्री के रूप में दर्ज किया गया है. स्वागत कार्यक्रम का नेतृत्व धनबाद जिला जदयू अध्यक्ष पिंटु कुमार सिंह ने किया.

पार्टी नेताओं और कार्यकताओं ने मंत्री को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया. इस दौरान झारखंड में जदयू के संगठन विस्तार और पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने को लेकर चर्चा हुई.

पंचायत और बूथ स्तर तक संगठन विस्तार पर जोर

जिलाध्यक्ष पिंटु कुमार सिंह ने कहा कि पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए कार्यकताओं को सक्रिय किया जा रहा है. संगठन की गतिविधियों को पंचायत और बूथ स्तर तक पहुंचाने तथा अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने की दिशा में काम किया जा रहा है. बैठक के दौरान पार्टी की संगठनात्मक गतिविधियों को प्रभावी बनाने और कार्यकताओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने से जुड़े विषयों पर भी विचार-विमर्श किया गया.

कार्यकर्ताओं ने मंत्री से की मुलाकात

स्वागत कार्यक्रम में जदयू के प्रदेश महासचिव सुशील कुमार सिंह, प्रदेश महासचिव राजू कुमार सिंह, धनबाद नगर अध्यक्ष धनलाल दुबे, मजदूर प्रकोष्ठ के प्रभारी राजेंद्र राही, मजदूर प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष सुभाषचंद्र सिंह, जिला उपाध्यक्ष शंकर चौरसिया, जिला महासचिव झप्पू सिन्हा और नमन भारती मौजूद रहे. इसके अलावा युवा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष बबलू मोदक, सकलदेव राय, युवा जदयू के प्रदेश महासचिव शंकर विद्यार्थी, भाजपा नेता तेज बहादुर सिंह, अभिषेक दुबे समेत अन्य नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे. कार्यकताओं ने मंत्री के साथ संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की और झारखंड में पार्टी की गतिविधियों को आगे बढ़ाने पर जोर दिया.

एमएसएमई की कल्याणकारी योजनाओं के प्रति उद्यमियों को किया जागरूक

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के सहयोग से आज धनबाद रेलवे स्टेशन के पास स्थित रेलवे ऑडिटोरियम में 'उद्यमी जागरूकता और विशेष विक्रेता विकास कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भारत सरकार के एम.एस.एम.ई. मंत्रालय की प्रमुख पहलों, विशेष रूप से 'राष्ट्रीय एससी-एसटी हब योजना', के प्रति व्यापक जागरूकता पैदा करना था। इसके माध्यम से नए और मौजूदा उद्यमियों को सशक्त बनाना है, ताकि केंद्रीय मंत्रालयों, विभागों और केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों द्वारा

'सार्वजनिक खरीद नीति' के तहत अनिवार्य 4% खरीद लक्ष्य को पूरा करने में सहयोग मिल सके। कार्यक्रम के दौरान नए उद्यमियों को अपने उद्यमों को औपचारिक स्वरूप देने के लिए 'उद्यम पोर्टल' पर पंजीकरण के महत्व से अवगत कराया गया। वहीं, मौजूदा उद्यमियों को विक्रेता पंजीकरण प्रक्रियाओं, आवश्यक दस्तावेजों, केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों द्वारा अधिप्राप्त की जाने वाली वस्तुओं, ई-टेंडरिंग प्रक्रिया, ऋण सुविधाओं के विकल्पों और व्यापार विस्तार व स्थिरता के लिए बैंकों द्वारा दी जाने वाली सब्सिडी के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम की शुरूआत में नेशनल स्मॉल इंडस्टरीज कॉरपोरेशन, रांची, की वरीय शाखा प्रबंधक किरण मारिया तिरु ने भारत सरकार की पब्लिक प्रोक्योरमेंट पॉलिसी के प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस नीति के तहत कुल सरकारी खरीद में एससी/एसटी के मालिकाना हक वाले एम.एस.एम.ई. से 4% तथा महिला उद्यमियों के मालिकाना हक वाले एम.एस.एम.ई. से 3% खरीद अनिवार्य है। कार्यक्रम में तकनीकी सत्र का भी आयोजन किया गया, जिसमें एम.एस.एम.ई., प्रमुख बैंकों, बीसीसीएल, डीवीसी, डीआइसी सहित अन्य प्रशिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। विशेषज्ञों ने वित्तीय सहायता, वेंडर एम्पैनलमेंट प्रक्रिया और संबंधित सेवाओं पर मार्गदर्शन दिया, जिससे उद्यमियों और प्रमुख हितधारकों के बीच सीधा संवाद स्थापित हुआ और एम.एस.एम.ई. इकोसिस्टम में आपसी सहयोग सुदृढ़ हुआ। इस अवसर पर वन प्रमंडल पदाधिकारी विकास पालीवाल, सुजीत कुमार, सुबोध कांत, अभिषेक कंडुलना, आदित्य चौधरी, रोशन आनंद, नीलू, एचडीएफसी बैंक के अमित कुमार पॉल, बैंक ऑफ महाराष्ट्र के सच्चिदानंद सिंह, बीसीसीएल से विक्की आनंद व निखिल प्रकाश, डीवीसी से विनय कुमार व लोकेश मंडल, झारखंड ग्रामीण बैंक से मनोज कुमार पॉल, एस.के. चौधरी, शुभम कुमार, विवेकानंद सिंह सहित कई गणमान्य व्यक्ति व अधिकारी उपस्थित रहे।

बोकारो के स्कूल में खाली रह गई 370 बच्चों की थालियां, 126 दिनों बाद दुकानदारों ने खींचे हाथ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बोकारो। जिले के कसमार प्रखंड स्थित हरनाद के पीएम श्री केएन प्लस टू उच्च विद्यालय में सोमवार को मध्याह्न भोजन (एमडीएम) नहीं बनने से 370 बच्चों को बिना भोजन के ही घर लौटना पड़ा. अप्रैल 2026 से पीएम पोषण योजना की राशि नहीं मिलने के कारण विद्यालय प्रबंधन करीब 126 दिनों तक उधार राशन लेकर किसी तरह एमडीएम संचालित करता रहा, लेकिन बकाया राशि 2,84,799 रुपये पहुंचने के बाद दुकानदार ने आगे राशन देने से इनकार कर दिया. इसके कारण सोमवार को स्कूल में चूल्हा नहीं जला और बच्चों की थालियां खाली रह गयीं. विद्यालय में कक्षा एक से आठवीं तक 370 छात्र-छात्राएं नामांकित हैं. रोज की तरह बच्चे सोमवार को भी भोजन की उम्मीद लेकर स्कूल पहुंचे थे, लेकिन मध्याह्न भोजन नहीं बनने की जानकारी मिलने पर उन्हें निराश होकर वापस लौटना पड़ा. भोजन के समय कई बच्चे थाली लेकर इधर-उधर घूमते रहे और बाद में बिना खाना खाये घर चले गये.

अप्रैल से नहीं मिली योजना की राशि

विद्यालय प्रबंधन द्वारा विभाग को भेजी गयी लिखित सूचना के अनुसार अप्रैल 2026 से पीएम पोषण योजना के मद में राशि का भुगतान नहीं हुआ है. 31 अगस्त तक विद्यालय ने उधार राशन लेकर 105 दिनों तक एमडीएम का संचालन किया. इसके बाद भी भुगतान नहीं होने से उधारी बढ़ती गयी और अब यह अवधि करीब 126 दिनों तक पहुंच गयी है.

दुकानदार ने आगे राशन देने से किया इनकार

एमडीएम प्रभारी नंदकिशोर नायक ने बताया कि दुकानदार का बकाया लगातार बढ़ रहा था और राशि 2.84 लाख रुपये से अधिक हो जाने के बाद उसने आगे राशन देने में असमर्थता जता दी. इसकी सूचना विभाग को पहले ही लिखित रूप से दे दी गयी थी. विभागीय स्तर से जल्द भुगतान का आश्वासन भी मिला था, लेकिन राशि उपलब्ध नहीं होने के कारण अंततः मध्याह्न भोजन बंद करना पड़ा.

भुगतान की उम्मीद पूरी नहीं हुई

इस मामले में पूर्व में प्रखंड स्तर पर विभागीय अधिकारियों ने भुगतान प्रक्रिया जारी होने तथा 10 सितंबर तक राशि मिलने की संभावना जतायी थी. हालांकि निर्धारित समय बीत जाने के बाद भी विद्यालय को राशि प्राप्त नहीं हुई. इसके कारण एमडीएम संचालन पूरी तरह प्रभावित हो गया है.

व्यवस्था पर उठे सवाल

विद्यालय में एमडीएम बंद होने से बच्चों के पोषण और नियमित उपस्थिति पर भी असर पड़ने की आशंका जतायी जा रही है. ग्रामीणों और अभिभावकों ने बकाया राशि का तत्काल भुगतान कर मध्याह्न भोजन व्यवस्था बहाल करने की मांग की है. विद्यालय प्रबंधन का कहना है कि राशि मिलते ही भोजन व्यवस्था फिर से शुरू कर दी जायेगी. बच्चों की खाली थालियां सोमवार को उस स्थिति की तस्वीर बन गयीं, जहां सरकारी योजना का संचालन भी उधारी के सहारे चल रहा था. अब सभी की नजर विभागीय स्तर पर होने वाली कार्रवाई और बकाया भुगतान पर टिकी है.

सीआईएमएफआर दिगवाडीह में कौशल विकास कार्यक्रम का शुभारंभ

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सीएसआईआर-केंद्रीय खनन एवं ईंधन अनुसंधान संस्थान दिगवाडीह परिसर में सीएसआईआर एकीकृत कौशल पहल चरण-ककक के तहत तीन दिवसीय कौशल विकास कार्यक्रम

का शुभारंभ रविवार को हुआ। 'वैज्ञानिक अनुसंधान में प्रबंधन एवं रचनात्मक विचार' विषय पर आयोजित यह कार्यक्रम 21 से 23 सितंबर तक चलेगा। कार्यक्रम का आयोजन मानव संसाधन विकास, कौशल विकास एवं जिज्ञासा अनुभाग द्वारा कैटेलिसिस एवं एडवांस्ड मैटेरियल्स रिसर्च ग्रुप के सहयोग से किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्घाटन वैज्ञानिक 'जी' एवं कौशल पहल के समन्वयक इंजी. अमर नाथ और वैज्ञानिक प्रभारी, दिगवाडीह परिसर डॉ. पिनाकी सरकार ने संयुक्त रूप से किया। डॉ. पिनाकी सरकार ने कहा कि शोध में प्रबंधन, रचनात्मक सोच और नवाचार आज के समय की मांग है। समस्या-समाधान की क्षमता से ही शोध सार्थक बनता है। वहीं इंजी. अमर नाथ ने युवाओं को नौकरी खोजने के बजाय नवाचारकर्ता और उद्यमी बनकर रोजगार सृजक बनने की प्रेरणा दी। उन्होंने वैज्ञानिक विचारों को उपयोगी तकनीक और उत्पाद में बदलने पर जोर दिया। यह प्रशिक्षण प्रोजेक्ट असिस्टेंट, एसोसिएट और रिसर्च फेलो के लिए विशेष रूप से उपयोगी है। इसमें अनुसंधान प्रबंधन, आलोचनात्मक चिंतन, नवाचार और वैज्ञानिक संचार जैसे कौशल विकसित किए जाएंगे। कार्यक्रम में दोनों परिसरों के 30 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया है। समन्वय डॉ. आरती साहू और डॉ. एम. एस. संतोष कर रहे हैं। मौके पर दिलीप कुंभकार, डॉ. जे. के. सिंह, डॉ. सुदीप्तो दत्ता, डॉ. आशीष घोष सहित कई वैज्ञानिक मौजूद थे।

आम केवल फल नहीं, अब बनेगा कमाई का जरिया, ओडीओपी योजना को लेकर बोकारो प्रशासन का बड़ा प्लान

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। समाहरणालय कार्यालय कक्ष में सोमवार को उपायुक्त अजय नाथ झा ने 'वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट' (ओडीओपी) को लेकर बैठक की. बैठक में उत्पाद चयन, कैटलॉग, नमूना और उत्पादों की बाजार संभावनाओं समेत अन्य बिंदुओं पर चर्चा की गयी. उपायुक्त ने आम आधारित उत्पादों की संभावनाओं पर विशेष रूप से काम करने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि आम को केवल फल के रूप में नहीं, बल्कि इसके प्रसंस्करण और मूल्यवर्धित उत्पादों के जरिये ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ाने के अवसर के रूप में विकसित किया जाना चाहिए. इसके लिए कार्यशाला आयोजित कर उत्पादकों और संबंधित समूहों को प्रशिक्षण देने का निर्देश दिया.

आम से जुड़े मूल्यवर्धित उत्पादों पर फोकस

उपायुक्त ने कहा कि स्थानीय संसाधनों को उत्पाद के रूप में विकसित कर ग्रामीण परिवारों के लिए आय के अतिरिक्त स्रोत तैयार किये जा सकते हैं. उन्होंने आम के प्रसंस्करण, उससे बनने वाले मूल्यवर्धित उत्पादों और उनके बाजार की संभावनाओं पर व्यवस्थित तरीके से काम करने को कहा. उन्होंने उत्पादों की गुणवत्ता बेहतर करने के साथ आकर्षक पैकेजिंग और ब्रांडिंग पर भी ध्यान देने का निर्देश दिया. साथ ही स्थानीय स्तर से लेकर राज्य और राष्ट्रीय बाजार तक उत्पाद पहुंचाने की संभावनाओं का अध्ययन करने को कहा.

हर घर में आय का वैकल्पिक स्रोत विकसित करने पर जोर

उपायुक्त ने कहा कि हर घर में आय का एक वैकल्पिक स्रोत होना चाहिए. इसके लिए स्थानीय संसाधन, उपलब्ध कौशल और क्षेत्र की संभावनाओं के आधार पर ऑन-फार्म और ऑफ-फार्म गतिविधियों को बढ़ावा देने की जरूरत है. इससे ग्रामीण परिवारों को अतिरिक्त आय का स्थायी माध्यम उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी.

स्थानीय उत्पादों को आजीविका से जोड़ने की पहल

बैठक में स्थानीय सांस्कृतिक पहचान से जुड़े उत्पादों को भी आजीविका गतिविधियों से जोड़ने पर जोर दिया गया. उपायुक्त ने ऐसे उत्पादों के उत्पादन, प्रसंस्करण, पैकेजिंग और विपणन से जेएसएलपीएस की दीदियों और स्वयं सहायता समूहों को जोड़ने का निर्देश दिया.

कैटलॉग और नमूना तैयार करने का निर्देश

उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को उत्पादों का कैटलॉग और नमूना तैयार करने का निर्देश दिया. उन्होंने गुणवत्ता, पैकेजिंग, ब्रांडिंग और बाजार उपलब्ध कराने को लेकर समेकित कार्ययोजना तैयार करने को कहा. साथ ही उत्पादों को स्थानीय बाजार से राज्य और राष्ट्रीय स्तर के बाजार तक पहुंचाने की संभावनाओं का अध्ययन करने का निर्देश दिया. बैठक में उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, जिला खेल पदाधिकारी हेमलता बून, जिला कल्याण पदाधिकारी सुचिता किरण, जेएसएलपीएस के डीपीएम अनिल डुंगडुंग, एपीआरओ अविनाश कुमार समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी मौजूद थे.

बरवाअड्डा फल मंडी में पिकअप ने मजदूर को कुचला

मौत के बाद आक्रोशित मजदूरों ने किया सड़क जाम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो,

धनबाद। कृषि बाजार समिति परिसर धनबाद स्थित फल मंडी में रविवार देर रात एक तेज रफ्तार अनियंत्रित पिकअप वाहन ने काम कर रहे मोटिया मजदूर को कुचल दिया। हादसे में गंभीर रूप से घायल मजदूर की इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गई। घटना से आक्रोशित मजदूरों ने मंडी परिसर के भीतर बांस-बल्ली लगाकर मुख्य सड़क को जाम कर दिया और नारेबाजी करते हुए कामकाज पूरी तरह ठप कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना रविवार रात करीब 11 बजे की है। फल मंडी में दैनिक कामकाज चल रहा था, तभी एक पिकअप वाहन संख्याः जे एच 10 सी डब्ल्यू 7869 का चालक मंडी परिसर के भीतर ही वाहन को काफी तेज रफ्तार से बैक कर रहा था। इसी दौरान वहां काम कर रहे 45 वर्षीय मोटिया मजदूर दौलत तांती वाहन की चपेट में आ गए। मजदूरों का आरोप है कि हादसा होते ही जब लोगों ने शोर मचाया, तो चालक घबराकर भागने के चक्कर में वाहन को और तेजी से आगे-पीछे करने लगा। इस दौरान दौलत तांती कई फीट तक वाहन के साथ घसीटते चले गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। वारदात के बाद चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। दुर्घटना के बाद मंडी में अफरा-तफरी मच गई। साथी मजदूरों और कारोबारियों (आढ़तियों) ने तुरंत घायल दौलत तांती को निजी वाहन से एसएनएमएमसीएच धनबाद पहुंचाया, जहां

देर रात इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। मृतक दौलत तांती पिछले 15 वर्षों से अधिक समय से इसी मंडी में मोटिया मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे थे। सोमवार सुबह जैसे ही दौलत तांती की मौत की खबर मंडी पहुंची, मजदूर उग्र हो गए। उन्होंने शव को फल मंडी में रखकर सड़क जाम कर दी। दुर्घटनाग्रस्त वाहन की जब्ती और मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा व सरकारी सहायता देने की मांग कर रहे थे। जाम के कारण फलों से लदे दर्जनों ट्रक और पिकअप जहां-तहां खड़े हो गए, जिससे मंडी का आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया। सड़क जाम की सूचना मिलते ही बरवाअड्डा थाना पुलिस दल-बल के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस अधिकारियों ने उग्र मजदूरों को समझा-बुझाकर शांत कराया और आश्वस्त किया कि वाहन संख्या के आधार पर चालक की पहचान कर ली गई है तथा उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। पुलिस के ठोस आश्वासन के बाद लगभग दो घंटे बाद जाम हटाया जा सका और मंडी में कामकाज सामान्य हो पाया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया । स्थानीय मजदूरों ने मंडी प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि रात के समय मंडी परिसर के भीतर बिना किसी रोक-टोक के तेज रफ्तार वाहनों का प्रवेश होता है, जिससे हमेशा दुर्घटना का खतरा बना रहता है। मजदूरों ने मंडी प्रबंधन से परिसर में सुरक्षा गार्डों की तैनाती, वाहनों की गति सीमा तय करने और जगह-जगह स्पीड ब्रेकर बनाने की मांग की है।

बोकारो के 12 मेधावी छात्रों को मिला सिंगापुर-मलेशिया घूमने का मौका

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो,

बोकारो। दी पेंटिकॉस्टल असेंबली स्कूल, बोकारो के 'ग्लोबल अचीवर्स कार्यक्रम' के तहत 12 मेधावी विद्यार्थियों का दल 15 सितंबर से सिंगापुर और मलेशिया की सात दिवसीय शैक्षणिक यात्रा पर है. कार्यक्रम के तहत सीबीएसई की 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा में 95 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पूर्णतः प्रायोजित अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक यात्रा करायी जाती है. स्कूल के अनुसार, अब तक 300 से अधिक विद्यार्थी इस पहल का लाभ उठा चुके हैं.

कार्यकारी निदेशक और प्राचार्या ने किया नेतृत्व

इस वर्ष विद्यार्थियों के दल का नेतृत्व स्कूल के कार्यकारी निदेशक डॉ. डैनियल माइकल प्रसाद और प्राचार्या डॉ. करुणा प्रसाद ने किया. दल में स्कूल टॉपर उत्कर्षा के अलावा ऋषि

जोसेफ, नथानिएल मैथ्यू, दिव्यांशु सिन्हा, पलक, साक्षी कुमारी, जोया परवीन, रिदम अग्रवाल, हर्षित सिंह, रिशांत विद्यार्थी, सत्यम चौहान और सत्यम कांत शामिल हैं. यात्रा के दौरान विद्यार्थियों ने मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर में पेट्रोनास ट्विन टावर्स, बाटू केव्स, जेंटिंग हाइलैंड्स, सनवे लैगून, इस्ताना नेगारा और पुत्रजया का भ्रमण किया. पेट्रोनास ट्विन टावर्स की 86 मंजिली इमारत भी विद्यार्थियों के आकर्षण का केंद्र रही. इसके बाद सिंगापुर में विद्यार्थियों ने मर्लियन परिसर और ज्वेल चांगी एयरपोर्ट का भ्रमण किया. इस दौरान उन्होंने दोनों देशों के शहरी परिवेश, स्वच्छता, अनुशासन, तकनीकी विकास और बहुसांस्कृतिक जीवनशैली को करीब से समझने का अवसर पाया.

वैश्विक दृष्टिकोण और आत्मविश्वास बढ़ाना उद्देश्य

कार्यकारी निदेशक डॉ. डैनियल माइकल प्रसाद ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैश्विक दृष्टिकोण और आत्मविश्वास से लैस करना है. उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न संस्कृतियों और व्यवस्थाओं को समझने से विद्यार्थियों के सीखने का दायरा व्यापक होता है. संस्थापक निदेशक रेवरेंड डॉ. डीएन प्रसाद और मुख्य शैक्षणिक अधिकारी रीता प्रसाद ने बताया कि कार्यक्रम विद्यार्थियों में समय-प्रबंधन, निर्णय क्षमता और सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है.

विद्यार्थियों ने साझा किया अनुभव

10वीं की टॉपर उत्कर्षा ने यात्रा को अपने जीवन का अविस्मरणीय अनुभव बताया. विद्यार्थियों ने विभिन्न स्थानों के भ्रमण के दौरान वहां की व्यवस्थाओं और सांस्कृतिक विविधता को करीब से देखने और समझने का अनुभव साझा किया. स्कूल के अनुसार, इस तरह की यात्राओं का उद्देश्य विद्यार्थियों को कक्षा की पढ़ाई के साथ व्यावहारिक और वैश्विक अनुभव उपलब्ध कराना है.

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा नवबिहार टाइम्स प्रिंटिंग प्रेस बियाडा परिसर, जसोइया, औरंगाबाद से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145865 7295863300
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com

CMYK